www.navpradesh.com
दैनिक नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

रायपुर, शुक्रवार, 12 जून 2026 | कृष्ण पक्ष-द्वादशी, | विक्रम संवत -2083 / वर्ष-15 अंक- 123 | पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

विकास का रोडमैप : बस्तर में दूध, खेतों तक पानी, युवाओं को काम और गांवों को नई पहचान देने की तैयारी

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 11वीं बैठक में नक्सलवाद से मुक्त बस्तर की नई तस्वीर देश के सामने रखी। उन्होंने कहा कि दशकों तक हिंसा की मार झेलने वाला बस्तर अब आर्थिक पुनरुत्थान, रोजगार, शिक्षा, पर्यटन और कृषि आधारित विकास का मॉडल बनेगा।

मुख्यमंत्री ने बैठक में बस्तर के आदिवासी परिवारों की आय दोगुनी करने, दुग्ध क्रांति लाने, 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करने, पर्यटन को बड़े उद्योग के रूप में विकसित करने तथा एआई और सेमीकंडक्टर जैसे आधुनिक क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने की व्यापक कार्ययोजना प्रस्तुत की।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 के विजन के अनुरूप छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस बैठक में केंद्रीय मंत्री, ■ शेष पृष्ठ 8 पर

■ नीति आयोग की बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रखा विकसित छत्तीसगढ़ का विजन

■ बस्तर में आमदनी दोगुनी करने का बड़ा संकल्प

■ तीन साल में हर परिवार की आय 30 हजार रुपये प्रतिमाह तक पहुंचाने का लक्ष्य

36 लाख लोगों की डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल तैयार: मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए लगभग 36 लाख लोगों की डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल तैयार की जा रही है। इससे मरीजों के इलाज, बीमारी और दवाओं का रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा तथा डॉक्टरों को समय पर सही जानकारी मिल सकेगी। इसका सबसे अधिक लाभ ग्रामीण क्षेत्रों, महिलाओं और बुजुर्गों को मिलेगा। उन्होंने बताया कि बस्तर में बने लगभग 200 सुरक्षा शिविरों को अब 'सेवा डेरा' के रूप में विकसित किया जा रहा है।

राज्य में 435 सुधार लागू किए गए: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार निवेश, सुशासन और तकनीक आधारित विकास को तेजी से आगे बढ़ा रही है। राज्य में 435 सुधार लागू किए गए हैं और सिंगल विंडो सिस्टम को मजबूत बनाकर निवेश के लिए बेहतर वातावरण तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में सेमीकंडक्टर क्षेत्र की दो आधुनिक इकाइयां स्थापित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर में शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और डिजिटल तकनीक के जरिए विकास का नया मॉडल तैयार किया जा रहा है।

बस्तर के चित्रकोट व सिरपुर को विकसित कर रहे

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार चित्रकोट और बौद्ध धर्म से जुड़े तीर्थस्थल सिरपुर को विश्वस्तरीय पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित कर रही है। बस्तर में वॉटर स्पोर्ट्स, एडवेंचर स्पोर्ट्स और जंगल सफारी जैसी गतिविधियों का विस्तार किया जा रहा है, जबकि सिरपुर में ग्लोबल मेडिटेशन सेंटर, संग्रहालय और महानदी तट के विकास पर कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि पर्यटन रोजगार का बड़ा माध्यम बन सकता है। पर्यटकों के आने से होटल, परिवहन, गाइड, हस्तशिल्प, दुकानदारों और स्थानीय उद्यमियों को रोजगार मिलता है।

33 लाख किसानों को डिजिटल सेवाओं से जोड़ा गया

एग्रीस्टैक योजना के तहत 33 लाख से अधिक किसानों को डिजिटल सेवाओं से जोड़ा गया है। डिजिटल द्वार प्लेटफॉर्म और अटल मॉनिटरिंग पोर्टल के माध्यम से सरकारी सेवाओं को अधिक पारदर्शी और सरल बनाया गया है। सरकार ने एआई मिशन, पर्यटन मिशन, खेल मिशन, अधोसंरचना मिशन और स्टार्टअप-निपुण मिशन शुरू किए हैं।

आज बेबाक

इश्क करो... पार्टी के संस्थापक मार्कण्डेय काटजू की अपील पर कितने युवा उनकी पार्टी से जुड़े यह तो पता नहीं। इस बीच काटजू काका ने टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा से गुजारिश की है कि वे इश्क करो.. पार्टी में शामिल हों। जो पहले ही काकरोच बन चुकी हैं। चच्चा ने रांग नंबर डायल कर दिया। बेहतर होता कि वे सनी लियोनी को प्रपोज करते और अपनी पार्टी का ब्रांड एम्बेसडर बनाकर उनसे अपील कराते तो करोड़ों काकरोच - तुमने पुकारा और हम चले आए... गाते हुए पार्टी से जुड़ जाते। इश्क़ करो.. पार्टी मुख्यालय में हाऊसफुल का बोर्ड टांगना पड़ जाता।

सख्ती : 42 डीलरों के लाइसेंस रद्द, 115 ठिकानों पर छापे, कृषि मंत्री की दो टूक- 'बख्शे नहीं जाएंगे दोषी'

अमानक खाद-बीज बेचा तो सीधे जेल, 4250 सैंपल में से 210 फेल

■ छत्तीसगढ़ में खरीफ से पहले नकली कृषि इनपुट्स पर चल रही ताबड़तोड़ कार्रवाई

विशेष संवाददाता

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य में खरीफ सीजन की शुरुआत के साथ ही मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और कृषि मंत्री रामविचार नेताम के कड़े तेवरों का असर जमीन पर दिखने लगा है। किसानों को नकली कृषि आदानों से बचाने और कालाबाजारी को जड़ से खत्म करने के लिए कृषि विभाग और जिला प्रशासन के संयुक्त उड़नदस्ता दलों ने प्रदेशव्यापी 'क्लीन-अप अभियान' छेड़ रखा है।

इस साल 1 जनवरी 2026 से लेकर अब तक की गई कार्रवाई के जो आंकड़े सामने आए हैं, वे चौंकाने वाले हैं। राज्यभर में अब तक लगभग 240 मीट्रिक टन (4,800 क्विंटल) नकली व अवैध खाद और 95 क्विंटल संदिग्ध बीज जब्त किए जा चुके हैं। गुणवत्ता से समझौता करने वाले 42 डीलरों के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निरस्त/निलंबित कर दिए गए हैं, जबकि गंभीर धोखाधड़ी के मामलों में 18 एफआईआर दर्ज कर 4 आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा गया है।

■ बिना लॉट नंबर और बिना प्रमाण पत्र के महंगे दामों पर खपाए जा रहे थे बीज

■ 2026 में अब तक 240 टन अमानक खाद जब्त, 18 पर एफआईआर

■ खरीफ सीजन से पहले कृषि विभाग और जिला प्रशासन का बड़ा एक्शन, रायपुर से बिलासपुर तक छापे

कार्रवाई का पूरा लेखा-जोखा: आंकड़ों की नजर से

(कृषि विभाग के उच्च अधिकारियों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, इस साल प्रयोगशालाओं की चौकसी दोगुनी कर दी गई है।)

कार्रवाई का विवरण	कुल आंकड़े (1 जनवरी 2026 से अब तक)
कुल लिए गए नमूने (खाद/बीज)	4,250+ नमूने
जांच में अमानक (फेल) पाए गए	210 से अधिक नमूने
जब्त नकली/अवैध खाद	240 मीट्रिक टन (4,800 क्विंटल)
जब्त नकली/अमानक बीज	95 क्विंटल
लाइसेंस निलंबन/निरस्तीकरण	42 कृषि केंद्र / डीलर
दर्ज आपराधिक प्रकरण	18 मामले
अवैध भंडारण/कालाबाजारी पर कार्रवाई	115 से अधिक प्रतिष्ठान

इन जिलों में हुई सबसे बड़ी कार्रवाई

■ **रायपुर (आरंग): बंद गोदाम का ताला तोड़कर पकड़ा जखीरा**
रायपुर के आरंग विकासखंड में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। ग्राम समोदा में मेसर्स महानदी बीज भंडार से बिना वैध सोर्स सर्टिफिकेट के 35.05 मीट्रिक टन (700 क्विंटल) उर्वरक जब्त किया गया। वहीं, ग्राम कलई में मेसर्स पुलकित बायो फर्टिलाइजर के बंद गोदाम का ताला तोड़कर 46 क्विंटल अवैध दानेदार खाद और 35 लीटर लिक्विड उर्वरक बरामद किया गया।

■ **बिलासपुर (रतनपुर): सहकारी समितियों में भी घालमेल**
कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर रतनपुर क्षेत्र के मेंसर्स गुप्ता ग्रेन मर्चेंट सहित कई दुकानों पर छापा मारकर 180 क्विंटल अमानक खाद की बिक्री पर रोक लगाई गई। इसके अलावा, सेवा सहकारी समिति चपोरा एवं रतनपुर में भी स्टॉक रजिस्टर में भारी गड़बड़ी पाए जाने पर विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

■ **सीमावर्ती जिले: धान की 'नई किस्म' के नाम पर ठगी**
महाजमुंद, धमतरी और बेमेतरा जिलों में बिना केंद्रीय बीज समिति की अनुमति के, सुपर रिसर्च वैरायटी और धान की नई चमत्कारी किस्म के नाम पर महंगे दामों में बेचे जा रहे 15 क्विंटल से अधिक नकली संकर बीज जब्त किए गए हैं। ओडिशा और मध्य प्रदेश की सीमा से आने वाले संदिग्ध वाहनों की जांच के लिए चेकपोस्ट अलर्ट पर हैं।

■ **कंपनीवार कार्रवाई: बाहरी राज्यों की कंपनियों पर भी शिकंजा**
कृषि विभाग ने केवल छोटे दुकानदारों पर ही नहीं, बल्कि नकली माल की सप्लाई करने वाली बड़ी कंपनियों पर भी हाथ डाला है। हरियाणा (गुड़गांव) की मेसर्स पुलकित बायो फर्टिलाइजर प्रा. लि. द्वारा छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में बिना पंजीकरण के लिक्विड खाद खपाने के मामले में कंपनी को ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

" किसानों के हक पर डाका डालने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। नकली खाद-बीज बेचने वाले सीधे जेल जाएंगे। सभी जिला कलेक्टरों और उर्वरक निरीक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे खुद खेतों और दुकानों का औचक निरीक्षण करें।
रामविचार नेताम, कृषि मंत्री, छत्तीसगढ़

अमेरिकी हमले के बाद लापता तीन भारतीय नाविकों की मौत

■ होर्मुज जलडमरूमध्य के पास हमला, केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने की पुष्टि

नई दिल्ली/वार्ता। ओमान की खाड़ी (होर्मुज जलडमरूमध्य के पास) में पालाउ के झंडे वाले वाणिज्यिक तेल टैंकर 'एमटी सेट्टेबेलो' पर हुए हमले के बाद लापता हुए तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई है। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस दुखद घटना की पुष्टि की। केंद्रीय मंत्री ने शोक व्यक्त करते हुए कहा एमटी सेट्टेबेलो पर ■ शेष पृष्ठ 8 पर

अमेरिका ने ईरान में कई ठिकानों पर किए हमले

वाशिंगटन(स्पुतनिक/वार्ता)। अमेरिका ने बुधवार रात ईरान पर कई हमले किए और दक्षिणी क्षेत्र में सैन्य ठिकानों के साथ-साथ वायु रक्षा प्रणाली, रडार और ड्रोन कमान एवं नियंत्रण यूनिटों को भी निशाना बनाया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) ने एक बयान में कहा, कमांडर-इन-चीफके निर्देश पर, सेनाओं ने बुधवार रात को ईरान में कई ठिकानों पर अतिरिक्त आत्मरक्षा हमले किए। बयान में कहा गया है कि अमेरिकी सेना ने ईरान की सैन्य निगरानी क्षमताओं, संचार प्रणालियों और वायु रक्षा प्रणाली को निशाना बनाया।

ट्रम्प की धमकी- आज रात ईरान पर सबसे बड़ा हमला करेंगे

वॉशिंगटन डीसी (ए.)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान पर फिर हमले की धमकी दी है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका गुरुवार रात ईरान पर बड़ा हमला करेगा। उनका दावा है कि ईरान की ज्यादातर सैन्य ताकत पहले ही कमजोर हो चुकी है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि आने वाले दिनों में अमेरिका ईरान के सबसे बड़े ऑयल एक्सपोर्ट सेंटर खार्ग आइलैंड और दूसरे अहम तेल-गैस ठिकानों पर वेनेजुएला के जैसे कब्जा करेगा। खार्ग आइलैंड को ईरान के तेल निर्यात का सबसे बड़ा सेंटर माना जाता है। वहीं, ओमान के पास भारतीय नाविकों वाले जहाजों पर अमेरिकी हमलों को लेकर भारत ने कड़ा विरोध दर्ज किया है।

संस्थाओं को कमजोर करने की साजिश, लड़ने की जरूरत: खरगे

नई दिल्ली(वार्ता)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि देश के सामने महंगाई, बेरोजगारी, परीक्षा घोटाले, सामाजिक असमानता जैसी गंभीर चुनौतियों के साथ ही संवैधानिक संस्थाओं और व्यवस्थाओं को भी कमजोर किया जा रहा है जिनके खिलाफ सख्ती से लड़ने की जरूरत है। श्री खरगे ने गुरुवार को यहां इंदिरा भवन में कांग्रेस महासचिवों, विभिन्न राज्यों के प्रभारियों और प्रदेश अध्यक्षों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जिन संस्थाओं और व्यवस्थओं को बनाने में दशकों लगे, उन्हें कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है।

एनएचआरसी ने आठ श्रमिकों की मौत का स्वत: संज्ञान लिया

नई दिल्ली (वार्ता)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम स्थित राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के स्टील प्लांट में हुए भीषण विस्फोट में आठ श्रमिकों की मौत के मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। एनएचआरसी ने गुरुवार को यहां बताया कि आयोग ने इस मामले को मानवाधिकारों के संभावित उल्लंघन से जुड़ा बताते हुए आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव को नोटिस जारी किया है और दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने कहा कि मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह दुर्घटना आठ जून को के 'स्टील मेल्टिंग शॉप' में हुई।

वैश्विक प्रतिभा का 'पावरहाउस' बना भारत, वीजा कार्यक्रमों में शीर्ष पर

नई दिल्ली/ए.। भारत वैश्विक स्तर पर कुशल पेशेवरों की आपूर्ति करने वाला दुनिया का सबसे बड़ा देश बनकर उभरा है। वर्कफोर्स मैनेजमेंट सर्विसेज फर्म 'डील' द्वारा गुरुवार को जारी एक वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार, भारत दुनिया के प्रमुख वीजा कार्यक्रमों में शीर्ष स्थानों पर काबिज है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत अमेरिका के प्रतिष्ठित एच-1बी वीजा कार्यक्रम में सबसे बड़ा स्रोत देश है, जबकि ब्रिटेन के 'स्किल्ड वर्कर वीजा' और यूरोपीय संघ (श्व) के 'ब्लू कार्ड कार्यक्रम' में दूसरे स्थान पर बना हुआ है।

प्रतिभा की कमी पूरी कर रहे भारतीय: 150 से अधिक देशों की 40,000 से ज्यादा कंपनियों के भर्ती आंकड़ों पर आधारित इस रिपोर्ट ने एक बड़े मिथक को तोड़ दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक कंपनियां लागत कम करने (सस्ते श्रम) के लिए नहीं, बल्कि दुर्लभ और उच्च कौशल वाली ■ शेष पृष्ठ 8 पर

20 फीसदी से ज्यादा एथेनॉल वाले पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी हटाया

नई दिल्ली (वार्ता)। केंद्र सरकार ने 22 प्रतिशत, 25 प्रतिशत, 27 प्रतिशत और 30 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क शून्य कर दिया है। वित्त मंत्रालय की बुधवार देर रात जारी अधिसूचनाओं में कहा गया है कि इन चारों प्रकार के पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क शून्य और इससे संबंधित सभी उपकर शून्य कर दिये गये हैं, बशर्ते इनमें मिश्रित पेट्रोल पर नियमों के मुताबिक उत्पाद शुल्क और उपकर तथा इथेनॉल पर वस्तु एवं सेवा कर और उपकर का पूरा भुगतान पहले ही किया जा चुका हो। सरकार का

यह कदम इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को बढ़ावा देने के लिए है ताकि आपूर्ति संबंधी बाधाओं के बीच कच्चे तेल का आयात कम किया जा सके। पश्चिम एशिया संकट के कारण पिछले कुछ समय से दुनिया भर में कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर संकट है। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य से वाणिज्यिक ■ शेष पृष्ठ 8 पर

शराब ओवररेटिंग पर आबकारी आयुक्त का एक्शन, चार सस्पेंड, 8 को नोटिस

रायपुर/नवप्रदेश। शराब ओवर रेटिंग पर लगाम लगाने छत्तीसगढ़ आयुक्त ने बड़ी कार्रवाई की है। आयुक्त पी.एस. एल्मा ने चार आबकारी अधिकारियों को निलंबित कर दिया है, जबकि आठ अन्य अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक प्रदेश के विभिन्न जिलों से शराब दुकानों में ओवर रेटिंग की शिकायतें लगातार विभाग तक पहुंच रही थीं। शिकायतों में आरोप लगाया गया था कि कई दुकानों में ग्राहकों से ■ शेष पृष्ठ 8 पर

विभागीय गलियारों में हड़कंप

आबकारी आयुक्त पीएस एल्मा द्वारा जारी इस आदेश के बाद विभागीय गलियारों में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों के बीच कार्रवाई को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है, जबकि आम उपभोक्ताओं को उम्मीद है कि इस कदम से शराब दुकानों में मनमानी वसूली पर लगाम लगेगी।

निलंबित अधिकारी

- कौशल किशोर सोनी
- प्रभाकर सिरमौर
- मनराखन नेताम
- पुरुषोत्तम सिन्हा

कारण बताओ नोटिस

- श्रीमती निरूपमा
- मुकेश अग्रवाल
- जलेश सिंह
- अजय सिंह ध्रुवे
- चंद्रपताप सिंह
- राजेश कुमार शर्मा
- सुश्री जेबा खान
- अल्ताफ खान

गरमा-गरम

मौसम : उत्तर प्रदेश- बिहार में आंधी और बिजली गिरने से 9 की मौत, देर शाम रायपुर में झमाझम बारिश

8 दिन में 17 राज्य कवर, 2-3 दिन में झारखंड-छत्तीसगढ़ पहुंचेगा मानसून

रायपुर-नई दिल्ली/ नवप्रदेश। मानसून ने गुरुवार को बिहार में एंट्री कर ली है। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भी यह आगे बढ़ गया है। 4 जून को केरलम में एंट्री के बाद से मानसून 8 दिन में 17 राज्यों तक पहुंच चुका है। अगले 2-3 दिनों इसके में उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा पहुंचने की संभावना है। इधर गुरुवार की देर शाम रायपुर में झमाझम बारिश हुई है, जिससे मौसम सुहाना हो गया और लोगों को गर्मी से राहत मिली।

बिहार के 11 जिलों में आज सुबह से आंधी-बारिश हो रही है। खगड़िया में बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई और 4 लोग झुलस गए हैं।

इधर पटना, बक्सर, सुपौल समेत 5 जिलों में घने बादलों से अंधेरा छा गया। यूपी में आंधी से एक पेट्रोल पंप की छत उड़ गई। चित्रकूट में 4.5 करोड़ रुपए के ऑडिटोरियम की छत भी उड़ गई। बरेली, इटावा, सीतापुर और फिरोजाबाद में आंधी-तूफान से 4 लोगों की मौत हुई। पंजाब के मानसा में तेज आंधी के दौरान लोहे का गेट गिरने से 9 साल के बच्चे की मौत हो गई। इधर, गुजरात को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में प्री-मानसून का असर है। दिल्ली में खराब मौसम के चलते 2 फ्लाइट जयपुर डायवर्ट करनी पड़ीं। राजस्थान के कई इलाकों में आंधी के साथ बारिश हुई। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, दिल्ली और पश्चिम बंगाल में भी बरसात हुई।

22 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट

आज 22 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट है। इनमें राजस्थान, एमपी, यूपी, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, तमिलनाडु, केरलम, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और गोवा शामिल हैं। गुजरात को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में बारिश का यलो अलर्ट है।

कल्याण बनर्जी का अल्टीमेटम ममता मुझे चुनें या अभिषेक को

■ टीएमसी के तीसरे राज्यसभा सांसद का इस्तीफा

■ 20 लोकसभा सांसद अलग गुट बना चुके

कोलकाता/नई दिल्ली/ए.। ममता बनर्जी की मुश्किलें कम होते नहीं दिख रही हैं। विधायक और सांसद लगातार उनका साथ छोड़ रहे हैं। इस बीच, उनके सबसे करीबी सांसद कल्याण बनर्जी की भी गुरुवार को नाराजगी सामने आई।

उन्होंने कहा कि ममता दीदी को तय करना होगा कि वे मेरे साथ हैं या अभिषेक बनर्जी के साथ। अभिषेक को सीनियर नेताओं का सम्मान करना नहीं आता। वह बहुत अहंकारी हैं। इसी वजह से पार्टी बर्बाद हुई है। उन्होंने कहा, अगर ममता दीदी को अभिषेक बनर्जी पर ही निर्भर रहना है, तो उनके साथ रहें और मुझे छोड़ दे। अगर उनसे अलग रास्ता चुनती हैं, तो मैं ममता दीदी के साथ हूं। कल्याण की नाराजगी की वजह ■ शेष पृष्ठ 8 पर

पीएम मोदी के 12 वर्षों की उपलब्धियों पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पीएम नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों की उपलब्धियों पर हुई चर्चा

कवर्धा / नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को ग्राम सिल्हाटी स्थित 132/33 केव्ही विद्युत उपकेंद्र सिल्हाटी- बैजलपुर में प्रगति पथ यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक एवं मुख्य वक्ता जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष रामकुमार भट्ट ने उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल की ऐतिहासिक उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं राष्ट्रहित में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों की जानकारी दी।

अपने संबोधन में भट्ट ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज देश के सबसे लोकप्रिय एवं दूरदर्शी नेताओं में शुमार हैं। लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने वाले श्री मोदी ने देश को विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता की नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में भारत विश्व मंच पर एक मजबूत और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है।

उन्होंने कहा आज देश विकसित भारत-2047के लक्ष्य की ओर तेज गति से अग्रसर है।

उन्होंने मोदी सरकार की 12 प्रमुख उपलब्धियों एवं ऐतिहासिक निर्णयों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2014 से अब तक केंद्र सरकार ने जनहित और राष्ट्रहित में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए हैं, जिनमें प्रमुख रूप से– प्रधानमंत्री

जनधन योजना के माध्यम से करोड़ों गरीबों के बैंक खाते खोले गए। उज्ज्वला योजना से गरीब परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन प्रदान किए गए।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत करोड़ों शौचालयों का निर्माण कर स्वच्छता अभियान को जनआंदोलन बनाया गया। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से गरीब परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की गई।

प्रधानमंत्री आवास योजना से करोड़ों परिवारों को पक्के घर मिले। जल जीवन मिशन के तहत घर-घर नल से जल पहुंचाने का अभियान संचालित हुआ। अनुच्छेद 370 हटाकर जम्मू-कश्मीर को पूर्ण रूप से देश की मुख्यधारा से जोड़ा गया। तीन तलाक कानून बनाकर मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिलाया गया। आत्मनिर्भर भारत अभियान एवं मेक इन इंडिया को बढ़ावा मिला।कोविड काल में मुफ्त राशन योजना के माध्यम से 80 करोड़ लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया। नई शिक्षा नीति 2020 लागू कर शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार किए गए। ऑपरेशन सिंदूर सहित आतंकवाद और नक्सलवाद के विरुद्ध कड़े कदम उठाकर राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत किया गया। श्री भट्ट ने कहा कि मोदी सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है। आज भारत विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है और वैश्विक स्तर पर उसकी प्रतिष्ठा लगातार बढ़ रही है।

कार्यक्रम को जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मनीराम साहू ने भी संबोधित किया द्य इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि छोटूराम चंद्रवंशी, महामंत्री राजेश साहू, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष बलदाऊ चंद्रवंशी, दिलीप वर्मा, मीडिया प्रभारी मोहन कश्यप, प्रीतम वर्मा, कपिल चंद्रवंशी, सनत साहू, दूजेराम साहू, रवि चंद्रवंशी, संजय वर्मा, सोहन साहू, सहदेव साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

0 से 18 वर्ष के दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन हेतु विशेष सर्वे अभियान होने जा रहा शुरू

कवर्धा / नवप्रदेश। कबीरधाम जिले में 0 से 18 वर्ष आयु वर्ग के दिव्यांग बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य, पुनर्वास एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विशेष सर्वे अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान 16 जून से 7 जुलाई 2026 तक जिले के सभी गांवों एवं शहरी वार्डों में चलाया जाएगा।इस संबंध में कलेक्टर एवं पदेन जिला मिशन संचालक समग्र शिक्षा श्री गोपाल वर्मा ने अभियान की रूपरेखा तय करते हुए निर्देश दिए हैं कि जिले का कोई भी दिव्यांग बच्चा सर्वेक्षण से वंचित न रहे। उन्होंने कहा है कि प्रत्येक पात्र बच्चे तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना सभी संबंधित विभागों की सामूहिक जिम्मेदारी है। यह अभियान केवल आंकड़ों के संकलन तक सीमित नहीं है, बल्कि उन बच्चों की पहचान का महत्वपूर्ण प्रयास है, जो किसी कारणवश शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं अथवा पुनर्वास सुविधाओं से दूर हैं। सर्वेक्षण के माध्यम से चिन्हांकित बच्चों को समावेशी शिक्षा, सहायक उपकरण, चिकित्सकीय परामर्श, विशेष प्रशिक्षण, छात्रवृत्ति तथा अन्य शासकीय योजनाओं से जोड़ा जाएगा। प्रशासन ने आमजन से भी अपील की है कि वे अपने आसपास के दिव्यांग बच्चों की जानकारी सर्वे दल को उपलब्ध कराएं, ताकि जरूरतमंद बच्चों तक समय पर सहायता एवं सुविधाएं पहुंचाई जा सकें।

कलेक्टर जनदर्शन में हितग्राही का महज 5 मिनट में बना राशन कार्ड

बलौदाबाजार/ नवप्रदेश। जिला प्रशासन द्वारा आमजनों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए आयोजित कलेक्टर जनदर्शन लोगों के लिए राहत का माध्यम बन रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर कुलदीप शर्मा दम मंगलवार को जनदर्शन में लोगों की समस्याएं सुनी। सिमगा विकासखंड के ग्राम सकरी निवासी फगानी साहू अपनी राशन कार्ड संबंधी समस्या लेकर कलेक्टर जनदर्शन में पहुंचीं। उन्होंने राशन कार्ड बनवाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया, जिस पर कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए तत्काल खाद्य अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

श्रमजीवी पत्रकार संघ के सदस्यों ने किया बार अभयारण्य का भ्रमण

पिथौरा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ के पिथौरा ब्लॉक के सदस्यों ने रविवार को प्रकृति और वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य का भ्रमण किया। इस अवसर पर पत्रकारों ने अभयारण्य की प्राकृतिक सुंदरता, जैव विविधता तथा वन्यजीवों के संरक्षण संबंधी गतिविधियों का अवलोकन किया।यह भ्रमण छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष स्वप्निल तिवारी के नेतृत्व में एवं पिथौरा ब्लॉक अध्यक्ष मनोहर साहू व संगठन प्रभारी मनोज मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।भ्रमण के दौरान पत्रकारों ने घने जंगलों, हरे-भरे प्राकृतिक वातावरण, मनमोहक पहाड़ियों तथा विभिन्न प्रकार के वन्यजीवों और पक्षियों को नजदीक से देखा। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा तथा प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया। साथ ही भविष्य में भी इस प्रकार के ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी भ्रमण कार्यक्रम आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की गई । भ्रमण में मुख्य रूप से नंदकिशोर अग्रवाल विजय गुप्ता राजेश मिश्रा निशु माटा राजेश बंसल सुरेंद्र पांडे विजयराज पटेल कुलजीत आज़मानी सौरभ अग्रवाल प्रशांत पांडे सोनू सेन महेंद्र सोनी भूषण साहू पवन अग्रवाल उपस्थित थे।

उर्वरक नियमों के उल्लंघन पर बड़ी कार्रवाई, लाइसेंस 15 दिनों के लिए निलंबित

बेमेतरा/नवप्रदेश। किसानों को गुणवत्तायुक्त उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा उर्वरकों की कालाबाजारी, तस्करी, डायवर्सन, जमाखोरी, अधिक मूल्य पर विक्रय, अमानक एवं नकली उर्वरकों के विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण के लिए कृषि विभाग द्वारा जिले में लगातार निरीक्षण एवं निगरानी की कार्रवाई की जा रही है। संचालनालय कृषि, छत्तीसगढ़, रायपुर के निर्देशानुसार गठित जिला स्तरीय निरीक्षण दल द्वारा 06 जून 2026 को विकासखंड बेमेतरा अंतर्गत ग्राम जेवरी स्थित मेसर्स साहू कृषि केन्द्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न अनियमितताएं पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। प्रतिष्ठान की ओर से प्रस्तुत जवाब का परीक्षण किए जाने पर उसे संतोषजनक नहीं पाया गया। इसके पश्चात उर्वरक निरीक्षक एवं सहायक संचालक कृषि डॉ. श्याम लाल द्वारा संबंधित प्रतिष्ठान के उर्वरक प्राधिकार पत्र के निलंबन की अनुशंसा की गई।

मिशन फॉर आत्मनिर्भरता इन पल्सेस के अमरसिंह और चंद्रकुमार बने प्रेरणा स्रोत

ग्रीष्मकालीन उड़द और मूंग की खेती से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते जिले के किसान

बेमेतरा/नवप्रदेश। कृषि प्रधान जिले बेमेतरा में मिशन फॉर आत्मनिर्भरता इन पल्सेस÷ योजना के तहत ग्रीष्मकालीन उड़द एवं मूंग की खेती किसानों के लिए नई संभावनाओं का द्वार खोल रही है। कृषि विभाग के मार्गदर्शन, उन्नत बीजों की उपलब्धता तथा वैज्ञानिक खेती की तकनीकों के कारण जिले में इस वर्ष ग्रीष्मकालीन दलहन खेती का रकबा उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। जहां पिछले वर्ष केवल 285 हेक्टेयर क्षेत्र में उड़द-मूंग की खेती की गई थी, वहीं इस वर्ष यह बढ़कर 1191 हेक्टेयर तक पहुंच गई है। इसमें लगभग 1000 हेक्टेयर क्षेत्र में 1280 किसानों द्वारा ग्रीष्मकालीन उड़द का प्रदर्शन किया गया, जिससे किसानों को नई तकनीकों को सीखने और अपनाने का अवसर मिला।

इस सकारात्मक परिवर्तन की कहानी ग्राम गाड़ाभाठा के कृषक अमरसिंह साहू तथा ग्राम बिजागोंड के कृषक चंद्रकुमार कुंभकार जैसे प्रगतिशील किसानों से जुड़ी हुई है, जिन्होंने पहली बार ग्रीष्मकालीन उड़द की खेती कर उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए हैं।

उन्नत तकनीक से बढ़ा किसानों का विश्वास

विकासखंड साजा के ग्राम गाड़ाभाठा निवासी कृषक अमरसिंह साहू ने कृषि विभाग के मार्गदर्शन में लगभग 1.5 एकड़ भूमि में ग्रीष्मकालीन उड़द की खेती की। उन्हें विभाग द्वारा उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराए गए तथा कतार पद्धति से बुवाई, समय पर सिंचाई और समुचित पोषण प्रबंधन की जानकारी दी गई। 21 अप्रैल 2026 को की गई बुवाई के बाद फसल की बढ़वार अत्यंत संतोषजनक रही। वर्तमान में उनकी फसल अच्छी स्थिति में है तथा लगभग 7 से 8 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन प्राप्त होने की संभावना है।

अमरसिंह साहू बताते हैं कि पहले वे केवल परंपरागत फसलों पर निर्भर रहते थे, लेकिन कृषि विभाग की सलाह और प्रदर्शन कार्यक्रम को देखकर उन्होंने ग्रीष्मकालीन उड़द की खेती अपनाई। फसल की वर्तमान स्थिति देखकर उन्हें बेहतर आय की उम्मीद है और भविष्य में वे अधिक क्षेत्र में दलहन फसलों का उत्पादन करने की योजना बना रहे हैं।

प्रदर्शन प्लॉट से मिली नई दिशा

इसी प्रकार ग्राम बिजागोंड के कृषक चंद्रकुमार कुंभकार ने भी मिशन फॉर आत्मनिर्भरता इन पल्सेस योजना के अंतर्गत उड़द का प्रदर्शन लगाया। उन्होंने 12 अप्रैल 2026 को कतार पद्धति से बुवाई की। वैज्ञानिक तरीके से खेती करने और कृषि विभाग के नियमित तकनीकी मार्गदर्शन का लाभ उन्हें मिला। उनकी फसल वर्तमान में स्वस्थ एवं घनी अवस्था में है तथा 8 से 9 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन मिलने का अनुमान है। चंद्रकुमार का कहना है कि ग्रीष्मकालीन मौसम में उड़द की खेती को लेकर प्रारंभ में कुछ संदेह थे, लेकिन विभागीय अधिकारियों के सहयोग और सफल प्रदर्शन को देखकर उनका आत्मविश्वास बढ़ा। अब वे अपने गांव के अन्य किसानों को भी दलहन फसलों की खेती अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

आय वृद्धि के साथ मृदा स्वास्थ्य में सुधार

ग्रीष्मकालीन उड़द की खेती केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि पर्यावरण और मृदा स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी सिद्ध हो रही है। दलहन फसलें वायुमंडलीय नाइट्रोजन का स्थिरीकरण कर मिट्टी की उर्वरता बढ़ाती हैं। इससे आगामी फसलों के लिए भूमि अधिक उपजाऊ बनती है तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है। यदि समय पर वर्षा हो जाए तो इन फसलों का उपयोग हरी खाद के रूप में भी किया जा सकता है, जिससे भूमि की गुणवत्ता और बेहतर होती है।

किसानों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण

अमरसिंह साहू और चंद्रकुमार कुंभकार की सफलता यह साबित करती है कि यदि किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त बीज, वैज्ञानिक तकनीक और विभागीय मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए तो वे नई फसलों को अपनाकर बेहतर उत्पादन और आय अर्जित कर सकते हैं। इन दोनों किसानों ने यह दिखाया है कि ग्रीष्मकालीन मौसम में भी दलहन फसलों की सफल खेती संभव है और यह खेती किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। बेमेतरा जिले में ग्रीष्मकालीन उड़द की बढ़ती खेती आत्मनिर्भर कृषि की दिशा में एक सशक्त कदम है। यह पहल किसानों की आय बढ़ाने, मृदा स्वास्थ्य सुधारने तथा टिकाऊ कृषि प्रणाली को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। अमरसिंह साहू और चंद्रकुमार कुंभकार जैसे किसानों की सफलता अन्य कृषकों के लिए प्रेरणा बन रही है और जिले में दलहन उत्पादन के नए आयाम स्थापित कर रही है।

माहेश्वरी भवन कुरूद में श्रीराम कथा का आयोजन

कुरूद/नवप्रदेश। माहेश्वरी महिला मंडल कुरूद की ओर से माहेश्वरी भवनकुरूद में श्रीराम कथा का आयोजन किया गया हैं। मंगलवार को गीता भवन में कथा के तृतीय दिन श्री राम जन्मोत्सव की कथा व लीला का भक्तिपूर्ण प्रस्तुति हुई। जिसमें बड़ी में श्रद्धालु श्री राम के जयकारे लगाते हुए राम जी का जन्मोत्सव मनाया।कथा श्रवण ।

कथा प्रवक्ता बालयोगी विष्णु अरोड़ा ने जय विजय की कथा बताते हुए अहम को सदैव विनाश का कारण बताते हुए, जीवन को सफल बनाने के लिए सच्चे मन से परमात्मा की आराधना और अभिमान का त्याग ही सर्वोत्तम मार्ग बताते हुय कहा कि प्रत्येक मनुष्य के भीतर राम तत्व विराजित है और उसके दर्शन मन रूपी दर्पण से किए जा सकते हैं। माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष नवल किशोर केला, संरक्षक रमेश केला, महिला मंडल अध्यक्ष रश्मि केला ,गीता केला,चंदा केला,आशा केला ,बिमला केला,मनीषा केला,नीतू केला,रेखा चांडक,मधु सदानी, दुर्गा केला,प्रीति केला ,कोमल केला ,सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए।

खाद-बीज और डीजल उपलब्ध कराने की मांग, राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

गरियाबंद/नवप्रदेश। छुरा नगर में जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा धरना प्रदर्शन कर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया ज्ञात हो कि खरीफ सीजन की तैयारियों के बीच किसानों को खाद,बीज एवं डीजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराने की मांग को लेकर राज्यपाल के नाम कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा और पदाधिकारियों,सदस्यों द्वारा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) छुरा को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया कि प्रदेश के किसानों को समय पर खाद,बीज और डीजल नहीं मिल पाने के कारण खेती-किसानी की तैयारियों में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि खरीफ फसल की बुआई का समय नजदीक है, ऐसे में किसानों को आवश्यक कृषि सामग्री की कमी से उत्पादन प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। इसलिए शासन स्तर पर तत्काल आवश्यक कदम उठाते हुए खाद,बीज और डीजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

इसके अलावा ज्ञापन में पेट्रोल,डीजल और रसोई गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों पर भी चिंता व्यक्त की गई।इस दौरान जिलाध्यक्ष ने कहा कि महंगाई का सीधा असर आम जनता और किसानों पर पड़ रहा है,जिससे आर्थिक बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है।

ज्ञापन में पेंशनधारियों को नियमित पेंशन भुगतान, बिजली दरों में बढ़ोतरी पर रोक लगाने तथा प्रदेश में जारी अवैध रेत खनन पर प्रभावी कार्रवाई की भी मांग की गई।

उनका कहना है कि इन समस्याओं के कारण प्रदेश की आम जनता को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बीज उत्पादन प्रक्रिया शीघ्र होगी प्रारम्भ

किसानो को मिलेगा अतिरिक्त आय के साधन

बलौदाबाजार/नवप्रदेश।जिले के किसानों को खाद -बीज की पर्याप्त उपलब्धता के साथ ही उनके आय बढ़ाने के लिये जिला प्रशासन द्वारा पहल की जा रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर श कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में जिले में बीज़ उत्पादन की कार्यवाही शीघ्र प्रारम्भ की जाएगी।

छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड छेरकापुर एवं कृषि विभाग के समन्वय से किसानों को बीज उत्पादन कार्यक्रम पंजीयन की कार्यवाही की जएगी । बीज उत्पादन हेतु आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड की छायाप्रति, बैंक पासबुक की छायाप्रति तथा बी-1 की छायाप्रति के साथ निर्धारित शुल्क जमा कर किसान पंजीयन करा सकते हैं।बीज उत्पादन कार्यक्रम हेतु पंजीयन 930 रूपये प्रति हेक्टेयर निर्धारित है।

अपने खेत की फसल का बीज प्रमाणीकरण हेतु बीज प्रबंधक, छ.ग. राज्य बीज एवं निगम छेरकापुर पलारी कार्यालय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी से सम्पर्क कर निर्धारित समय सीमा में पंजीयन अवश्य करा सकते हैं।बीज़ परीक्षण में मानक प्राप्ति उपरान्त कृषकों को 3850 रूपये प्रति क्विंटल की दर से राशि भुगतान किया जाएगा जो कि सामान्य दर 3100 से 750 रूपये अधिक है। जिससे किसानों को अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। उप संचालक कृषि दीपक नायक ने बताया कि खरीफ वर्ष 2026 में जिले में बीज उत्पादन कार्यक्रम हेतु 1250 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।आगामी वर्ष 2027 हेतु बीज मांग को दृष्टिगत रखते हुए अधिक से अधिक किसानों को बीज उत्पादन हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा ।वर्ष 2025 में 416 कृषकों द्वारा 746.350 हेक्टेयर में बीज उत्पादन कार्यक्रम लिया गया था।

किसानों को खरीफमौसम वर्ष 2026 हेतु उच्च गुणवत्ता वाले आधार एवं प्रमाणित बीज समय पर उपलब्ध कराने की व्यापक व्यवस्था की गई है। कृषकों को धान, लघु धान्य (कोदो-कुटकी), अरहर, उड़द, मूंग, तिल, सोयाबीन, सनई ढेंचा एवं अन्य प्रमुख खरीफफसलों के आधार एवं प्रमाणित बीजों का वितरण सहकारी समितियों, कृषि विभाग के कार्यालयों, बीज प्रक्रिया केन्द्र, छेरकापुर (पलारी) के माध्यम से किया जा रहा है। जिले की कुल बीज मांग 32994 क्विंटल के विरूद्ध 19951.40 क्विंटल बीजों का भण्डारण किया जा चुका है, जिसके विरूद्ध कुल 15073.50 क्विंटल बीजों का कृषकों को वितरण किया चुका है।

मूलभूत समस्याओं के समाधान की उठी मांग

समाधान शिविर में उमड़ी 6 पंचायतों के ग्रामीणों की भीड़

वन विभाग के जवाबों से असंतुष्ट होकर 6 पंचायतों के ग्रामीणों ने किया शिविर का बहिष्कार वापस लौट गए

नगरी / नवप्रदेश। विकासखंड नगरी के ग्राम सांकरा में बुधवार को छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी पहल ÷सुशासन तिहार 2026÷ के अंतर्गत समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सांकरा क्लस्टर की 23 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण बड़ी संख्या में अपनी विभिन्न समस्याओं, मांगों एवं जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर पहुंचे। इस दौरान ग्रामीणों ने सड़क, पुल-पुलिया, पेयजल, बिजली, राशन कार्ड, पेंशन,

प्रधानमंत्री आवास, राजस्व प्रकरण, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

सांकरा, खम्हरिया, हिंछापुर, रानीगांव, मल्हारी, उमरगांव, ठेन्ही, नवागांव (सां.), मौहाबाहरा, मेचका, बेलरबाहरा, रिसगांव, खल्लारी, करही, फरसियां, भैंसामुड़ा, छिपली, सम्बलपुर, मोदे, अमाली, गोरेगांव, भोथली एवं बोडरा सहित विभिन्न पंचायतों के लोग शिविर में पहुंचे। प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार शिविर में कुल 1297 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 1279 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया, जबकि 18 शेष आवेदनों निलबित पर संबंधित विभागों द्वारा आवश्यक कार्रवाई किए।

शिविर के दौरान वनांचल क्षेत्र के रिसगांव, खल्लारी, करही, मेचका, बेलरबाहरा, ठेन्ही एवं फरसियां पंचायतों के ग्रामीणों ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। ग्रामीणों का आरोप था कि वन विभाग के अधिकारियों द्वारा उनकी समस्याओं का स्पष्ट समाधान नहीं दिया जा रहा है तथा विभिन्न विकास कार्यों पर लगातार आपत्तियां लगाई जाती हैं, जिससे क्षेत्र में कई जरूरी कार्य अधूरे पड़े हुए हैं। ग्रामीणों ने कहा कि विभागीय अधिकारी उनकी मांगों पर गोलमोल जवाब देते हैं और समस्याओं के समाधान के लिए ठोस पहल नहीं की जाती। इससे नाराज होकर छह पंचायतों के ग्रामीणों ने शिविर का बहिष्कार करते हुए कुछ देर बाद वापस लौटना उचित समझा।

कार्यक्रम में उपस्थित जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा ने कहा कि पिछले वर्ष वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने क्षेत्र की जर्जर सड़कों पर मुरूम डालने तथा छोटे-छोटे पुल-पुलियों की स्वीकृति देने का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक इन कार्यों पर कोई प्रगति दिखाई नहीं दी। उन्होंने कहा कि यदि वन क्षेत्रों में सड़क और पुल-पुलिया जैसी आधारभूत सुविधाएं नहीं होंगी तो वन विभाग के कर्मचारी भी वन्यजीवों की सुरक्षा एवं निगरानी के लिए प्रभावी ढंग से कार्य नहीं कर पाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि विभागीय स्तर पर विकास कार्यों में अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न की जा रही हैं। शिविर में विभिन्न जनप्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याएं प्रमुखता से उठाईं।

शासकीय पॉलिटेक्निक में त्रिवर्षीय डिप्लोमा हेतु आज से ऑन लाइन आवेदन शुरू

भाटापारा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य में स्थिति तकनीकी शिक्षा संस्थाओं में संचलित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश संचालनालय, तकनीकी शिक्षा द्वारा ऑनलाईन कॉउसिलिंग से होगा। इस हेतु अभ्यर्थी वेबसाइट www. cgdteraipur.cgstate. gov.in एवं https:// cgdte. admissions.nic.in से आवेदन कर सकते है। प्रथम चरण की काउंसिलिंग के लिए आज 11 जून से रजिस्ट्रेशन चालू होंगे जो 15 जून की रात 11 बजकर 59 मिनट तक जारी रहेंगे। 16 जून शाम 5 बजे मेरिट लिस्ट जारी होगी। 19 जून को शाम 5 बजे आवंटन लिस्ट जारी होगी। इसके अनुसार 22 से 24 जून तक प्रवेश लिए जाएंगे।

राहुल देंगे जिला कांग्रेस अध्यक्षों को प्रशिक्षण, आपस में लड़ रहे प्रादेशिक नेताओं की गुटीय लड़ाई कैसे खत्म करेंगे?

विशेष संवाददाता

रायपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के छत्तीसगढ़ प्रवास को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी नेता मान रहे हैं कि राहुल गांधी के प्रदेश प्रवास से कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने के मिशन को मजबूती मिलेगी। लेकिन, प्रदेश में जिस स्तर पर प्रमुख नेताओं के बीच बयानबाजी चल रही है, उससे प्रशिक्षण के संभावित परिणामों को लेकर अभी से सवाल उठने लगे हैं। सबसे बड़ा सवाल ये है कि राहुल गांधी के रवाना होने के बाद संगठन मजबूत होगा या गुटबाजी और एक दूसके के खिलाफ बयानबाजी का नया दौर शुरू होगा। दरअसल, पिछले विधानसभा चुनाव में पराजय के बाद से प्रदेश कांग्रेस के नेताओं के बीच आपसी मतभेद लगातार बढ़े। पार्टी नेताओं के बीच सामंजस्य बढ़ने की बजाय आंतरिक घमासान बढ़ रहा है। प्रमुख नेता खुलकर परस्पर विरोधी बयानबाजी कर रहे हैं। वर्चस्व की लड़ाई जीतने के लिये सभी प्रमुख नेताओं के बयान अखबारों की सुर्खियों में लगातार बने हुए है। ताजा विवाद तब हुआ जब पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने एक इंटरव्यू में कहा कि अगर पार्टी उन्हें प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी देती है, तो वे उसे निभाने के लिए तैयार हैं। वे छत्तीसगढ़ के लिए ही काम करेंगे। सिंहदेव ने कहा कि हर कांग्रेसी की पहली जिम्मेदारी अपने संगठन और क्षेत्र को मजबूत करना है। वे लगातार प्रदेश भर में लोगों से मुलाकात कर रहे हैं और पार्टी जो भी जिम्मेदारी देगी, उसे निभाने के लिए तैयार हैं।

इस बयान के फौरन बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने बयान जारी कर दिया कि बाबा साहब बड़े नेता हैं, उन्हें दिल्ली में जाकर काम करना चाहिए। प्रदेश में युवाओं को मौका मिलना चाहिए। बयानबाजी का दौर यहीं नहीं थमा। सिंहदेव ने बैज के बयान पर पलटवार करते हुए कह दिया कि बैज युवा नेता हैं और भविष्य में मुख्यमंत्री बन सकते हैं। मैं खुद चुनाव हारा हूं। बैज भी चुनाव हार चुके हैं, अपने जिले की सीटें भी कांग्रेस नहीं बचा पाई और लोकसभा चुनाव में भी हार मिली। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार भी दोबारा नहीं बन पाई।

सिंहदेव ने पलटवार के जरिये इशारों इशारों में एक साथ कई लोगों पर निशाना साधा। सिंहदेव के बयान से बैज समेत टीएस विरोधी नेताओं को करारा जवाब मिल गया। लेकिन, इस पूरे एपिसोड ने कांग्रेस के बीच पनपते घमासान को एक्सपोज कर दिया। आगामी दिनों में राजनीतिक विश्लेषक यह आकलन करेंगे कि प्रदेश में राहुल गांधी के आगमन से लेकर अगले विधानसभा चुनाव तक राज्य के प्रमुख कांग्रेस नेताओं के सुर आपस में मिलेंगे या अपनी ढपली अपना राग आलापा जाएगा?

बीते ढाई साल के दौरान इससे पहले भी कांग्रेस नेताओं के बीच वर्चस्व की लड़ाई खुलकर हो चुकी है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बैठक में राज्य के प्रभारी महासचिव सचिन पायलट के सामने ही पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज को खरीखोटी सुनाई थी। भूपेश ने कहा कि मुख्यमंत्री सहित अन्य मंत्रियों को घेरने में महंत और बैज का रवैया ढीला है। इसी तरह सरगुजा जिले में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत द्वारा टीएस सिंहदेव को समर्थन देने के बयान पर भी भूपेश बघेल ने मीडिया के सामने नाराजगी जताई थी। उन्होंने इशारों में कहा कि अगले चुनाव में सिंहदेव को सामने रखकर चुनाव लड़ने का बयान देना गलत है।

कांग्रेस में कई अहम सवाल

कांग्रेस पार्टी भले ही प्रदेश के सभी जिला कांग्रेस अध्यक्षों को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का प्रशिक्षण देने जा रही हो, लेकिन कांग्रेस नेता एक दूसरे से सवाल कर रहे हैं कि गुटबाजी की भयंकर बीमारी से जूझ रही पार्टी के नेताओं का मुकम्मल इलाज किये बिना पार्टी कैसे मजबूत हो सकेगी ? गुटबाजी के बैक्टीरिया केवल प्रमुख नेताओं के बीच नहीं पनपे हैं। बल्कि, संगठन सृजन के दौरान यह बीमारी हर शहर और जिला स्तर तक फैल चुकी है। सृजन अभियान से संगठन का ढांचा कागजी तौर पर भले ही मजबूत दिख रहा हो, लेकिन जमीनी सच यही है कि पार्टी का भीतरी हिस्सा गुटबाजी और वर्चस्व की लड़ाई के बीच खोखला हो रहा है। देखना ये है कि राहुल गांधी इस लड़ाई को कैसे नियंत्रित करते हैं।

न्यूज गैलरी

रामानुजगंज अस्पताल के लिए 1 करोड़ 65 लाख से अधिक की राशि की स्वीकृति

रायपुर/नवप्रदेश। बलरामपुर-रामानुजगंज अंतर्गत मुख्यमंत्री शासकीय अस्पताल रूपांतरण कोष के अंतर्गत नगर पालिका रामानुजगंज स्थित 100 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित करने हेतु 1 करोड़ 65 लाख 92 हजार 500 रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इस स्वीकृति के माध्यम से अस्पताल में ऑपरेशन थिएटर, डायलिसिस यूनिट एवं ब्लड स्टोरेज यूनिट जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे लोगों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के उन्नयन की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल की पहल पर लगातार स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़िकरण हो रहा है। राज्य नोडल एजेंसी द्वारा प्रदत्त इस स्वीकृति के तहत अस्पताल में ऑपरेशन थिएटर, डायलिसिस यूनिट एवं ब्लड स्टोरेज यूनिट को सुदृढ़ किया जाएगा। वर्तमान में गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को उपचार के लिए अंबिकापुर, रायपुर अथवा अन्य बड़े शहरों का रुख करना पड़ता है, जिससे उन्हें आर्थिक एवं मानसिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। नई सुविधाओं के प्रारंभ होने से क्षेत्र के लोगों को समय पर उपचार मिलने से भी राहत मिलेगी। स्वीकृत राशि से अस्पताल के लिए अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण क्रय किए जाएंगे। इनमें उन्नत तकनीक से युक्त ऑटोमेटिक ऑटोक्लेव मशीन, आधुनिक ओटी लाइट, मल्टी पैरा मॉनिटर, एनेस्थीसिया वर्क स्टेशन, वेंटिलेटर मशीन, इलेक्ट्रिक ऑपरेशन टेबल, सक्शन मशीन, ट्रॉली, डायलिसिस मशीन, आरओ प्लांट, ट्रूनेट मशीन, ब्लड स्टोरेज रेफ्रिजरेटर, डीप फ्रीजर तथा अन्य आवश्यक उपकरण शामिल हैं। इन संसाधनों के उपलब्ध होने से बेहतर सेवाओं का दायरा भी विस्तृत होगा। डायलिसिस के मरीज जिन्हें सप्ताह में कई बार उपचार के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, उन्हें डायलिसिस यूनिट की स्थापना से राहत मिलेगी। ब्लड स्टोरेज यूनिट स्थापित होने से दुर्घटना, प्रसव अथवा अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी, जिससे मरीजों का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। आने वाले समय में इन सुविधाओं के प्रारंभ होने से रामानुजगंज सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों लोगों को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं समयबद्ध उपचार का लाभ मिल सकेगा। यह पहल निश्चित रूप से जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देने के साथ जनकल्याण की भावना को और अधिक सशक्त करेगी। अस्पताल में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं एवं अत्याधुनिक उपकरणों की उपलब्धता से मरीजों को समय पर बेहतर उपचार मिल सकेगा तथा गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए बड़े शहरों पर निर्भरता कम होगी।

गोदरेज प्रॉपर्टीज रेसिडेंशियल प्लॉट्स प्रकरण में सीजी रेरा की सख्त कार्रवाई

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (सीजीरेरा) ने रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता सुनिश्चित करने एवं उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए ÷गोदरेज प्रॉपर्टीज रेसिडेंशियल प्लॉट्स÷ परियोजना के प्रमोटर पर 10 लाख रुपये का आर्थिक दंड अधिरोपित किया है। साथ ही परियोजना के रेरा पंजीयन प्राप्त होने तक किसी भी प्रकार के क्रय-विक्रय एवं विक्रय संबंधी गतिविधियों पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। प्राधिकरण द्वारा जांच के दौरान यह पाया गया कि संबंधित प्रमोटर ने भू-संपदा (विनियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 की धारा 3(1) के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए परियोजना का रेरा पंजीयन कराए बिना सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से प्लॉटों की कीमतों तथा परियोजना से संबंधित जानकारी का विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार किया। रेरा अधिनियम के अनुसार किसी भी रियल एस्टेट परियोजना का पंजीयन कराए बिना उसका विज्ञापन, विपणन अथवा विक्रय नहीं किया जा सकता। प्राधिकरण ने इस उल्लंघन को गंभीर मानते हुए अधिनियम की धारा 59 के अंतर्गत प्रमोटर पर 10 लाख रुपये की शास्ति अधिरोपित की है। सीजीरेरा ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि प्रस्तावित परियोजना में रेरा पंजीयन प्राप्त होने तक किसी भी प्रकार की बुकिंग, क्रय-विक्रय अथवा विक्रय संबंधी गतिविधियां संचालित नहीं की जाएंगी। प्राधिकरण ने पुनः स्पष्ट किया है कि बिना रेरा पंजीयन किसी भी भू-संपदा परियोजना का विज्ञापन, विपणन अथवा विक्रय करना कानूनन प्रतिबंधित है। ऐसे मामलों में अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप कठोर कार्रवाई की जाएगी। सीजीरेरा ने आम नागरिकों एवं संभावित गृह क्रेताओं से अपील की है कि किसी भी रियल एस्टेट परियोजना में निवेश करने से पूर्व उसकी रेरा पंजीयन स्थिति की जांच अवश्य करें तथा केवल पंजीकृत परियोजनाओं में ही निवेश करें, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की वित्तीय या कानूनी जटिलताओं से बचा जा सके।

‘आकार-2026’ में सिपोरेक्स और थर्माकोल से गढ़ी गई नई कला

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित कला प्रशिक्षण शिविर ‘आकार-2026’ ने इस वर्ष प्रतिभागियों को केवल पारंपरिक और लोक कलाओं से ही नहीं, बल्कि नवाचार, पर्यावरण संरक्षण और रचनात्मक एक अनूठी कला से भी परिचित कराया। शिविर के दौरान बोनसाई कला के अंतर्गत प्रशिक्षुओं ने ऐसी तकनीक सीखी, जिसने सामान्यतः अनुपयोगी समझे जाने वाले सिपोरेक्स ब्लॉक्स और थर्माकोल के टुकड़ों को आकर्षक कलाकृतियों में बदल दिया। शिविर में प्रतिभागियों ने बेकार समझकर फेंक दिए जाने वाले सिपोरेक्स ब्लॉक्स एवं थर्माकोल पीस से विभिन्न आकार-प्रकार के कलात्मक गमले, प्राकृतिक लैंडस्केप, पहाड़, चट्टानें तथा सजावटी संरचनाएं तैयार करना सीखा। कला और पर्यावरण संरक्षण के इस अद्भुत संगम ने प्रशिक्षार्थियों को न केवल नई रचनात्मक संभावनाओं से परिचित कराया, बल्कि उन्हें अपशिष्ट सामग्री के उपयोग के प्रति भी जागरूक बनाया।

इस विशेष प्रशिक्षण का संचालन प्रसिद्ध बोनसाई विशेषज्ञ डॉ. मनोज अग्रवाल ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को सिखाया कि किस प्रकार साधारण और अनुपयोगी सामग्री को कल्पनाशीलता और तकनीकी कौशल के माध्यम से आकर्षक कलाकृतियों में परिवर्तित किया जा सकता है। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने सामग्री चयन, डिजाइन निर्माण, आकार निर्धारण, रंग-सज्जा तथा बोनसाई प्रदर्शन के लिए उपयुक्त लैंडस्केप तैयार करने की बारीकियों से भी प्रशिक्षुओं को अवगत कराया। शिविर में लगभग 80 प्रशिक्षार्थियों ने इस अनूठी विधा का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण सत्रों के दौरान प्रतिभागियों का उत्साह देखते ही बनता था। युवा कलाकारों से लेकर वरिष्ठ कला प्रेमियों तक, सभी ने पूरे मनोयोग से इस कला को सीखा और अपने हाथों से आकर्षक मॉडल तैयार किए। प्रशिक्षण के अंतिम दिनों में तैयार की गई कलाकृतियों ने दर्शकों और अन्य प्रतिभागियों का भी ध्यान आकर्षित किया। प्रशिक्षार्थियों ने बताया कि यह कला न केवल सौंदर्यबोध विकसित करती है, बल्कि कम लागत में घर, बगीचे और सार्वजनिक स्थलों को आकर्षक बनाने का अवसर भी प्रदान करती है। उन्होंने इस नवाचारी प्रशिक्षण को ‘आकार-2026’ की सबसे रोचक और उपयोगी गतिविधियों में से एक बताया। विशेष बात यह रही कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले लगभग सभी प्रतिभागियों ने इस विधा के प्रति गहरी रुचि व्यक्त करते हुए आगामी ‘आकार’ शिविरों में भी इसे पुनः सीखने और उन्नत स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त करने की इच्छा जताई। प्रशिक्षार्थियों का मानना है कि यह कला भविष्य में स्वरोजगार और रचनात्मक उद्यमिता के नए अवसर भी उपलब्ध करा सकती है।

हेल्पलाइन: एक कॉल, त्वरित सुनवाई और प्रभावी कार्रवाई

■ घर बैठे दर्ज की शिकायत, एक घंटे में मिली राहत

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर संचालित सीएम हेल्पलाइन 1076 आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण का सशक्त माध्यम बन रहा है। यह हेल्पलाइन शासन और जनता के बीच संवाद को अधिक सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने के साथ-साथ नागरिकों की शिकायतों, समस्याओं के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री साय द्वारा 9 जून को सीएम हेल्पलाइन के शुभारंभ के बाद इसके सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। कोरबा शहर के पंपहाउस क्षेत्र निवासी श्री रामकुमार साहू ने अपने क्षेत्र में लगातार हो रही विद्युत वोल्टेज की समस्या को लेकर सीएम हेल्पलाइन 1076 पर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि विद्युत आपूर्ति में बार-बार उतार-चढ़ाव होने से उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। साहू ने शाम लगभग 4 बजे मोबाइल फोन के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होते ही विद्युत विभाग ने तत्परता दिखाते हुए मामले पर त्वरित कार्रवाई की। विद्युत विभाग की टीम ने 100 के.व्ही.ए. क्षमता के डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर के न्यूट्रल की समस्या को ठीक कर समस्या का निराकरण किया। शिकायत दर्ज होने के लगभग एक घंटे के भीतर शाम 5 बजकर 09 मिनट पर विद्युत व्यवस्था सामान्य हो गई। शिकायत दर्ज करने के एक घंटे के भीतर अपनी समस्या के त्वरित समाधान से संतुष्ट श्री रामकुमार साहू ने छत्तीसगढ़ सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से अब आम नागरिकों की आवाज सीधे शासन तक पहुंच रही है।

अवैध खनिज परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, 3 ट्रेलर जब्त

■ राज्य में अवैध खनन एवं परिवहन पर प्रशासन की सख्ती जारी

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन और खनिज विभाग द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सूरजपुर जिले में खनिज विभाग की टीम ने बिना वैध अभिवहन पास के खनिज परिवहन कर रहे तीन ट्रेलर वाहनों को जब्त किया है।

जानकारी के अनुसार, कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देश पर खनिज अमला द्वारा प्रेमनगर क्षेत्र में खनिज वाहनों की सघन जांच की गई। जांच के दौरान तारा मुख्य मार्ग पर चूना पत्थर गिट्टी से भरे तीन ट्रेलर वाहन बिना अभिवहन पास के परिवहन करते पाए गए। प्रारंभिक जांच में वाहन जिला जांजगीर-चांपा स्थित क्रशर से लोड होकर संचालित होना पाए गए।

खनिज विभाग ने संबंधित वाहन मालिकों के विरुद्ध अवैध खनिज परिवहन का प्रकरण दर्ज करते हुए तीनों ट्रेलरों को पुलिस थाना प्रेमनगर की अभिरक्षा में रखा है। प्रकरण में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

प्रदेश में खनिज संसाधनों के संरक्षण एवं राजस्व हानि रोकने के उद्देश्य से जिला स्तरीय टास्कफोर्स और खनिज अमला द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी और जांच अभियान संचालित किए जा रहे हैं।

डोंगरीपारा मार्ग के लिए 4.55 करोड़ स्वीकृत

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग द्वारा कोण्डागांव जिले के विकासखण्ड-माकड़ी की भेलवापारा से डोंगरीपारा मार्ग में स्टापडेम सह पुलिया निर्माण कार्य के लिए 4 करोड़ 55 लाख एक हजार रूपए की राशि स्वीकृत की गई है। योजना के अंतर्गत निस्तारी, पेयजल, भू-जल संवर्धन, आवागमन एवं किसानों द्वारा स्वयं के साधन से 75 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी।

पर्याप्त खाद उपलब्ध, भंडारण पिछले वर्ष की तुलना में तेज

रायपुर/नवप्रदेश। पर्याप्त खाद उपलब्ध, भंडारण और वितरण पिछले वर्ष की तुलना में तेजआगामी खरीफसीजन के लिए बिलासपुर जिले में किसानों को रासायनिक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने व्यापक स्तर पर भंडारण एवं वितरण की व्यवस्था की गई है। जिले में वर्तमान में 49 हजार 772 टन उर्वरकों का भंडारण उपलब्ध है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में उपलब्ध 37 हजार 987 टन भंडारण की तुलना में लगभग 31 प्रतिशत अधिक है। किसानों की मांगों को देखते हुए शासन द्वारा पर्याप्त मात्रा में खाद का अग्रिम भंडारण किया गया है।

कृषि विभाग के उप संचालक श्री पी.डी. हाथेश्वर ने बताया कि बिलासपुर जिले में खरीफ 2026 के लिए कुल 68 हजार 950 टन उर्वरक का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके विरुद्ध अब तक 49 हजार 772 (65 प्रतिशत) उर्वरक उपलब्ध कराया जा चुका है। वहीं पिछले वर्ष इसी अवधि में लक्ष्य के विरुद्ध उपलब्धता 44 प्रतिशत थी। उर्वरक वितरण की स्थिति भी पिछले वर्ष की तुलना में काफी बेहतर है। जिले में इस वर्ष अब तक 26 हजार 131 टन उर्वरक का वितरण किया जा चुका है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 16 हजार 688 टन वितरण हुआ था।

कृषि का जशपुर मॉडल बना राष्ट्रीय पहचान का केंद्र

केंद्र सरकार ने कृषि नवाचार, जल संरक्षण और किसान आय वृद्धि के प्रयासों की सराहना की

रायपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के तहत कृषि विकास, जल संरक्षण एवं किसानों की आय बढ़ाने के लिए जशपुर जिले में किए जा रहे नवाचारों को भारत सरकार ने सराहा है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त सचिव तथा योजना के केंद्रीय नोडल अधिकारी श्री पी. अंबलगन (आईएएस) ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले की समीक्षा करते हुए जशपुर मॉडल को प्रभावी, दूरदर्शी और किसान हितैषी बताया। समीक्षा बैठक में वर्ष 2025-26 की उपलब्धियों तथा वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण किया गया। जिला प्रशासन द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना में सुगंधित एवं औषधीय फसलों के क्लस्टर विकास, संविदा खेती को प्रोत्साहन, जीराफूल धान के रकबे का विस्तार, निर्यात योग्य धान क्लस्टर, सामुदायिक बीज बैंक, ड्रोन आधारित कृषि सेवाएं, कस्टम हायरिंग सेंटर तथा कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन और विपणन व्यवस्था को प्रमुखता दी गई है। बैठक में खरीफ सीजन 2026-27 की तैयारियों की भी समीक्षा की गई।

मनरेगा और जनभागीदारी से गांव बना जल संरक्षण का मॉडल

■ *कंटूर ट्रेंच, सोक पिट और डबरी जैसी संरचनाओं से बढ़ रही जल संचयन क्षमता, भू-जल संवर्धन को मिल रही नई दिशा*

रायपुर/नवप्रदेश। जशपुर के नीमगांव में जल संरक्षण की अनूठी मिसालमुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जशपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत नीमगांव जल संरक्षण की अभिनव पहल के कारण एक प्रेरणादायक मॉडल के रूप में उभरकर सामने आई है। यहां मनरेगा और जनभागीदारी के माध्यम से वर्षा जल संचयन एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए विभिन्न संरचनाओं का निर्माण किया गया है, जिससे जल उपलब्धता बढ़ने के साथ ग्रामीण आजीविका को भी मजबूती मिल रही है। ग्राम पंचायत नीमगांव के सरपंच श्री नागेंद्र भगत के नेतृत्व में गांव में जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप दिया गया है। ग्राम पंचायत में अब तक कुल 2587 कंटूर ट्रेंच का निर्माण किया गया है। ये संरचनाएं पहाड़ी एवं ढलान वाले क्षेत्रों में बनाई गई हैं, जिनका उद्देश्य वर्षा जल के बहाव को नियंत्रित कर उसे भूमि में समाहित करना है। इससे मिट्टी का कटाव रुकने के साथ भू-जल स्तर में भी सुधार हो रहा है। सरपंच श्री नागेंद्र भगत ने बताया कि कंटूर ट्रेंच में वर्षा का पानी एकत्रित होकर धीरे-धीरे जमीन में रिसता है, जिससे जल संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा गांव में 5 प्रतिशत मॉडल के तहत खेतों के किनारों पर विशेष संरचनाएं विकसित की गई हैं, जिनमें वर्षा जल संग्रहित होकर खेतों की नमी बनाए रखने में सहायक होता है।

इससे किसानों को फसलों की बेहतर वृद्धि और उत्पादन में लाभ मिल रहा है। गांव में स्वच्छता और जल प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए हैंडपंपों के आसपास लगभग 30 सोक पिट का निर्माण भी कराया गया है। इन संरचनाओं के माध्यम से उपयोग किए गए पानी का सुरक्षित निस्तारण और भू-जल पुनर्भरण सुनिश्चित हो रहा है। इससे जलभराव की समस्या में कमी आने के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिला है।

सुविचार

जो इंसान अकेले में रोना और चुप होना तथा सबसे अपना दर्द छुपाना जानता है वही आज के समय में सबसे ताकतवर है।

पीओके में पाक के खिलाफ विद्रोह

पाक अधिकृत कश्मीर में एक बार फिर पाकिस्तान के खिलाफ विद्रोह तेज हो गया है। पिछले तीन दिनों से पीओके के डेढ़ लाख लोग सड़को पर उतर आये हैं और पाकिस्तान से मुक्कमल आजादी की मांग कर रहे हैं। पीओके के लोगों के इस विद्रोह का नेतृत्व ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी कर रही है जिसमें पीओके के प्रबुध लोग शामिल है और उनका किसी राजनीतिक पार्टी से कोई लेना देना नहीं है इसके बावजूद इस संगठन पर आतंकवाद संबंधी धारा लगाकर उसे प्रतिबंधित कर दिया गया है। जिससे पीओके में विद्रोह और भड़क गया। इस विद्रोह को कुचलने के लिए पाकिस्तानी आर्मी चीफ असीम मुनीर ने वहां सेना को तैनात कर दिया है क्योंकि पीओके की पुलिस ने अपने ही लोगों पर बर्बता करने से इंकार कर दिया था। नतीजतन बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों को निलंबित कर वहां सेना की तैनाती कर दी गई और उसे विद्रोह को कुचलने की खुली छूट दे दी गई। सेना ने निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर अंधाधुध गोलियां बरसाई जिससे तीस लोगों के मारे जाने और लगभग सौ लोगों के घायक होने की बात पाकिस्तान ने खुद कबूल की है लेकिन मृतकों का आंकड़ा इससे कहीं बहुत ज्यादा बताया जा रहा है चूंकि पीओके में इंटरनेट बंद कर दिया गया है इसलिए वहां की स्थिति की जानकारी दुनिया के सामने नहीं आ रही है। पाकिस्तान की मीडिया भी यह आशंका जता रही है कि पीओके में बड़ी संख्या में लोग मारे गये हैं। एक अनुमान के मुताबिक लगभग चार सौ लोगों की मौत हुई है और एक हजार से अधिक लोग घायल हुए हैं । इस खबर को दुनिया से छुपाया जा रहा है। इधर पीओके में लोग सड़क पर निकलर आर्मी चीफ असीम मुनीर को दुसरा जनरल डायर बता रहे हैं और उन पर पीओके में कत्लेआम कराने का आरोप लगा रहे हैं। गौरतलब है कि पीओके जिसकी आबादी लगभग 65 लाख है वहां के लोग लंबे समय से मुलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। वहां के प्राकृतिक संसाधनों का पाकिस्तान दोनों हाथों से दोहन करना है लेकिन पीओके के लोगों को आज भी पीने के साफ पानी, बिजली और सड़क जैसी सुविधाएं भी सुलभ नहीं हैं ऊपर से महंगाई का आलम यह है कि वहां के लोगों के सामने भूखों मरने की नौबत आ रही है। इन सभी मुद्दो को लेकर वहां के लोग लंबे समय से आंदोलित है। ऊपर से अब वहां पाकिस्तान अपनी पिट्ठू सरकार बनाना चाहती है पीओके की संसद के लिए 27 जुलाई को आम चुनाव होने हैं और इसके लिए 12 सीटें आरक्षित की गई हैं। इन आरक्षित सीटों का ही पीओके के लोग विरोध कर रहे हैं। कहने को तो पाकिस्तान पीओके को आजाद कश्मीर कहता है लेकिन वहां के लोगों की आजादी छीन रखी है अब पीओके के लोग पाकिस्तान से आजादी हासिल करने के लिए निर्णायक संघर्ष करने का मन बना चुके हैं और पाकिस्तानी सेना की बर्बता के बावजूद वे सड़क पर उतरकर आंदोलन कर रहे हैं। पीओके के मुज्जफराबाद तथा मीरपुर में हालात लगातार बिगड़ रहे हैं। लोग सड़को पर आजादी की मांग करते हुए अपना आंदोलन तेज करते जा रहे हैं। भले ही वहां की गलियां लाशों से पट रही हैं इसके बावजूद वहां के आंदोलनकारियों का हौसला बुलंद है। पीओके में गृहयुद्ध के हालात निर्मित हो गये हैं। पाकिस्तानी सेना द्वारा किये जा रहे इस नरसंहार पर भारत ने भी गंभीर चिंता व्यक्त की है और वहां हो रहे मानवाधिकार के उल्लंघन की ओर विश्व समुदाय का ध्यान आकर्षित किया है। इंग्लैंड की राजधानी लंदन में पाकिस्तानी उच्चायोग के सामने पीओके के सैंकड़ो लोगों ने प्रदर्शन किया और पीओके की आजादी की मांग उठाई है। इधर पाकिस्तान पीओके में लोगों के आंदोलित होने का ठिकरा भारत के सिर पर फोड़ रहा है। पाकिस्तानी हुकमरान अपने पापों पर पर्दा डालने के लिए भारत को इसकर जिम्मेदार ठहरा रहे हैं कि वह पीओके में लोगों को भड़का रहा है जबकि हकीकत यह है कि पीओके के लोग खुद ही पाकिस्तान से अलग होकर भारत का हिस्सा बनना चाहते हैं। इस विद्रोह से भारत का कोई लेना देना नहीं है।

'श्री राम के प्रिय केवट' ने भाजपा की नैया पार लगाकर इतिहास दोहराया

राजीव खंडेलवाल

2018 में मध्य प्रदेश में चुनी गई कमलनाथ सरकार के पतन के बाद से कांग्रेस के लिए चुनावी पराजयों का सिलसिला शुरू हुआ था, जो अब तक थमता नहीं दिख रहा। लोकसभा, विधानसभा और अब राज्यसभा चुनाव में भी कांग्रेस को ऐसे झटके लगे हैं, जिनसे उबरना उसके लिए कठिन होता जा रहा है। ताजा घटनाक्रम में कांग्रेस ने राज्यसभा की सुरक्षित (तथाकथित) मानी जाने वाली सीट भी गंवा दी। इस तरह पार्टी एक बार फिर "जीती बाजी हारने" की चर्चा के केंद्र में आ गई।

नामांकन निरस्तः पूरा घटनाक्रम ।

कांग्रेस प्रत्याशी सुश्री मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र रिटर्निंग अधिकारी ने पांच कारण दर्शाते हुए नामांकन निरस्त कर दिया। प्रमुख आधार यह था कि उन्होंने फॉर्म-26 में तेलंगाना की IV अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 223 के तहत लंबित कार्यवाही की जानकारी नहीं दी।

दूसरा कारणः शपथ पत्र में अस्पष्ट व अधूरी सील।

3 भाग दो के विवरण में विहित प्रारूप में बदलाव।

4 फार्म के भाग बी और शपथ पत्र भाग ए में परिसंपत्तियों का मूल्य अलग-अलग था।

" आदेशः कितना वैध ?"

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत निर्धारित फॉर्म-26 में उम्मीदवार को अपने विरुद्ध लंबित समस्त आपराधिक मामलों का विवरण देना आवश्यक है। प्रश्न यह है कि धारा 223 BNSS के तहत चल रही कार्यवाही क्या ऐसे "आपराधिक मामले" की श्रेणी में आती है, जिसकी जानकारी देना अनिवार्य था?

कानूनी दृष्टि से शिकायत और प्राथमिकी में जो अंतर है, वही अंतर धारा 223 के तहत प्रारंभिक न्यायिक कार्यवाही और धारा 227 के तहत विधिवत आपराधिक अभियोजन में होता है। धारा 223 के तहत कार्यवाही मात्र एक शिकायत है, जहाँ व्यक्ति को तब तक आरोपी नहीं माना जा सकता, जब तक मजिस्ट्रेट धारा "227" के तहत उसे संज्ञान में न ले।

उच्चतम न्यायालय ने सतीश उके बनाम देवेंद्र फड़णवीस, (2019) 9 SCC 1 में स्पष्ट किया कि धारा 33 A RP Act और नियम 4 A चुनाव संचालन नियम 1961 के तहत उन मामलों का खुलासा आवश्यक है, जिनमें:

1. दो वर्ष या उससे अधिक दंड का प्रावधान हो और आरोप तय हो चुके हों, या
2. 1 वर्ष की सजा हो चुकी हो या
2. सक्षम न्यायालय ने संज्ञान ले लिया हो।

मीनाक्षी नटराजन के मामले में मजिस्ट्रेट ने अभी तक धारा 227 के तहत आदेश पारित कर उन्हें आरोपी नहीं बनाया है। इसलिए सिर्फ धारा 223 की कार्यवाही आपराधिक प्रकरण की श्रेणी में नहीं आती और इसकी जानकारी देना अनिवार्य नहीं था। यही कानूनी स्थिति है।

गलत जानकारी देने पर आपराधिक कार्रवाई कब?

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125 के तहत शपथ पत्र में गलत जानकारी देना या आवश्यक जानकारी छिपाना दंडनीय अपराध है। यदि निर्वाचन अधिकारी यह निष्कर्ष निकाले कि उम्मीदवार ने "महत्वपूर्ण तथ्य छिपाया" है, तो धारा 125 के तहत कार्रवाई का आधार बन सकता है। इस मामले में रिटर्निंग अधिकारी ने तेलंगाना की अदालत में लंबित निजी शिकायत क्रमांक 4472/2025, धारा 223 की जानकारी छिपाने को मुख्य आधार माना। जबकि नटराजन का तर्क है कि संबंधित कार्यवाही ऐसी नहीं थी, जिसकी जानकारी देना विधिक रूप से अनिवार्य हो। भारतीय न्याय संहिता की धारा 229 और 230 के तहत भी शपथ पर मिथ्या कथन के लिए अलग से शिकायत हो सकती है।

" क्या भाजपा कोई पहल करेगी ?"

राजनीतिक गलियारों में सवाल उठ रहा है कि क्या भाजपा या निर्वाचन आयोग धारा 125 A RP Act के तहत मीनाक्षी नटराजन के विरुद्ध कोई कानूनी पहल करेगा? कांग्रेस के रिटर्निंग अधिकारी पर भाजपा के दबाव में काम करने के आरोप को बोठल करने के लिए भाजपा को प्रत्युत्तर में आपराधिक कानूनी कार्रवाई के लिए आगे आना चाहिए।

" विभीषण कौन? "

राजनीति में कहा जाता है कि "दीवारों के भी कान होते हैं"। मीनाक्षी नटराजन के विरुद्ध लंबित निजी शिकायत की जानकारी सार्वजनिक विमर्श में कैसे आई, यह अब राजनीतिक चर्चा का विषय बन गया है। इतनी विशिष्ट जानकारी कांग्रेस के अंदर बैठे "स्लीपिंग सेल" की सहायता के बिना सामने आना संभव नहीं लगता। इसी कारण "घर का भेदी लंका ढाए" कौन, इस पर राजनीतिक पंडित कयास लगा कर नाम को लेकर चटकार ले रहे हैं।

"कांग्रेस के लिए यह सीट कितनी सुरक्षित थी"?

कांग्रेस का दावा था कि चुनाव होते तो भाजपा की हार निश्चित थी। इसलिए भाजपा ने निर्वाचन अधिकारी का दुरुपयोग कर जीत सुनिश्चित की। लेकिन इस दावे की पोल तब खुल गई जब खरीद-फरोख्त के डर से कांग्रेस अपने विधायकों को विशेष विमान से कर्नाटक ले जा रही थी, तब केवल 48 विधायक ही थे। जीत के लिए न्यूनतम 58 प्रथम वरीयता मत आवश्यक थे। वहीं भाजपा के विधायक अपने क्षेत्रों में ही थे। कांग्रेस की "रिसॉर्ट पॉलिटिक्स÷ इस बार भी भाजपा के सामने नाकाम रही। भाजपा का यह "विश्वास" (शायद इसलिए जनता उन पर अंधविश्वास करती है) और कांग्रेस की उक्त "आशंका" अपने आप में कहानी कह देती है।

"प्रशिक्षण वर्ग की आवश्यकता"

देशहित में विपक्ष को मजबूत बनाने के लिए भाजपा, जिसे प्रशिक्षण वर्ग लगाने में महारत हासिल है, कि कांग्रेस के लिए भी एक प्रशिक्षण वर्ग लगाना चाहिए। ताकि कांग्रेस कम से कम अपनी जीती हुई बाजी को बनाए रखने में सफल हो सके।

कहावत है – "दूध का जला छाछ भी फूँक-फूँक कर पीता है।" कांग्रेस को इस कहावत को सिर्फ पढ़ने नहीं, रटने की जरूरत है। दूसरी कहावत ठोकर खाकर संभालने समझने की बुद्धिमानी क्या कभी कांग्रेस में आएगी?

" प्रधानमंत्री के रिकॉर्ड कार्यकाल पर मध्य प्रदेश का तोहफा* ।"

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेहरू के 64 साल पुराने 12 वर्ष से अधिक कार्यकाल का रिकॉर्ड तोड़ने के अवसर पर मध्य प्रदेश ने राज्यसभा की एक अतिरिक्त सीट का तोहफा देकर उनका वंदन, अभिनंदन किया। इसके लिए प्रदेश भाजपा और तीनों विजयी उम्मीदवारों को बधाई।

निष्कर्ष

राज्यसभा चुनाव का यह मामला केवल एक नामांकन पत्र के निरस्तीकरण तक सीमित नहीं है। यह कांग्रेस की संगठनात्मक तैयारी, कानूनी सतर्कता और राजनीतिक प्रबंधन तीनों पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। कांग्रेस को बाजीगरी दिखाने के लिए एक ÷बाजीगर÷ की जरूरत है। सवाल यह है कि क्या वह मिल पाएगा?

दिल्ली के जंतर-मंतर पर तथाकथित कॉकरोच

डॉ शाहिद अली

जनता पार्टी के नाम पर एक प्रदर्शन हो गया। हवाई जहाज़ से इसके संस्थापक कहे जाने वाले अभिजीत दीपके उतरे और देशभर के युवाओं से आह्वान किया कि वे इस विरोध प्रदर्शन का हिस्सा बनें। दीपके के इस बयान का कोई खास असर नहीं दिखा। कॉकरोच जनता पार्टी के अभिजीत दीपके शिक्षा, रोजगार और पेपर लीक मामले में युवाओं की भीड़ इकट्ठा करना चाहती है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की एक टिप्पणी की ग़लत व्याख्या से बनाए गए माहौल का फ़ायदा उठाकर आनलाइन पार्टी का गठन हो गया।

जंतर-मंतर पर जो हो हल्ला हुआ उसमें जनता नहीं थी। एक ऐसी छोटी मोटी भीड़ थी जो अपनी हीनता और अकर्मण्यता को पूरे भारत में थोपना चाहती है। इस भीड़ में जो आक्रोश दिखाया जा रहा है वह वास्तव में युवाओं का नहीं है। यह शोर शराबा एक ऐसे तत्वों का है जो अराजकता में अपने अवसर ढूंढते हैं। व्यवस्था विरोधी परिस्थितियों को पैदा करते हैं। ज़ाहिर सी बात है ये ऐसे सिरफिरे हैं जो स्वयं हीन भाव से ग्रस्त हैं और अपनी असफलताओं का ठीकरा सरकार पर फोड़ते हैं। हीनता का भाव इनके अंदर है। नकारात्मक प्रभाव से कमजोरों को कॉकरोच जनता का लबादा पहनाना चाहते हैं, इसलिए पड़ोसी देशों के राजनीतिक उठा-पटक को भारत के युवाओं में एक अवसाद के जश्न की शक्ल देना चाहते हैं। हमारे देश में नेतृत्व का निर्माण सोशल मीडिया में ज़हर उगलने वाले अभिजीत दीपके की तरह नहीं होता है। भारत में नेतृत्व सेवा, त्याग और तपस्या से होकर गुजरता है इसलिए भारत का लोकतंत्र दुनिया में सबसे अद्भुत और शक्तिशाली है। एक संवैधानिक व्यवस्था में भारतीय जनता की आस्था है। हमारे देश का कानून और न्याय तंत्र जितना पारदर्शी और विश्वसनीयता लिए हुए है शायद ही ऐसा कोई दूसरा देश हो सकता है। सिस्टम में संतुलन और उदात्त मानवीय मूल्यों की प्रतिष्ठा है। इसलिए कॉकरोच जनता कहकर इसका उपहास नहीं बनाया जा सकता है।

भारत में युवाओं के सपने गरीबी और अभावों के बीच भी पूरे होते हैं। युवाओं में जोश और उत्साह का जुनून अप्प दीपो भव की तरह है क्योंकि यहां भगवान गौतम बुद्ध की शिक्षा है और विवेकानंद का आदर्श है। इसलिए युवा शक्ति नए प्रकल्पों के साथ खड़ी है उनके मन में हार या हताशा का कोई कीड़ा नहीं है। एआई और नई टेक्नोलॉजी का परचम पूरे देश में है। खेत से लेकर खलिहानों तक और गांव से महानगरों तक युवा उर्जा से परिपूर्ण है। प्रतिभाशाली युवाओं को शिक्षा और रोजगार में अधिकाधिक अवसर मिल रहे हैं। राजनीति और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में युवा नई पहचान के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

अब सवाल उठता है कि आखिर इस तरह की हीनता के भाव से उपजी भीड़ को अचानक मीडिया में इतनी जगह कैसे मिल जाती है। ये हो हल्ला और मीडिया का इतना प्रचार क्यों ? क्या मीडिया भी ऐसे भीड़ तंत्र को ख़बर की खुराक समझता है या कोई दूसरी वजह है। सोशल मीडिया बेलगाम है। यूट्यूबर आत्ममुग्ध हैं। तार्किक विश्लेषण और सोशल रिस्पांसिबिलिटी की जगह अखबारों में भी कम होती जा रही है। अन्यथा सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की टिप्पणियों को गंभीरता से लिया जाता है। लोकतंत्र में जन समुदाय का महत्व होता है जबकि भीड़ का कोई शास्त्र नहीं होता है। भीड़ अस्थाई होती है जबकि जन-समुदाय स्थायी होता है। मीडिया का काम जन-समुदाय को स्वतंत्र अभिमत और जनचेतना के सरोकारों से जोड़ना है अतः ऐसे सभी खतरनाक होती भीड़ का परिष्कार ज़रुरी है जो संवैधानिक व्यवस्थाओं को चुनौती देने या लोगों में निराशा पैदा करने की नाकाम कोशिशें करती हैं। मीडिया को हरपल सजग प्रहरी की भूमिका में रहना होगा। पोर्टल पत्रकारिता में जल्दबाजी है लेकिन तथ्यों की वास्तविक स्थिति तक पहुंचने का धैर्य नहीं। हमें ये देखने की सख़्त जरूरत है कि मीडिया अपने नैतिक मूल्यों की अनदेखी कर कोई नया बदलाव नहीं कर सकता है। सच को करीब से जानने, समझने और आडिएंस तक पहुंचाने में तमाम राजनीतिक प्रलोभनों से दूर होना पड़ेगा। हमें अपने युवा सपनों को हीनता के हल्ले से हर हाल में बचाना होगा, काकरोच की हीन भावना परोसने वाले युवाओं के आत्मबल को कमजोर नहीं कर सकते हैं। डॉ बशीर बद्र का यह बयां मौजूदा है -

"उड़ान वालों उड़ानों पे वक़्त भारी है,
परों की नहीं अब हौसलों की बारी है।"

सद्गुरू बोधामृतम्

सदगुरू ऋतेश्वर

सजलता आंखों में हो, हृदय सबल हो और तरलता बहते रहना हर समय सदा। पत्थरों की तरह व्यवहार मत करना। प्रेमी रसिक जनों के साथ बैठे रहो गंगा की तरह, रस करुणा वर्षित करते रहो। प्रेम दूसरों को शांत नहीं करती अपितु स्वयं को आनंद देती इसलिए प्रेम विस्तारित कीजिए। जो संकुचित एक दायरा है उसको बढ़ाइए, किसी की बुरी बात याद मत रखिए। छोटे-छोटे भेदभाव भुलाकर जो अच्छी घटनाएं हैं जीवन में, आपस में कुछ अच्छे पल कभी आप ने जिए हैं उन्हें याद किया करिए।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1962: अमेरिका में सैन फ्रांसिस्को की खाड़ी में स्थित कड़ी सुरक्षा वाले कारागार एलकटराज से तीन क़ैदी भाग निकले। इस जेल को सुरक्षा के हिसाब से अकाट्य माना जाता था और यहां सबसे गंभीर अपराधों वाले कैदियों को रखा जाता था। 1964: अफ्रीका में रंगभेद के खिलाफ आंदोलन की अगुवाई करने वाले अश्वेत नेता नेल्सन मंडेला को सरकार के खिलाफ साजिश का दोषी ठहराते हुए उम्र क़ैद की सजा। 1972: महात्मा गांधी के जीवन पर आठ खंड का ग्रंथ लिखने वाले डी.जी. तेंदुलकर का निधन 1975: इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को चुनाव में सरकारी मशीनरी के गलत इस्तेमाल का दोषी पाया और उनके निर्वाचन को अमान्य करार दिया। 1990: इंडियन नेशनल सैटेलाइट (इनसैट-1डी) को लॉन्च किया गया। 1994: बोइंग-777 ने अपनी पहली उड़ान भरी। उस समय इस विमान में दुनिया का सबसे बड़ा ट्विन जेट इंजन लगाया गया था।

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

जब स्याह रात अमावस की हो आसमान में तारे टिमटिमाते हों तुम देना सिरहाना बाहों का जब दूर कहीं संगीत सुनाई देता हो....!!!! आना तुम.... जब सर्दियों की सर्द रात हो दूर दूर तक कोई न आस पास हो हम हों तुम हो..और हो नहर का किनारा कोई जब साथ चलते चलते एक यात्रा पूरी करनी हो ..!!!! आना तुम... जब कह पाओ मैं आया सिर्फ तेरे लिये छोड़ आया दुनिया जहां को तेरे लिये हम जियेंगे साथ मरेंगे साथ अपने आशियाने में इश्क़ मुक्कमल करूँगा अपना मैं तुम्हारे लिए....!!!! आना तुम.... इंतजार...।

- डॉ. अर्चना खंडेलवाड़

सूरज देवता तो ऐसे तप रहे हैं मानो भारत में आग लगा देंगे,खैर आप लोग घर के बाहर,छत पर पानी अवश्य रखें,जीव जंतु भी हमारे जीवन का अभिन्न अँग हैं,बहुत नहीं तो कुछ तो अपने स्तर से किया ही जा सकता है।

- मधुबाला मौर्या

दुआ ये मांगता हूँ के सलामत रब रखे तुझको सभी खुशियाँ ज़माने की हमेशा ही मिले तुझको रहूँ मैं जब तलक भी इस जहां में ऐ मेरे हमदम मुहब्बत रूह तक मेरी हमेशा मिल सके तुझको।

- संजय कुमार गिरि

पेड़ चल पाते.... काश पेड चल पाते तो चल कर अपनी जान बचा लेते। विकास के लिये बेरहमी से कटने से बच जाते। ...काश पेड चल पाते ...तो वहां चले जाते जहां विकास अभी नहीं होना है क्योंकि विकास के लिये उसका कटना जरुरी है। ...हत्यारों से तो बच जाते काश पेड चल पाते।

- तपन मुखर्जी

सत्य और असत्य के बीच झूलता आदमी , न्याय और अन्याय में फँसा चलता आदमी , कामयाबी और नाकामी में धू-धू कर जलता आदमी , नियती और कर्म के मार्ग पर भटकता आदमी , क्या है सवाल और जबाब है क्या हर पल सोचता आदमी , जलती है आकांछायें जलता है आदमी ,रोज़ जलती है चिताएं फिर भी नही संभलता आदमी। **- नमन कुमार मिश्रा**

पहले पत्नी, पति के साथ जंगल इसलिए जाती थी ताकि वह अपने पति के प्राण यमराज से छुड़ा कर ला सके..... सावित्री अब पत्नी, पति के साथ जंगल इसलिए जाती है ताकि वह अपने पति के प्राण ले कर यमराज को दे कर आ सके.... सोनम गौर करने वाली बात यह भी है कि दोनों ही पत्नियों का नाम स्स से शुरू है - अलका अग्रवाल

लेखन/साहित्य कला एक साधना तो है ही लेकिन ईश्वरीय देन भी होता है साथ के बहन,भाई अच्छा लिखते है,यदा कदा पूछते मै कैसा लिखती हु/लिखता हु भैया,मै कहता हु बहुत अच्छा,लिखा करो लिखते लिखते एक दिन पारंगत हो जाओगे। "जो साहित्य हृदय निःस्वार्थ होता है,वो सदैव आगे बढ़ता है"। **- शत्रुंजय तिवारी**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेषः आज का दिन आपके अनुकूल है। बीते हुए कल की तुलना में आज उसके विपरीत फल मिलेंगे। सार्वजनिक क्षेत्र पर अपने शुभ आचरण एवं परोपकारी स्वभाव के चलते सम्मान के पात्र बनेंगे।

वृषः आज दिन के पूर्वार्ध से लेकर संध्या तक आपको विविध प्रकार की मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

मिथुनः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। लेकिन आज आपके स्वभाव में स्वार्थ सिद्धि की भावना आवश्यकता से कुछ अधिक ही रहेगी।

कर्कः आज का दिन आपके लिए कोई नई समस्या लेकर आएगा। बुद्धि विवेक होते हुए भी भावनाओं पर नियंत्रण नहीं रख पाएंगे। घर में संतान के कारण कोई ना कोई परेशानी लगी रहेगी।

सिंहः आज का दिन बीते कल की तुलना में राहत भरा रहेगा सेहत में थोड़ा सुधार आएगा। फिर भी सेहत से संबंधित लापरवाही से बचें खासकर ज्यादा परिश्रम वाले कार्य ना करें।

कन्याः आज का दिन आप व्यर्थ के प्रपंचों में पड़कर खराब करेंगे या तो जल्दी से किसी कार्य को हाथ में नहीं लेंगे लेंगे तो उसमें अपनी मनमानी ही करेंगे।

तुलाः आज के दिन आप बीते समय से मिल रही निराशा एवं असफलता के कारण धर्म से विमुख हो सकते हैं। दिन के आरंभिक भाग में थोड़ी शांति रहेगी। लेकिन दिन चढ़ते-चढ़ते विविध उलझनों में फंस जाएंगे फिर भी बीते कल की तुलना में आज थोड़ी राहत का अनुभव भी होगा।

वृश्चिकः आज के दिन परिवार अथवा कार्य क्षेत्र पर पूर्व में बरती किसी अनियमितता के चलते अव्यवस्था अथवा अन्य उलझन बढ़ने का भय दिन के आरंभ से ही लगा रहेगा।

धनुः आज के दिन भी किसी ना किसी प्रसंग को लेकर आपका मन राग-द्वेष से भरा रहेगा। आपकी दिनचर्या भी अन्य दिनों से धीमी रहेगी एक बार किसी कार्य में विलंब होने पर अन्य कार्य भी अव्यवस्थित हो जाएंगे।

मकरः आज का दिन भी आपके लिए प्रतिकूल फलदायक है। बीते दिनों जिन लोगों से आप को किसी न किसी रूप में मानसिक कष्ट मिल रहा था आज उनको अपने हिसाब से उत्तर देंगे।

कुंभः आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि कार्य करेगा। आज आपके स्वभाव में सुखोपभोग की इच्छा भी प्रबल रहेगी। इसके लिए कुछ भी करने के लिए तैयार भी रहेंगे। लेकिन आज विपरीतलिंगी आकर्षण एवं अभद्र भाषा के प्रयोग से बचना होगा।

मीनः आज का दिन मिला-जुला फल देगा। आज दिन के आरंभिक भाग में काम करने का मन नहीं करेगा प्रत्येक कार्य में आलस से करेंगे। कार्यक्षेत्र पर भी विलंब होगा।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) महाराजा नारा सिंह हवाई अड्डा कहाँ स्थित है?

2) भारत का पहला जीआई-टैग अंजीर जूस किस देश को निर्यात किया गया?

3) हाल ही में खबरों में रहा पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य किस राज्य में स्थित है?

4) हाल ही में खबरों में रहा पर्ल स्पॉट (एंट्रोप्लस सुरटेन्सिस) क्या है?

5) कॉमनवेल्थ गेम्स-2022 में भाग लेने वाला भारत का सबसे कम उम्र का एथलीट कौन बन गया है?

उत्तरमाला- (1) इंफाल (2) पोलैंड (3) असम (4) मछली (5) अनाहत सिंह

पहेली

शब्द सामर्थ्य -066

बाएं से दाएं
1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे धीरे ठोकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छींक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विषाद, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, बक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे
1. विचित्र, अद्भुत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. पत्थर, पाषाण 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यवाही, करतूत, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समन, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 065 का हल

न्यूज गैलरी

विधायक ने डेढ़ करोड़ की लागत से विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

भिलाई। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पुरैना वार्ड 39 में विधायक ललित चंद्राकर ने 149.21 लाख रुपए की लागत से बनने वाले अहाता बाउंड्रीवाल, स्ट्रीट लाइट, पेवर ब्लॉक, डोमशेड, सीसी रोड व भवन निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। विधायक चंद्राकर ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी की गारंटी और सीएम साय के सुशासन में दुर्ग ग्रामीण का हर वार्ड, हर गांव विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहा है। विकास कार्यों से क्षेत्र की तस्वीर बदलेगी। अहाता बाउंड्रीवाल से सार्वजनिक स्थलों की सुरक्षा होगी, स्ट्रीट लाइट से रात में रौशनी होगी और सीसी रोड व पेवर ब्लॉक से आवागमन सुगम होगा और डोमशेड सामाजिक-सांस्कृतिक आयोजनों का केंद्र बनेगा। कार्यक्रम में मरोदा पुरैना मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल, महामंत्री नरेन्द्र निर्मलकर, रिसाली नगर निगम सभापति केशव बंछोर, एमआईसी सदस्य सनीर साहू, पार्षद विक्की चंद्राकर, रिसाली निगम विधायक प्रतिनिधि गोविन्द साहू, डी. साई, लक्ष्मण राव, डी. बालाजी, बी. गणपति, बी. कृष्णराव, बी. चंद्रावती, द्रौपती यादव, सरोज बाई, चंद्रा बारिक, लखन नाग, अमित, सोनिया सोना व पुरैना के नागरिकगण उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ युकां अध्यक्ष चुनाव: हाई परफॉमर संदीप वोरा दिल्ली रवाना

दुर्ग। भारतीय युवा कांग्रेस के संगठनात्मक चुनावों के तहत छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस के लिए प्रक्रिया तेज हो गई है। प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए पात्र घोषित किए गए चुनिंदा नेताओं को दिल्ली में आयोजित होने वाले इंटरव्यू के लिए आमंत्रित किया गया है। इन नामों को युवा कांग्रेस के हाई परफॉर्मर वर्ग में शामिल किया गया है। अपने पूर्व कार्यकाल में संगठन को मजबूत करने, सदस्यता अभियान, युवा मुद्दों को उठाने और प्रदेश स्तर पर संगठनात्मक विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले युवाओं को प्रदेश अध्यक्ष पद की दौड़ के लिए पात्र माना गया है। इसी आधार पर उनका नाम हाई परफॉर्मर सूची में शामिल किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए दिल्ली बुलाए गए प्रमुख नामों में संदीप वोरा भी शामिल हैं। संदीप वोरा दिल्ली में आयोजित होने वाले इंटरव्यू में भाग लेने के लिए रवाना हो गए हैं। राजनीतिक गलियारों में संदीप का नाम गंभीरता से लिया जा रहा है। संदीप वोरा छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस के सचिव और 2 बार महासचिव पद पर रह चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने युवा कांग्रेस संगठन के विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई है।

पीएम मोदी के कार्यकाल के 12 साल पूर्ण होने पर हवन-पूजन

कुम्हारी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण होने पर कुम्हारी भाजपा मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा नगर के विशाल दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी का 12 वर्ष का कार्यकाल बेमिसाल रहा। उनके कार्यकाल में देश ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। वे देश के ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने देश हित में कई अहम फैसले लिए। उपस्थितजनों ने प्रधानमंत्री मोदी के दीर्घायु के लिए हवन भी किया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र सिन्हा, दीपक चन्द्राकर, मिथेश साहू, मीना वर्मा अध्यक्ष नगर पालिका परिषद कुम्हारी, राजू निषाद सांसद प्रतिनिधि, रामकुमार सोनी, अवधेश शुक्ला, विरेंद्र सिंह, अश्विनी देशलहरे पार्षद, उमाकांत साहू पार्षद, ओमकार मार्कण्डेय पार्षद, दिलेश्वर मार्कण्डेय, सुमित द्विवेदी, शुभम् पांडेय, अनुराग अमेरीया, बाबी श्रीवास्तव, जितेन्द्र, राजू साहू, राजकुमार सिंह, रागिनी निषाद, जूली सिंह महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष, तृप्ति शुक्ला, नीलम बंजारे, पिंकी सील, रीता पाण्डेय, आयुषी पाण्डेय उपस्थित रहे।

नि:शुल्क नेत्र जांच व चश्मा वितरण शिविर आज

भिलाई। बच्चों की आंखों की देखभाल और बेहतर शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये 12 जून को भिलाई में नि:शुल्क नेत्र जांच व चश्मा वितरण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर सुबह 10 बजे से गगन राज फाउंडेशन, बैकुंठ धाम, दुर्गापारा, कैंप-2, भिलाई में आयोजित होगा। शिविर में बच्चों की आंखों की जांच विशेषज्ञों द्वारा की जाएगी और जरूरतमंद बच्चों को नि:शुल्क चश्मे उपलब्ध कराए जाएंगे। यह पहल विशेष रूप से सरकारी और वंचित वर्ग के विद्यालयों के विद्यार्थियों, निम्न आय वर्ग के परिवारों, अनाथालयों और आश्रय गृहों में रहने वाले बच्चों के लिए की गई है। कार्यक्रम का आयोजन आई केयर ब्राइटर फ्यूचर द्वारा किया जा रहा है, जबकि ऑप्टिराइज सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड इसका सहयोगी संस्थान है।

निधन : शैलेन्द्र डोटे

दुर्ग। कसारीडीह कन्हैयापुरी चौक निवासी विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष व आरएसएस के स्वयंसेवक शैलेंद्र डोटे (70 वर्ष) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार शिवनाथ नदी मुक्तिधाम में किया गया। वे अपने पीछे भरापुरा परिवार छोड़ गए हैं। स्व. डोटे के अंतिम यात्रा में विहिप कार्यकर्ता, आरएसएस स्वयंसेवक, जनप्रतिनिधि व क्षेत्र के व्यापारियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

पुलिस ने गोदाम किया सील, हिरासत में 12 लोग, तीन मशीनें भी जब्त, कुथरेल क्षेत्र में कार्रवाई

वाशिंग-पाउडर की आड़ में बन रहा था जर्दायुक्त गुटखा

दुर्ग/नवप्रदेश। पुलिस और खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने जिले की दो फैक्ट्री पर छापामारी करते हुए 12 लोगों को हिरासत में लिया है। फैक्ट्री में वाशिंग पाउडर बनाने की आड़ में जर्दायुक्त गुटखा तैयार किया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान मौके से 3 मशीनें भी जब्त की है।

पुलिस और खाद्य विभाग की टीम फैक्ट्री परिसर की जांच कर रही है, वहां मौजूद सामग्री की भी जांच की जा रही है। मामला अंडा थाना क्षेत्र के ग्राम कुथरेल का है। पाटन एसडीओपी अनुप लकड़ा ने बताया कि कुथरेल क्षेत्र में संचालित दो गोदामों पर छापेमार के दौरान अवैध रूप से गुटखा निर्माण का खुलासा हुआ है। एक स्थान से दो मशीनें और दूसरे स्थान से एक मशीन जब्त की गई है, जिनका इस्तेमाल गुटखा निर्माण में किया जा रहा था। मौके से बड़ी मात्रा में कच्चा माल (रॉ मटेरियल) भी बरामद किया गया है।

'सितार' नाम से तैयार हो रहा था गुटखा

जिस जमीन और गोदाम में यह गतिविधि संचालित हो रही थी, वह असलम खान की है। गोदाम को एग्रीमेंट के माध्यम से वीरेंद्र तिवारी को दिया गया था। पुलिस के मुताबिक यहां 'सितार' नाम से गुटखा तैयार किया जा रहा था। पुलिस को सूचना मिली थी कि फैक्ट्री में अवैध गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

जब्त किए गए गुटखे को खाद्य विभाग के सहयोग से सैंपलिंग के लिए भेजा जाएगा।

सैंपल रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने दोनों गोदाम को सील कर दिया है। अब तक 12 आरोपियों को हिरासत में लिया जा चुका है। पुलिस पुराने मामलों या अन्य नेटवर्क से संभावित संबंधों की भी जांच कर रही है।

गयानगर में पानी टंकी निर्माण शुरू

महापौर अलका बाघमार का वार्ड में भव्य स्वागत, नागरिकों ने जताया आभार

दुर्ग/नवप्रदेश। कई साल से लो-प्रेशर और जलसंकट की समस्या से जूझ रहे गया नगर के नागरिकों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी करते हुए आज वार्ड 3 स्थित कबड्डी मैदान में नई पानी टंकी निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। महापौर ने टंकी निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। महापौर की उपस्थिति में जेसीबी मशीन से खुदाई कार्य शुरू किया गया।

कार्यक्रम से पूर्व महापौर अलका बाघमार, सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, वित्त प्रभारी दर्प पार्षद नरेंद्र बंजारे, जल कार्य विभाग प्रभारी पार्षद लीना दिनेश देवांगन सहित जनप्रतिनिधियों ने बाबा धाम शिव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। विशेष पूजा-अर्चना करते

हुए निर्माण कार्य के सफल और शीघ्र पूर्ण होने की कामना की।

निर्माण स्थल पहुंचने पर स्थानीय नागरिकों ने पटाखे फोड़कर पुष्पमाला से महापौर का भव्य स्वागत किया। क्षेत्रवासियों ने वर्षों पुरानी मांग पूरी होने पर महापौर व सभी जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। महिलाओं ने बताया कि पानी की समस्या से काफी समय से परेशान थे, लेकिन अब नई पानी टंकी बनने पर जलसंकट से राहत मिलेगी।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि गया नगर व आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से पानी सप्लाई की समस्या के स्थायी समाधान के लिए यह महत्वपूर्ण परियोजना शुरू की गई है। निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण और निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराया जाएगा।

अभी तक वार्ड 3 और 4 में बघेरा पानी टंकी से जलापूर्ति हो रही थी। दूरी अधिक होने के कारण वार्ड में लो-प्रेशर की समस्या थी। गर्मी के मौसम में स्थिति और गंभीर हो जाती थी। इस समस्या को देखते हुए ओवरहेड टंकी का निर्माण किया जा रहा है। महापौर अलका बाघमार, जल कार्य प्रभारी लीना दिनेश देवांगन और पार्षद नरेंद्र बंजारे की पहल पर योजना को प्राथमिकता देते हुए पहली एमआईसी बैठक में प्रस्ताव स्वीकृत किया गया। राज्य शासन से लगभग 2 करोड़ रुपये की लागत से 15 लाख लीटर क्षमता की उच्च स्तरीय पानी टंकी और फिल्टर प्लांट से टंकी तक राइजिंग लाइन निर्माण की स्वीकृति मिल गई है।

इस महत्वपूर्ण परियोजना का भूमिपूजन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा सुशासन तिहार के दौरान किया गया था। अब नगर निगम द्वारा निर्माण कार्य प्रारंभ कर परियोजना को धरातल पर उतारने की दिशा में कार्यवाही तेज कर दी गई है। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य चंद्रशेखर चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, पूर्व सभापति दिनेश देवांगन, पार्षद मनीष कोठारी, मंडल अध्यक्ष कमलेश फेकर सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

सिवरेज लाइन की सफाई और पेयजल व्यवस्था पर आयुक्त सख्त

भिलाईनगर/नवप्रदेश। नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-4 खुर्सीपार अंतर्गत सिवरेज लाइन संधारण, नाला सफाई, पेयजल आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट व प्रस्तावित विकास कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। आयुक्त ने स्थानीय पार्षद सह उप नेता प्रतिपक्ष दया सिंह के साथ वार्ड 44 लक्ष्मी नारायण वार्ड में चल रहे सिवरेज लाइन संधारण कार्य का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जिन घरों के समीप से सिवरेज लाइन गुजर रही है और मरम्मत की आवश्यकता है, उसे तत्काल ठीक कराने कहा गया। आयुक्त ने कहा कि संबंधित पक्ष स्वयं कार्य नहीं कराते हैं तो निगम द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान हाल ही में कराए गए नाला सफाई का भी अवलोकन किया गया। आयुक्त ने केनाल रोड का निरीक्षण भी किया। आयुक्त ने वार्ड स्थित सामुदायिक भवन का भी निरीक्षण किया। लगभग तीन वर्ष पूर्व निर्मित भवन को निगम के अधीन लेकर स्थानीय नागरिकों के सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए उपयोग में लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने स्थानीय रहवासियों से मुलाकात कर समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को नियमित व शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा, सहायक अभियंता चंद्रकांत साहू, उप अभियंता बसंत साहू, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, राजस्व निरीक्षक विजेंद्र परिहार उपस्थित थे।

दुर्घटनाएं रोकने निगम का अभियान जारी, हटाए जा रहे अवैध बैनर-पोस्टर

भिलाईनगर/नवप्रदेश। आगामी बारिश के मौसम को देखते हुए नगर निगम भिलाई ने शहर की सड़कों और प्रमुख मार्गों पर लगे अवैध बैनर-पोस्टरों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। निगम आयुक्त राजीव पाण्डेय के निर्देश पर विभिन्न जोन क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए अवैध विज्ञापन बैनर-पोस्टरों को हटाकर जब्त किया जा रहा है। आयुक्त ने कहा कि प्रमुख मार्गों, चौक-चौराहों और विद्युत पोलों पर बड़ी संख्या में बिना अनुमति बैनर-पोस्टर लगाए हैं। बरसात के दौरान बैनर पोस्टर

उखड़कर सड़क पर गिरने से यातायात बाधित होने के साथ दुर्घटनाओं की आशंका रहती है। निगम विशेष अभियान चलाकर ऐसे सभी अवैध प्रचार-प्रसार सामग्री को हटाया जा रहा है। आयुक्त ने अधिकारियों को अवैध बैनर-पोस्टरों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिये हैं।

जनता की समस्या का फौरन करें समाधान : विधायक देवेंद्र

भिलाईनगर/नवप्रदेश। विधायक देवेंद्र यादव ने आज सेक्टर-5 स्थित विधायक कार्यालय में विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों से भेंट-मुलाकात की। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न वार्डों और मोहल्लों से बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं व मांगें विधायक के समक्ष रखीं। नागरिकों ने पेयजल आपूर्ति, बिजली, सड़क, नाली, जल निकासी सहित विभिन्न मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं से विधायक को अवगत कराया। गर्मी के मौसम में पर्याप्त पेयजल न मिलने, कई क्षेत्रों में नलों से

नियमित पानी आपूर्ति न होने और बार-बार बिजली कटौती की शिकायतें प्रमुख रूप से की गईं। लोगों ने बिजली बिल में वृद्धि और लगातार हो रही विद्युत बाधित आपूर्ति को लेकर भी नाराजगी व्यक्त की।

विधायक देवेंद्र यादव ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों से तत्काल चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करने और जनता को राहत पहुंचाने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने कहा।

विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी जिम्मेदारी है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विधायक ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि क्षेत्र के विकास एवं जनसुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और सभी शिकायतों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

नराकास स्तरीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन

भिलाई/नवप्रदेश। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), भिलाई-दुर्ग के तत्वावधान में बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा तकनीकी टूल्स का महत्व एवं हिंदी के प्रचार-प्रसार में उनकी सहज भूमिका विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय प्रमुख संदीप कुमार मान ने की। कार्यक्रम में नराकास, भिलाई-दुर्ग के प्रतिनिधि के रूप में बीएसपी के उप प्रबंधक संपर्क एवं प्रशासन-राजभाषा जितेंद्र दास मणिकपुरी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में संदीप कुमार मान ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में तकनीकी टूल्स के माध्यम से राजभाषा हिंदी

का प्रयोग अधिक सरल, प्रभावी और व्यापक बनाया जा सकता है। उन्होंने कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक उपयोग को बढ़ावा देने और राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया।

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने तकनीकी टूल्स के उपयोग, हिंदी में कार्य निष्पादन को सरल प्रक्रियाओं और राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की और उत्साहपूर्वक सहभागिता की। पूर्व में आयोजित नराकास स्तरीय स्व-रचित कविता लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में नितिन गोस्वामी, सहायक अधीक्षक (डाकघर) दुर्ग उपसंभाग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में नराकास स्तरीय स्व-रचित कविता लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार व प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

ई-चालान और बढ़े परिवहन शुल्क पर कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

■ एक ही वाहन का बार-बार कट रहा चालान, जनता पर बढ़ रहा आर्थिक बोझ

दुर्ग/नवप्रदेश। ई-चालान में गड़बड़ी और परिवहन सेवाओं के बढ़े शुल्क को लेकर दुर्ग शहर कांग्रेस कमेटी ने गुरुवार को क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि परिवहन विभाग की व्यवस्था से आम लोगों को आर्थिक और मानसिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। शहर कांग्रेस जिला अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में कहा कि लगातार लोगों की शिकायतें मिल रही हैं। सबसे ज्यादा शिकायतें ई-चालान से संबंधित है। कई मामलों में एक ही व्यक्ति के वाहन

का एक ही जगह पर बार-बार चालान काटा गया। इससे पहले भी ई-चालान को लेकर परिवहन विभाग को ज्ञापन दिया गया था। उस समय विभाग की ओर से कहा गया था कि अगर किसी व्यक्ति का एक ही जगह पर बार-बार चालान कट रहा है तो उसका समाधान किया जाएगा और इसके लिए हेल्पडेस्क बनाई जाएगी। लेकिन अब तक ऐसी कोई व्यवस्था शुरू नहीं हुई। कांग्रेस ने परिवहन सेवाओं की बढ़ी हुई फीस का मुद्दा उठाते हुए कहा कि लाइसेंस, वाहन रजिस्ट्रेशन, वाहन ट्रांसफर, वेरिफिकेशन व अन्य सेवाओं के शुल्क बढ़ने से आम लोगों पर अतिरिक्त बोझ बढ़ा है।

कई शुल्क पहले की तुलना में डेढ़ से दो गुना तक बढ़ा दिए गए हैं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आरटीओ ने 7 से 10 दिन के भीतर समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया है। अगर लोगों की परेशानी कम नहीं हुई तो कांग्रेस बड़ा आंदोलन करेगी।

पीएमश्री शाला के समर कैंप में निखर रही बच्चों की प्रतिभाएं

नंदिनी अहिवारा/नवप्रदेश। पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला बानबरद में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 5 जून से 15 जून तक ग्रीष्मकालीन समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। कैंप में बच्चों को नृत्य, गायन, संगीत, योग, खेलकूद, पेंटिंग, ड्राइंग, जुम्बा, क्ले आर्ट, क्राफ्टिंग, मिट्टी कला, मुखौटा निर्माण सहित विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इन गतिविधियों से विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता, आत्मविश्वास और शारीरिक-मानसिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है। कार्यक्रम का संचालन प्रधान पाठक व आयोजन प्रभारी चमेली मरकाम के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। कैंप में योगा शिक्षक राजेश्री सिन्हा, याचना गावड़े, किरण चौधरी, भुनेश्वरी ध्रुव, किशन लाल देवांगन, कीर्तन कुर्रे, स्वाति बेलचंदन, राजेश मोहबेकर व संगीत शिक्षक राणा कश्यप का सहयोग मिल रहा है।

इस अवसर पर शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष परदेशी राम यादव सहित पालकगण हरेंद्र कोसरे, सुमन पाटिल, आशा कश्यप व उमा साहू उपस्थित रहे। अतिथियों और अभिभावकों ने बच्चों के उत्साह, प्रतिभा व सृजनात्मक कार्यों की सराहना करते हुए समर कैंप को उपयोगी पहल बताया।

परेशानी: शहर कांग्रेस अध्यक्ष चंद्राकर ने एसई को सौंपा ज्ञापन, जनआंदोलन की दी चेतावनी

अनियमित बिजली कटौती से लोग हलाकान, कांग्रेस ने जताया आक्रोश

भिलाईनगर/नवप्रदेश। लगातार अनियमित बिजली कटौती से लोगों को हो रही परेशानियों को लेकर भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने आक्रोश जताया है। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के नेतृत्व में कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को सीएसईबी के अधीक्षण यंत्री को ज्ञापन सौंपकर अनियमित बिजली कटौती को तत्काल बंद करने की मांग की। स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्या, मीटर रीडरों के बेरोजगार होने, मेंटेनेंस के नाम पर खानापूर्ति करने जैसी समस्याओं के तत्काल निदान की मांग भी की गई। ज्ञापन में चेतावनी देते हुए कहा गया है कि समस्याओं का शीघ्र समाधान

न होने पर जनता के हित में व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा।

चंद्राकर ने अधिकारियों को बताया कि मानसून पूर्व संधारण कार्य के नाम पर बार-बार बिजली आपूर्ति बाधित की जा रही है। मेंटेनेंस के बावजूद पहली ही बारिश में विद्युत व्यवस्था की वास्तविक स्थिति सामने आ जाती है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में घंटों बिजली गुल रहने की शिकायतें बढ़ रही हैं। संधारण कार्य को केवल औपचारिकता तक सीमित न रखें बल्कि गंभीरता और जवाबदेही के साथ मेंटेनेंस कार्य पूरा करें, ताकि वर्षा ऋतु में आम जनता को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। विद्युत वितरण कंपनी में आवश्यक स्पेयर पार्ट्स जैसे कट-आउट, इंसुलेटर, बस-बार सहित अन्य सामग्री की भारी कमी है। कई स्थानों पर ट्रांसफार्मरों के पास विद्युत पैनल खुले पड़े हैं, जो तकनीकी लापरवाही के साथ दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ाते हैं। चंद्राकर ने कहा कि स्मार्ट मीटर प्रणाली लागू होने के बाद लगभग 5000 मीटर रीडरों के समक्ष रोजगार का गंभीर संकट पैदा हो गया है। पिछले 20 वर्षों से विभाग के लिए सेवाएं दे रहे इन कर्मचारियों को मानवीय आधार पर विभाग में अन्य कार्यों में समायोजित किया जाए, ताकि उनके परिवारों की आजीविका प्रभावित न हो। मेंटेनेंस के नाम पर आवश्यकता से अधिक पेड़ों की कटाई पर रोक लगाने की मांग की।

ज्ञापन देने वालों में नरसिंह नाथ, जी राजू, सीजू एंथोनी, रविंदर सिंह, भूपेंद्र यादव, मोहम्मद रफीक, दर्शन सिंह, आनंद डोंगरे, जितेश बंजारे, गोविंद कोसले, शोएब, स्वप्निल जैन, दिनेश पटेल, अली हुसैन सिद्दीकी, उमा शंकर साहू, हीरा शंकर साहू, विनोद यादव, मेरिक सिंग, इमरान खान, जावेद खान, राजेश साहू, अजय यादव, लाल चंद वर्मा, प्रभाकर जनबंधु, राजेश चौधरी, सरजीष घोष, सोनू अंसारी व अन्य कांग्रेसी उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

सोनपुरी और मड़ौदा पंचायत में नए पंचायत भवन का जिपं उपाध्यक्ष सिंह ने किया भूमिपूजन

खैरागढ़/नवप्रदेश। ब्लाक के ग्राम पंचायत सोनपूरी और मड़ौदा मे नवीन पंचायत भवन का भूमिपूजन जिपं उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह की उपस्थिति मे हुआ । भूमिपूजन के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते जिपं उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने कहा कि दोनो ग्राम पंचायतों मे लंबे समय जर्जर हो चुके भवनो के स्थान पर नवीन पंचायत भवन का निर्माण कराया जाएगा । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा दोनो पंचायतों के लिए 20 -20 लाख की स्वीकृति दी गई है । सिंह ने कहा कि प्रदेश की विष्णुदेव सरकार धरातल पर कार्य कर गांवो के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है । गांव मे आधारभूत ढांचे को मजबूत कर विकास के साथ स्वच्छता के लिए भी बेहतर वातावरण तैयार किया जा रहा है । प्रमं आवास स्वीकृ ति की जानकारी देते सिंह ने कहा कि इससे गरीबो का आशियाना बन रहा है । महतारी वंदन से महिलाए आर्थिक रूप से मजबूत हो रही है । सिंह ने ग्रामीणो से प्रदेश सरकार की योजनाओ का लाभ उठाने कहा । इस दौरान विकेश गुप्ता, जमुना कुर्रे, हरप्रसाद वर्मा, देवकुमार सेन, नरेश कुर्रे, जितेन्द्र सहू मुकेश वर्मा सहित ग्रामीण मौजूद रहे ।

आंधी-तूफान बना काल: दीवार गिरने से अधेड़ की मौत

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना क्षेत्र के ग्राम नारायणपुर भगतदेवरी में बुधवार शाम आए तेज आंधी-तूफान ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। तेज हवाओं के चलते दीवार गिरने से मलबे में दबकर एक अधेड़ की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम गणेशपुर निवासी जयलाल पेटकार (43) पिछले पांच वर्षों से अपने ससुराल ग्राम नारायणपुर भगतदेवरी में रह रहे थे। बुधवार शाम करीब 6:30 बजे अचानक तेज आंधी-तूफान शुरू हो गया। इसी दौरान घर के पास स्थित एक पुरानी दीवार तेज हवाओं के दबाव से भरभराकर गिर गई और उसका मलबा जयलाल पर आ गिरा।हादसे में गंभीर रूप से घायल जयलाल को परिजन और ग्रामीण तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। सांकरा पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना थाना क्षेत्र के सागरपाली मार्ग में हुए सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार 9 जून की रात लगभग 8 बजे दुलारसिंग सिदार अपनी हीरो होंडा सीडी डॉन (सीजी 06 बी 0499) से भंवरपुर से पिलवापाली की ओर जा रहा था। सागरपाली मार्ग स्थित सांई शोरूम के पास उसकी बाइक ने ग्राम बरतियाभांठा निवासी इंदु पटेल को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दुलारसिंग स्वयं भी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना में आई गंभीर चोटों के कारण उसकी मौत हो गई। मामले की सूचना मिलने पर बसना पुलिस ने बीएनएस की धारा 281, 125(ए) एवं 106(1) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

पेट्रोल भराकर लौट रहे बुजुर्ग को बस ने मारी टक्कर

महासमुंद/नवप्रदेश। सरायपाली थाना क्षेत्र में लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने का मामला सामने आया है। पेट्रोल भराकर घर लौट रहे एक बुजुर्ग को बस ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।बोंदा निवासी अभिषेक मांझी ने पुलिस को बताया कि 9 जून को उनके पिता दुखू राम मांझी अपनी टीवीएस सुपर एक्सएल (सीजी 06 जीवाई 5029) में पेट्रोल भरवाकर वापस लौट रहे थे। शाम करीब 7:30 से 8 बजे के बीच गांव के अलेख बाघ के खेत के पास सारंगढ़ मार्ग की ओर से आ रही बस क्रमांक सीजी 06 जीजेड 8882 ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी।हादसे में दुखू राम मांझी के सिर, दोनों घुटनों, पसली तथा हाथ-पैरों में गंभीर चोटें आईं। रिपोर्ट के आधार पर सरायपाली पुलिस ने बस चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 125(ए) एवं 281 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दूसरे गांव का आदमी यहां क्यों काम करता है, कहकर ऑपरेटर से मारपीट

महासमुंद/नवप्रदेश। तुमगांव थाना क्षेत्र में पोकलेन ऑपरेटर के साथ मारपीट और धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है।पुलिस के अनुसार जगदीश विश्वकर्मा वर्तमान में ललित साहू के यहां पोकलेन ऑपरेटर का कार्य करता है। उसने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 9 जून की रात करीब 9:30 बजे वह चंदन देवदास के साथ झम्मन दुकान के पास खड़ा था। इसी दौरान ग्राम अछोली निवासी सूरज साहू और अश्वनी उर्फ बबलू बंजारे वहां पहुंचे।दोनों आरोपियों ने उससे पूछा कि वह कहां काम करता है। जगदीश द्वारा ललित साहू के यहां कार्य करने की जानकारी देने पर आरोपी भड़क गए और कहने लगे कि दूसरे गांव का व्यक्ति उनके गांव में काम क्यों कर रहा है। इसके बाद दोनों ने गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। रिपोर्ट के आधार पर तुमगांव पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 296, 3(5) एवं 351(2) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

खल्लारी क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर मिली दो युवकों की संदिग्ध लाशें

महासमुंद/नवप्रदेश। खल्लारी थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब अलग-अलग स्थानों पर दो युवकों के शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिले। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों मामलों में मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।खल्लारी थाना प्रभारी के अनुसार पहली घटना खल्लारी गांव की है, जहां 32 वर्षीय कुंदन साहू का शव उसके घर के पीछे संदिग्ध अवस्था में मिला। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कुंदन साहू मजदूरी का कार्य करता था। वह 9 जून की रात गांव में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता देखने गया था। वहीं 10 जून को उसे आंवराडबरी क्षेत्र में घूमते हुए देखा गया था। गुरुवार सुबह उसका शव घर के पीछे मिलने से क्षेत्र में चर्चा का माहौल है।पुलिस ने बताया कि मृतक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल परिजनों, दोस्तों और परिचितों से पूछताछ कर उसके अंतिम समय की गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा रही है।वहीं दूसरी घटना ओंकारबंद गांव की है, जहां एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार घटनास्थल पर पहुंचने पर मृतक के पैर में बिजली का तार चिपका हुआ मिला। शरीर पर किसी प्रकार के चोट या संघर्ष के निशान नहीं पाए गए हैं। ऐसे में मौत के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस ने बताया कि अज्ञात युवक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है।

जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष निरंजन सिन्हा का कुरुद विधानसभा में सघन जनसंपर्क

- **मोदी सरकार की योजनाओं से आम नागरिकों का जीवन स्तर पहले से अधिक बेहतर और सुगम हुआ : निरंजन**

कुरुद/नवप्रदेश। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित रायपुर के अध्यक्ष निरंजन सिन्हा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ग्राम सेमरा, सिलौटी, पचपेड़ी एवं सिलघट में आयोजित जनसंपर्क और सम्मान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि मोदी जी ने पहले राष्ट्र को एक सामूहिक सोच दी, फिर जन-विश्वास के बल पर उस सोच को सामूहिक संकल्प में बदला, और आज वही संकल्प विकसित भारत के रूप में सामूहिक स्वप्न का रूप ले चुका है। कुरुद विधानसभा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित रायपुर के अध्यक्ष निरंजन सिन्हा ने बताया कि मोदी सरकार द्वारा संचालित योजना प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, स्वच्छ भारत मिशन, हर घर जल, ग्रामीण विद्युतीकर, उज्ज्वला, आयुष्मान

भारत और गरीब कल्याण जैसी योजनाओं ने गांवों की तस्वीर बदल दी है। आज ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, बिजली, शौचालय, पेयजल, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है, जिससे आम नागरिकों का जीवन स्तर पहले से अधिक बेहतर और सुगम हुआ है। श्री सिन्हा ने सहकारिता के महत्व पर बोलते हुए कहा कि सहकारिता केवल खाद वितरण या धान खरीदी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह किसानों और ग्रामीणों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का सबसे बड़ा माध्यम है। सहकारी संस्थाओं के माध्यम से पशुपालन, मत्स्य पालन और गौपालन पशुचारा, कृषि यंत्रीकरण, उद्यानिकी, तार फेंसिंग, नलकूप और भूमि सुधार स्वरोजगार और लघु व्यवसायों के लिए ऋण की सुविधा किसानों को दी जा रही है।

उन्होंने किसानों से परंपरागत खेती के साथ-साथ नगदी फसलों और आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। साथ ही, रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम कर जैविक और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने पर जोर देते हुए कहा कि, स्वस्थ भूमि ही भविष्य की समृद्धि का आधार है। कार्यक्रम को जनपद अध्यक्ष गीतेश्वरी साहू, उपाध्यक्ष सतीश जैन ने भी संबोधित किया। इस अवसर भाजपा नेता आनंद यदु, रवि सिन्हा, भोलाराम साहू, संतोष यादव, चोवाराम गंजीर, लेखराम सिन्हा, अनील शिंदे, छबिलेश सिन्हा, कामता निषाद, बैंक प्रबंधक महेंद्र गौर, क्षेत्रीय सोसायटी प्रबंधक, पार्टी कार्यकर्ता, किसान एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

समिति प्रबंधक व कंप्यूटर ऑपरेटर पर एफआईआर, किसानों में भारी आक्रोश

फर्जी खाद वितरण कर 16.93 लाख का गबन

छुईखदान/नवप्रदेश। सेवा सहकारी समिति मर्यादित डोकराभाठा में किसानों के नाम पर फर्जी तरीके से खाद वितरण कर लगभग 17 लाख रुपये के गबन का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मामले में जांच रिपोर्ट के आधार पर छुईखदान थाना पुलिस ने समिति प्रबंधक विवेक कुमार मिश्रा एवं तत्कालीन कंप्यूटर ऑपरेटर जगमोहन जोशी के खिलाफअपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सेवा सहकारी समिति डोकराभाठा के प्राधिकृत अधिकारी रामकुमार जोशी द्वारा थाना छुईखदान में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत में बताया गया कि समिति अंतर्गत आने वाले आठ गांवों के किसानों के नाम पर उनकी जानकारी और अनुमति के बिना खाद जारी कर उसकी राशि किसानों के खातों में समायोजित कर दी गई। इस पूरे मामले में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितता और गबन किए जाने का आरोप है।

जांच समिति में शामिल थे कई अधिकारी-मामले की जांच के लिए गठित दल में शीतल देवांगन (पर्यवेक्षक शाखा खैरागढ़), विरेन्द्र डहरिया, प्रेम साहू (पर्यवेक्षक शाखा गंडई), प्रेम देवांगन (पटवारी), प्रदीप कुमार भालेकर तथा ज्वाला प्रसाद जंघेल सहित अन्य अधिकारी शामिल थे। जांच दल ने दस्तावेजी साक्ष्यों एवं किसानों के बयानों के आधार पर अपनी रिपोर्ट प्रशासन को सौंपी थी।

किसान कांग्रेस नेताओं ने उठाया था मामला-उल्लेखनीय है कि जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष देवराज किशोर दास वैष्णव एवं जिला किसान कांग्रेस उपाध्यक्ष दीपक वैष्णव के नेतृत्व में किसानों ने इस मामले की शिकायत कलेक्टर से की थी। किसानों का आरोप था कि उनके नाम पर खाद का वितरण दिखाकर राशि का समायोजन किया गया, जबकि उन्हें खाद प्राप्त ही नहीं हुई।

किसानों की शिकायत के बाद प्रशासन हरकत में आया और जांच के आदेश दिए गए। जांच रिपोर्ट में अनियमितताओं की पुष्टि होने के बाद अब पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

इन धाराओं के तहत दर्ज हुआ मामला-छुईखदान थाना में अपराध क्रमांक 212/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(3), 318(4), 336(3), 338 एवं 340(2) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की विस्तृत विवेचना जारी है तथा जांच के दौरान प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

यह मामला सामने आने के बाद सहकारी समितियों में खाद वितरण व्यवस्था और किसानों के खातों में होने वाले लेन-देन की पारदर्शिता को लेकर भी कई सवाल खड़े हो गए हैं। क्षेत्र के किसानों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तथा गबन की गई राशि की वसूली की मांग की है।

किसानों की शिकायत पर खुला मामला

बताया जाता है कि प्रभावित किसानों ने इस संबंध में कलेक्टर खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के समक्ष शिकायत प्रस्तुत की थी। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर द्वारा जांच समिति गठित कर पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए गए थे।जांच दल ने संस्था एवं बैंक से प्राप्त दस्तावेजों, खाद वितरण पंजी, किसानों के बयान, डीएमआर खातों के रिकॉर्ड तथा अन्य संबंधित अभिलेखों का विस्तृत परीक्षण किया। जांच के दौरान कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए।

47 किसानों के खातों में मिली अनियमितता

जांच प्रतिवेदन के अनुसार 47 किसानों के खातों में गंभीर अनियमितता पाई गई। जांच में यह तथ्य सामने आया कि किसानों की जानकारी के बिना फर्जी तरीके से खाद परमिट जारी किए गए तथा खाद की राशि उनके खातों में समायोजित कर वित्तीय हेराफेरी की गई।जांच दल के अनुसार इस अनियमितता से कुल 16 लाख 93 हजार 866 रुपये 32 पैसे की आर्थिक क्षति हुई है। रिपोर्ट में प्रथम दृष्टया समिति प्रबंधक विवेक कुमार मिश्रा एवं तत्कालीन कंप्यूटर ऑपरेटर जगमोहन जोशी की मिलीभगत से गबन और वित्तीय अनियमितता होना प्रतीत बताया गया है।

बेलरगांव बाजार स्थल में विशाल वृक्ष की डाल गिरने से मची अफरा-तफरी

नगरी/नवप्रदेश। बेलरगांव बाजार स्थल में एक विशाल वृक्ष की भारी डाल अचानक टूटकर गिर गई, जिससे बाजार क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के समय बाजार परिसर में लोगों की आवाजाही थी, लेकिन सौभाग्यवश कोई जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार यदि यह घटना बाजार के व्यस्त समय में होती तो बड़ा हादसा हो सकता था।टूटी हुई डाल बाजार स्थल के शेड एवं आसपास के क्षेत्र पर गिर गई, जिससे परिसर में अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हो गई। घटना के बाद स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन एवं संबंधित विभाग से बाजार स्थल पर स्थित पुराने एवं जर्जर वृक्षों की जांच कर आवश्यक छंटाई कराने की मांग की है।ग्रामीणों का कहना है कि बाजार परिसर में कई पुराने वृक्ष मौजूद हैं, जिनकी बड़ी-बड़ी शाखाएं कभी भी टूटकर गिर सकती हैं। बरसात और तेज हवा के मौसम में इस प्रकार की घटनाओं की संभावना और बढ़ जाती है। लोगों ने भविष्य में किसी अप्रिय घटना से बचने के लिए समय रहते सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की है।

घरों और ढाबे से तीन बाइक चोरी पुलिस ने दर्ज किए मामले

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले में बाइक चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। सिटी कोतवाली क्षेत्र के शंकर नगर और बेमचा से घर के बाहर खड़ी दो मोटरसाइकिलें चोरी हो गईं, वहीं सिंघोड़ा थाना क्षेत्र में एक युवक को खाना खिलाने के बहाने उसकी बाइक लेकर फरार हो जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तीनों मामलों में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सिटी कोतवाली पुलिस के अनुसार शंकर नगर वार्ड क्रमांक-14 निवासी धर्मेंद्र साहू, जो स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत हैं, ने शिकायत दर्ज कराई है कि 9 जून की दोपहर करीब 2 बजे उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 06 जीबी 7524 घर के बाहर खड़ी कर लॉक कर दी थी। इसके बाद वह घर के अंदर आराम करने चले गए। शाम करीब 5 बजे बाहर निकलने पर बाइक अपने स्थान पर नहीं मिली। काफी खोजबीन के बाद भी वाहन का पता नहीं चलने पर उन्होंने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है।

बेमचा में हमाल की बाइक भी चोरी: इसी तरह इंदिरा कॉलोनी बेमचा निवासी मोहित यादव ने पुलिस को बताया कि वह हमाली का कार्य करता है। 9 जून की रात करीब 9:30 बजे काम से लौटकर उसने अपनी बाइक क्रमांक सीजी 06 जीटी 3088 को घर के बरामदे के कमरे में लॉक कर खड़ा किया था। अगले दिन सुबह करीब 6 बजे उठकर देखा तो बाइक गायब थी।

खाना खिलाने के बहाने बाइक लेकर फरार: वहीं सिंघोड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम राफेल निवासी सदाबंद यादव ने शिकायत दर्ज कराई है कि 26 मई को उसने बसना निवासी झनक नायक को सरायपाली से छुईपाली तक लिफ्ट दी थी। छुईपाली पहुंचने पर झनक नायक ने उसे ढाबे में खाना खिलाने का प्रस्ताव दिया।

पुलिस को चकमा देकर भाग निकला गांजा तस्करी का आरोपी

नगरी/नवप्रदेश। धमतरी जिले के नगरी विकास खंड नगरी में दिन बुधवार को शाम 4बजे जांच नाका सांकरा के पास जांच के दौरान उड़ीसा से आ रही कार पर जांच किया गया जिसमें करीब 18 किलो गांजा बरामद तीन आरोपी पकड़े गए थे दूसरे दिन पुलिस विभाग कर्मचारी के द्वारा मेडिकल जांच के लिए सिविल अस्पताल नगरी लाए गए जिसमे पलाश गजभिए नागपुर निवासी आरोपी ने पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया,जिसके बाद पुलिस महकमा सक्रिय हो गया है और उसकी तलाश के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है,जानकारी के अनुसार,महाराष्ट्र के नागपुर निवासी आरोपी को बुधवार को सिहावा थाना पुलिस ने सांकरा बैरियर के पास गांजा परिवहन करते हुए गिरफ्तार किया था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से गांजा बरामद कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया और उसे हिरासत में लिया था।

विधायक ने किया विकास कार्यों का भूमिपूजन-लोकार्पण

- **जन्मदिन पर पाण्डुका पहुंचे विधायक लड्डुओं से तौले गए**

गरियाबंद/नवप्रदेश। राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू ने अपने जन्मदिन के विशेष अवसर पर विधानसभा के ग्राम पाण्डुका में अनेक विकास कार्यों की बड़ी सौगातें दी।

पाण्डुका आगमन पर विधायक का ऐतिहासिक स्वागत किया गया जहां कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने उत्साह के साथ उन्हें लड्डुओं से तौला। इस खास मौके पर विधायक श्री साहू ने पाण्डुका में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन, लोकार्पण और वृक्षारोपण कर ग्राम के विकास को नई दिशा देने का कार्य किया। विधायक रोहित साहू के पाण्डुका पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा गया। आतिशबाजी और गाजे-बाजे के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया। जन्मदिन की खुशियों को

दोगुना करते हुए उपस्थित जनसमुदाय ने विधायक श्री साहू को लड्डुओं से तौला और उनके दीर्घायु व उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अपने जन्मदिन को सेवा और विकास के संकल्प के रूप में मनाते हुए विधायक ने पाण्डुका को कई महत्वपूर्ण कार्यों की सौगात दी जिसमें शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल के नवीन भवन का विधि-विधान से भूमिपूजन किया। 1.21 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले इस आधुनिक भवन से स्थानीय छात्र-छात्राओं को बेहतर और सर्वसुविधायुक्त शैक्षणिक वातावरण मिलेगा। इसके अलावा शीतला मंदिर के समीप नवनिर्मित टीन शेड का लोकार्पण कर उन्होंने इसे आम जनता को समर्पित किया। साथ ही गायत्री मंदिर परिसर और साहू समाज भवन के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया जिससे ग्रामीणों को सामाजिक व मांगलिक आयोजनों के लिए सहूलियत होगी। इसके पूर्व एक पेड़ मां के नाम और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए विधायक रोहित साहू ने नवोदय विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया।

महत्वाकांक्षी योजना: छोटे शहरों में विकास कार्यों को मिलेगी नई गति

महासमुंद को मिली 'आदर्श शहर समृद्धि योजना' की सौगात

महासमुंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रदेश के 32 नगरीय निकायों में आदर्श शहर समृद्धि योजना लागू की गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए इस महत्वाकांक्षी योजना में लगभग 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। महासमुंद नगर पालिका को इस योजना में शामिल किए जाने पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव, सांसद रूपकुमारी चौधरी तथा विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा के प्रति आभार व्यक्त किया है।

नगरपालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी, प्रतिपक्ष नेता नानू भाई, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष एवं पार्षद पवन पटेल सहित भाजपा पार्षदों, सांसद प्रतिनिधि महेन्द्र जैन और विधायक प्रतिनिधि हफीज कुरैशी ने इसे महासमुंद

शहर के लिए बड़ी उपलब्धि बताते हुए प्रदेश सरकार को धन्यवाद दिया।

विधायक के प्रयासों से मिली योजना में जगह-जनप्रतिनिधियों ने कहा कि क्षेत्रीय विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा द्वारा शहर के विकास के लिए लगातार किए जा रहे प्रयासों का ही परिणाम है कि महासमुंद नगर पालिका को आदर्श शहर समृद्धि योजना में शामिल किया गया है। योजना में शामिल होने की खबर से शहरवासियों में खुशी का माहौल है और लोगों को अब विकास कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है।

छोटे शहरों को मिलेंगी महानगरों जैसी सुविधाएं-नगरपालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी ने कहा कि भाजपा सरकार का उद्देश्य छोटे शहरों को भी बड़े नगरों की तर्ज पर आधुनिक सुविधाओं से जोड़ना है। यह योजना नगरीय निकायों के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे शहर के सभी वार्डों में संतुलित विकास होगा तथा नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

सड़क, पानी, सफाई और स्मार्ट सुविधाओं पर रहेगा जोर

आदर्श शहर समृद्धि योजना के तहत शहर में सड़क निर्माण, ड्रेनेज व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, परिवहन सुविधाएं, पार्कों का विकास, आवास, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार सहित विभिन्न विकास कार्य कराए जाएंगे। इसके अलावा सामुदायिक सेवाएं, रोजगार सृजन, व्यापार एवं उद्यमिता प्रोत्साहन, ई-गवर्नेंस, स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन, सुरक्षा प्रणाली, हरित क्षेत्र विकास, नवीकरणीय ऊर्जा तथा जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर भी विशेष फोकस किया जाएगा।

शहर के समग्र विकास की खुलेंगी नई संभावनाएं

योजना के क्रियान्वयन से महासमुंद में आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी और नागरिक सुविधाओं में व्यापक सुधार होगा। जनप्रतिनिधियों ने विश्वास जताया कि यह योजना शहर को आधुनिक, सुव्यवस्थित और समृद्ध बनाने में मील का पत्थर साबित होगी।

एकादशी पर राहगीरों को शीतल जल का वितरण

खरोरा/नवप्रदेश। पुरुषोत्तम मास की पावन एकादशी के अवसर पर बुधवार को खरोरा के राम मोबाइल चौक में राहगीरों के लिए शीतल जल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी के बीच आयोजित इस सेवा कार्य में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर मानव सेवा और जनकल्याण का संदेश दिया। कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय ब्राह्मण परिषद के प्रदेश अध्यक्ष पं. अंजू पाण्डेय के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर अनीता अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में राजेश पाण्डेय, ईश्वरी पाण्डेय, गिरिजा द्विवेदी, सोनम तिवारी, गोपेश्वर तिवारी, माधुरी शर्मा, राजू, श्रेया सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि निर्जला एकादशी के पावन पर्व पर सेवा और परोपकार की भावना से राहगीरों को शीतल जल उपलब्ध कराया गया। गर्मी से राहत देने के इस प्रयास को स्थानीय नागरिकों ने सराहनीय बताते हुए सामाजिक सरोकार और मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

राजनांदगांव की बेटी महक नरवासे बनीं भारत महिला अंडर-19 क्रिकेट टीम की उपकप्तान

■ **श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टीम में चयन**

राजनांदगांव/नवप्रदेश। जिले के कोरिनभाठा क्षेत्र की प्रतिभावान महिला क्रिकेट खिलाड़ी महक नरवासे ने अपनी मेहनत, लगन और उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। महक का चयन श्रीलंका दौरे के लिए भारत महिला अंडर-19 क्रिकेट टीम की उपकप्तान (वाइस कैप्टन) के रूप में हुआ है। यह श्रृंखला भारत में आयोजित की जाएगी, जहां भारतीय टीम श्रीलंका की अंडर-19 महिला टीम के साथ मुकाबले खेलेगी। महक की इस उपलब्धि से राजनांदगांव सहित पूरे छत्तीसगढ़ में खुशी और गर्व का माहौल है।

आठ वर्षों की मेहनत और संघर्ष का मिला प्रतिफल: महक नरवासे पिछले लगभग आठ वर्षों से क्रिकेट कोच मनोज तिवारी के मार्गदर्शन में नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। निरंतर अभ्यास, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण के बल पर उन्होंने जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। उनकी मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन का ही परिणाम है कि आज उन्हें भारतीय टीम की उपकप्तानी जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

विपरीत परिस्थितियों में भी नहीं मानी हार: महक का क्रिकेट सफर चुनौतियों से भरा रहा है। शुरुआती दौर में महिला खिलाड़ियों की संख्या कम होने के कारण उन्हें

पुरुष खिलाड़ियों के साथ अभ्यास करना पड़ता था। उन्होंने लड़कों के साथ नेट प्रैक्टिस और प्रतिस्पर्धी मुकाबले खेलकर अपने खेल को और अधिक मजबूत बनाया। कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी और अपने लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ती रहीं।

सबेरा कप और शाला स्तरीय प्रतियोगिताओं से शुरू हुआ सफर: महक ने जिला स्तरीय प्रतिष्ठित सबेरा कप क्रिकेट प्रतियोगिता सहित विभिन्न स्थानीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। शाला स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी उन्होंने पुरुष टीम के साथ खेलते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उनके शानदार प्रदर्शन ने प्रारंभ से ही चयनकर्ताओं और प्रशिक्षकों का ध्यान आकर्षित किया।

अंडर-19 इंडिया कैंप से भारतीय टीम तक: महक नरवासे का चयन पूर्व में बीसीसीआई अंडर-19 इंडिया कैंप के लिए भी हो चुका है। वहां उन्होंने अपने प्रदर्शन से क्रिकेट विशेषज्ञों को प्रभावित किया। लगातार बेहतर खेल और नेतृत्व क्षमता के दम पर उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई और अब भारतीय अंडर-19 महिला टीम की उपकप्तान बनने का गौरव प्राप्त किया है।

मां से मिली प्रेरणा, परिवार बना संबल : महक की माता शिक्षिका हैं और उन्होंने हमेशा बेटी को शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। परिवार का सहयोग, सकारात्मक वातावरण और विश्वास महक की सफलता की मजबूत नींव बना। परिवार ने हर परिस्थिति में उनका उत्साहवर्धन किया, जिसका परिणाम आज पूरे देश के सामने है।

जिला क्रिकेट एसोसिएशन का मिला हरसंभव सहयोग: महक की सफलता में जिला क्रिकेट एसोसिएशन की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। एसोसिएशन द्वारा उन्हें प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं में भागीदारी और आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया।

25 करोड़ रुपये के धान शॉर्टेज पर कबीरधाम जिला प्रशासन कटघरे में, किसानों का धान आखिर गया कहां: जायसवाल

कवर्धा/नवप्रदेश। कबीरधाम जिले में सामने आए लगभग 25 करोड़ रुपये के धान शॉर्टेज के मामले ने पूरे जिले में चिंता और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। जिला कांग्रेस कमेटी कबीरधाम के अध्यक्ष नवीन जायसवाल ने इस मामले को किसानों की मेहनत और उनके अधिकारों से जुड़ा गंभीर विषय बताते हुए जिला प्रशासन एवं राज्य सरकार से जवाब मांगा है ।

नवीन जायसवाल ने बताया कि उन्होंने स्वयं संबंधित धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खेरझिटी नया केंद्र में लगभग 855 क्विंटल, दुल्लापुर केंद्र में 377 क्विंटल, कोदवा गोंडान केंद्र में 711 क्विंटल तथा कुकदूर केंद्र में लगभग 1000 क्विंटल धान शॉर्टेज दर्ज पाया गया। जिले के अन्य केंद्रों को मिलाकर यह आंकड़ा करोड़ों रुपये तक पहुंच गया है।

जिला अध्यक्ष ने कहा कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब धान खरीदी केंद्रों में धान मौजूद नहीं है, तब रिकॉर्ड में दर्ज हजारों क्विंटल धान आखिर गया कहां?* किसानों की मेहनत की उपज का हिसाब कौन देगा? क्या प्रशासन इस बात का जवाब देगा कि इतने बड़े स्तर पर धान की कमी कैसे हुई?

श्री जायसवाल ने कहा कि कलेक्टर ने कहा है अधिकारियों को ÷कैसे भी करके शॉर्टेज जीरो करो÷* के निर्देश दिए गए हैं। यदि यह सही है तो जनता जानना चाहती है कि पहले धान का पता लगाया जाएगा या सीधे शॉर्टेज को शून्य दिखाने की कोशिश होगी? क्या प्रशासन का काम सच्चाई सामने लाना है या आंकड़ों को ठीक करना उन्होंने कहा कि यह पहला मामला नहीं है। पूर्व में भी धान से जुड़े करोड़ों रुपये के नुकसान और अनियमितताओं के मामले सामने आए थे। उस समय भी कांग्रेस ने व किसानों और जनता ने सवाल उठाए थे, लेकिन आज तक पूरी सच्चाई सामने नहीं आई। अब फिर 25 करोड़ रुपये के धान शॉर्टेज का मामला सामने आने से लोगों का भरोसा प्रशासनिक व्यवस्था पर कमजोर हुआ है।

शहीद विद्याचरण शुक्ल की पुण्य तिथि पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजली

भाटापारा/नवछत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष दिवाकर मिश्रा के नेतृत्व में 25 मई 2013 को झीरम घाटी के नक्सली हमले में गोली लगने से गंभीर रूप घायल नेता पं विद्याचरण शुक्ल जी 11 जून 2013 को अस्पताल में जिंदगी की जंग हार कर शहीद हो गए?? उनके पुण्यतिथि को शहादत दिवस के रूप में मनाया गया।समस्त कांग्रेस जनों ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर विद्या भैया अमर रहे के नारे लगाए। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में सुशील शर्मा सतीश अग्रवाल सुनील माहेश्वरी गणेश ध्रुव आलोक मिश्रा राजकुमार शर्मा रोशन हबलानी अजय ठाकुर नरेंद्र यदु बिम्लेश्वरी ध्रुव प्रेमलता दुबे लक्ष्मी पांडे प्रमिला साहू मुकेश साहू नवीन बख्श ओमप्रकाश यदु शेषनारायण यदु मनमोहन कुर्रे सुरेश वाधवानी राजा तिवारी महेंद्र साहू पप्पू यदु दानी भाट पूर्णिमा श्रीवास सीता साहू गिरिराज चावड़ा सहित अनेक कांग्रेसजन सम्मिलित हुए।

हारे का सहारा बाबा श्याम का सेवंती, गुलाब और फलों की मालाओं से सजा अलौकिक दरबार

राजनांदगांव /नवप्रदेश। भक्ति, आराधना, संकीर्तन और ईश्वर के प्रति अटूट प्रेम का महापर्व श्री नारायण महामहोत्सव इन दिनों श्री सत्यनारायण धर्मशाला स्थित श्री नारायण धाम में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। श्री सत्यनारायण मंदिर समिति के अध्यक्ष हरीश अग्रवाल ने बताया कि पुरुषोत्तम मास भगवान श्री नारायण की विशेष आराधना का पावन अवसर है। इस माह में सच्ची श्रद्धा और विश्वास से की गई भक्ति भक्तों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का संचार करती है। उन्होंने बताया कि महाभारत काल में भीम के पौत्र एवं घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक को भगवान शिव से तीन बाणों का वरदान प्राप्त था तथा उनकी माता ने उन्हें आशीर्वाद दिया था कि वे सदैव हारे हुए का सहारा बनेंगे। भगवान श्रीकृष्ण ने उनके अद्वितीय त्याग, बलिदान और भक्ति से प्रसन्न होकर वरदान दिया कि वे कलयुग में खाटू श्याम के रूप में पूजे जाएंगे और हारे हुए लोगों के सहारा बनेंगे। तभी से बाबा श्याम के प्रति करोड़ों भक्तों की अटूट आस्था बनी हुई है। कामदा एकादशी के पावन अवसर पर श्री नारायण धाम में बाबा श्याम की मनोहारी झांकी सजाई गई। सेवंती, गुलाब एवं विभिन्न फलों की मालाओं से सजे अलौकिक दरबार में बाबा की छवि अत्यंत आकर्षक दिखाई दे रही थी। ज्योत प्रज्ज्वलन और विशेष श्रृंगार के मध्य श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के दिव्य दर्शन कर स्वयं को धन्य महसूस किया। नगर के सुप्रसिद्ध भजन गायक निखिल श्याम शर्मा एवं उनकी संगीतमय मंडली ने श्याम जन्मोत्सव, बाबा श्याम की महिमा और मोरछड़ी के महत्व पर आधारित भजनों की ऐसी मनोहारी प्रस्तुति दी कि पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी के नेतृत्व में महामृत्युंजय पाठ का आयोजन

कवर्धा/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल एवं जनकल्याणकारी नेतृत्व में केंद्र सरकार के ऐतिहासिक 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला कबीरधाम द्वारा बुधवार को शहर स्थित मां विंध्यवासिनी मंदिर परिसर में महामृत्युंजय पाठ एवं सामूहिक प्रार्थना का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस दौरान भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं राष्ट्र के निरंतर विकास, समृद्धि और जनकल्याण की कामना करते हुए श्रद्धापूर्वक महामृत्युंजय मंत्र का जाप किया।

जिलाध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा के नए आयाम स्थापित किए हैं। केंद्र सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है तथा भारत आज विश्व मंच पर सशक्त नेतृत्व के रूप में अपनी पहचान बना चुका है।

कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने राष्ट्रहित एवं जनकल्याण के लिए सामूहिक रूप से प्रार्थना की तथा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

मामले की श्रेणी-राजस्व

ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. 00049 रिसाली ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण- आर.डी. 202526430104800133

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00049 के अंतर्गत ग्राम रिसाली के वर्तमान भूमिस्वामी नीलकंठ ताम्रकार पिता/पति होरीलाल ताम्रकार पता भिलाईनगर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 1088/40(0.0300) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता सोनल ताम्रकार पिता/पति स्व. नीलकंठ ताम्रकार पता प्लाट नं. 150 लक्ष्मीनगर रिसाली भिलाई, तेजेन्द्र ताम्रकार पिता/पति स्व. नीलकंठ ताम्रकार पता प्लाट नं. 150 लक्ष्मीनगर रिसाली भिलाई, नथिता ताम्रकार पिता/पति स्व. नीलकंठ ताम्रकार पता प्लाट नं. 150 लक्ष्मीनगर रिसाली भिलाई, रश्मि ताम्रकार पिता/पति स्व. नीलकंठ ताम्रकार पता प्लाट नं. 150 लक्ष्मीनगर रिसाली भिलाई के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरुस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 19.06.2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पुर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/ आममुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27.05.2026 को जारी किया जाता है।

मुहर — **तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)**

नाम-परिवर्तन

मैं चंदूलाल निषाद पिता श्री गंगा प्रसाद निषाद, उम्र 29 वर्ष, निवासी अकोला ओटेबंद, तह.-धमधा, जिला दुर्ग छत्तीसगढ मेरी पुत्री के आधार कार्ड में त्रुटिवश नाम नेहा (NEHA) अंकित हो गया है, जबकि मेरी पुत्री का सही नाम पायल निषाद (PAYAL NISHAD) है (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) ने अपना नाम नेहा (NEHA) (पुराना नाम) से बदल कर पायल निषाद (PAYAL NISHAD) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
चंदूलाल निषाद
पिता श्री गंगा प्रसाद निषाद
निवासी अकोला ओटेबंद,
तह.-धमधा, जिला दुर्ग (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

मैं कल्पना मिश्रा पति स्व. राकेश कुमार मिश्रा सुपुत्र आदित्य कुमार मिश्रा पिता स्वं. राकेश कुमार मिश्रा गाँव / शहर गंजपारा दुर्ग तहसील दुर्ग जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ राज्य में अपने नाबालिग सुपुत्र का नाम आदित्य मिश्रा पिता राकेश मिश्रा (पुराना नाम) से बदलकर आदित्य कुमार मिश्रा पिता स्वं. राकेश कुमार मिश्रा (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ती
कल्पना मिश्रा
पति स्व. राकेश कुमार मिश्रा
गाँव / शहर गंजपारा दुर्ग तहसील
दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

मैं बुद्धिमान (BUDDIMAN) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) शहर रूआबांधा बस्ती, गांधी चौंक, सिविक सेंटर भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) 490006 से अपना नाम बुद्धिमान (BUDDIMAN) (पुराना नाम) से बदल राहुल (RAHUL) पिता छबिलाल (CHHABILAL) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
बुद्धिमान
शहर रूआबांधा बस्ती,
गांधी चौंक, सिविक सेंटर भिलाई
तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

मामले की श्रेणी-राजस्व

ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. 00039 बोरसी ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण- आर.डी. 202526430104700084

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00039 के अंतर्गत ग्राम बोरसी के वर्तमान भूमिस्वामी रंजना नेताम पिता/पति रोमन सिंह पता क्वा. नं. एफ/4 वार्ड नं. 29 पॉलीटेकनिक परिसर दुर्ग तह. व जिला दुर्ग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 331/35(0.0153) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता रोमन सिंह पिता/पति अंजोर सिंह पता ग्राम मटिया के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरुस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 17.06.2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पुर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/ आममुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 26.05.2026 को जारी किया जाता है।

मुहर — **तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)**

नाम-परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मै मोहम्मद आरिफ अंसारी पिता श्री मोहम्मद युसुफ अंसारी निवासी-मकान नं. 113, वार्ड नंबर-8, नियर बाबूलाल चाल, तकिया पारा दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.) यह शपथ करता हूं कि मैने अपना यह पुराना नाम (MOHAMMAD ARIF ANSARI) को त्याग कर अपना नया नाम (MOHAMMED ARIF ANSARI) रख लिया हूं। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय एवं अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नया नाम (MOHAMMED ARIF ANSARI) से ही जाना जावे।

शपथकर्ता
मोहम्मद आरिफअंसारी
पिता श्री मोहम्मद युसुफअंसारी
निवासी-मकान नं. 113, वार्ड
नं. 8, नियर बाबूलाल चाल तकिया
पारा दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मैं संगीता बाई, पति संजय जैन, निवासी, म. नं. 116 लक्ष्मी हाउस, सुन्दर नगर, सुपेला भिलाई, दुर्ग, (छ.ग.) यह शपथ करती हूँ। कि मैंने अपना यह पुराना नाम संगीता बाई, को त्याग कर नया नाम संगीता जैन रख लि हूं अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम संगीता जैन से ही जाना पहचाना जावे।

शपथकर्ती
संगीता जैन
म. नं. 116 लक्ष्मी हाउस,
सुन्दर नगर, सुपेला भिलाई,
दुर्ग, (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202606103800006
/86/अ-20(3)/ वर्ष 2025-26

आवेदक निलेश कुमार गुप्ता आ. रमेश कुमार गुप्ता निवासी सदर बाजार दुर्ग जिला दुर्ग के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि दुर्ग नजूल भूमि शीट कमांक 29 डी भूखंड कं. 29 आवासीय क्षेत्रफल 50 वर्गमीटर व्यवसायिक 58 वर्गमीटर कुल क्षेत्रफल 108 वर्गमीटर भूमि धारक रमेश कुमार गुप्ता आ. सुखदेव प्रसाद गुप्ता के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारक रमेश कुमार गुप्ता की मृत्यु दिनांक 11.04.2021 को हो चुकी है मृत्यु प्रमाण पत्र संलग्न है। मृतक के विधिक वारिसान उनकी पत्नी मंजू गुप्ता ध.प.स्व. रमेश कुमार गुप्ता पुत्र निलेश कुमार गुप्ता आ.स्व.रमेश कुमार गुप्ता है। आवेदक द्वारा उक्त प्रश्नाधीन भूखण्ड से मृतक धारकं का नाम नजूल अभिलेख से विलोपित कर वारिसानों का नाम पर फ़ौती नामान्तरण किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय मे विचाराधीन है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 18.06.2026 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिस भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01.06.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर — **नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)**

।। न्यायालय तहसीलदार धमधा, जिला- दुर्ग (छ.ग.) ।।

रा.प्र.क्र.- 202605100800053/अ-6/ वर्ष 2025-2026
ग्राम धमधा / प.ह.नं.-15.

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक/दानग्रहिता क्र. 1. प्रीत कुमार साहू पिता देवराम साहू, 2. कविता साहू पति प्रीत कुमार साहू, जाति तेली निवासी ग्राम परसबोड़ तहसील धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा ग्राम धमधा, प.ह.नं. 15, तहसील धमधा, जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नंबर 1925/1 रकबा 0.91 हे. में से दानशुदा रकबा 0.04 हे. जो अभिलिखित भूमिस्वामी/दानकर्ता देवराम पिता झगरू प्रसाद साकिन परसबोड़ द्वारा आवेदक/दानग्रहिता को पंजीकृत दान दस्तावेज क्र. CG-2026-27-114-1-239 दिनांक 04/05/2026 के आधार पर नामांतरण की मांग किया गया हैं। तत्संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त नामांतरण के संबंध में यदि जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था/समिति को कोई दावा/आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने वैध अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में आगामी पेशी दिनांक 22/06/2026 तक न्यायालयीन अवधि में प्रस्तुत कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर — **तहसीलदार धमधा**

न्यायालय तहसीलदार देवकर, जिला बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक भीखम मरकाम पिता/पति गजन सिंह जाति गोड़ निवासी ग्राम परपोड़ी तहसील देवकर द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम परपोड़ी में दिनांक 18/08/2008 को आवेदक के पिता / पति / माता / पत्नी / पुत्र पुत्री गंजन सिंह की जन्म / मृत्यु हो जाने के कारण उक्त व्यक्ति का जन्म / मृत्यु / प्रमाण पत्र जरी किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उपरोक्त सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार का आपेक्ष /दावा हो अथवा आवेदन पत्र प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभावक के साथ उपस्थित होकर दिनांक 23/06/2026 को उपस्थित होकर पेश कर सकते है । बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 04/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा जारी किया गया।
दिनांक ....
स्थान - देवकर

मुहर — **तहसीलदार देवकर**

न्यायालय नायब तहसीलदार उपतहसील देवरबीजा जिला बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

ग्राम केशडबरी प.ह.न. 02 / ब-121
वर्ष 2025-26

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजय बारले पिता अमृतदास बारले निवासी केशडबरी प.ह.न. 02 तहसील बेरला उपतहसील देवरबीजा के द्वारा अपनी नानी मेहतरीन पति अनुपदास का मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने हेतु आपके न्यायालय में आवेदन पेश किया है । कि मेहतरीन पति अनुपदास की मृत्यु ग्राम केशडबरी प.ह.न. 02 में दिनांक 02/06/2022 को हुआ है । तत्संबंध में इस न्यायालय में ब- 121 / 2025 / 26 विचारधिन है ।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था / समूह को कोई दावा आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 25/6/2026 तक दावा आपत्ति पेश कर सकते है । उक्त नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा ।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से आज दिनांक 10.06.2026 को जारी किया गया ।

मुहर — **नायब तहसीलदार देवरबीजा**

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.202605100700173
/अ-06/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदिका मनीषा कोठारी पति स्व. रमेश कोठारी निवासी शनिचरी बाजार दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग प.ह.नं. 19 रा.नि.मं.- दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 572/9 रकबा 0.008 हे. भूमि किसनी बाई पति हनुमत मल के नाग पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि को स्व. श्रीमती किसनी बाई पति स्व. हनुमतमल जैन द्वारा अपने जीवनकाल में स्वस्थचित्त हालत में अपने एकमात्र पुत्री स्व. श्रीमती सुरजी बाई के नाती आसरण कोठारी पिता चम्पालाल कोठारी को भूमिस्वामी हक व आधिपत्य को दान पत्र दिनांक 29/12/1956 को निष्पादन एवं पंजीयन कराई थी। आसरण कोठारी उपरोक्त भूमि एवं भवन को दिनांक 29/12/1956 को अपनी नानी श्रीमती किसनी बाई से दान प्राप्त करते हुये अपने जीवनकाल तक अपने परिवार सहित निवास काबिज रहा। उक्त आवेदित भूमि के भूमिस्वामी आसकरण कोठारी की मृत्यु दिनांक 14/08/1991 एवं उनकी पति श्रीमती पार्वती कोठारी की मृत्यु दिनांक 16/01/2011 को हो जाने पर मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति संलग्न करते हुये, फ़ौती दर्ज कर उसके सभी विधिक वारिसानों का नाम वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में पेश किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 15.06.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 29.05.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — **तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202606103800008
/88/अ-20(3)/ वर्ष 2025-26

आवेदक पदमा बाई आ. वृन्दावन निवासी तितुरडीह दुर्ग जिला दुर्ग के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि दुर्ग नजूल भूमि शीट कमांक 88 ए भूखंड कं. 37 क्षेत्रफल 150 वर्गमीटर भूमि धारक जयन्ती बाई बेवा रामसिंग, भीमसिंग, वनदेवी, दुर्गा देवी पिस0 रामसिंग, प्रवीण कुमार आ. ललित कुमार, पदमाबाई आ. वृन्दावन, पिंकी सोनी पति स्व.भवानी, ना.बा.पम्मी आ.स्व.भवानी वली माँ पिंकी सोनी के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। सहधारक ना.बा.पम्मी आ.स्व.भवानी वली माँ पिंकी सोनी की मृत्यु दिनांक 07.07.2023 को एवं सहधारक भीमसिंग आ. रामसिंग की मृत्यु दिनांक 12.06. 2024 को हो चुकी है मृत्यु प्रमाण पत्र संलग्न है। मृतक ना.बा.पम्मी आ. स्व. भवानी वली माँ पिंकी सोनी का नाम विलोपित करने एवं मृतक भीमसिंग के विधिक वारिसान उनकी पत्नी रेखा ध.प.स्व. भीमसिंग, कार्तिक, मोहन पिस0स्व0 भीमसिंग है। आवेदक द्वारा उक्त प्रश्नाधीन भूखण्ड से मृतक सहधारकं का नाम नजूल अभिलेख से विलोपित कर वारिसानो का नाम पर फ़ौती नामान्तरण किए जाने एवं शेष सहधारको का नाम यथावत रखे जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय मे विचाराधीन है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 18.06.2026 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिस भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01.06.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर — **नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)**

कार्यालय कलेक्टर (महिला एवं बाल विकास विभाग) पांच बिल्डिंग परिसर, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

Phone No. :- 0788-2323704, E-Mail ID: dpodurg@gmail.com

क्रमांक/774/ मबावि / सावि/2026-27 — दुर्ग, दिनांक 08/06/2026

"मिशन शक्ति अंतर्गत शक्ति सदन में रिक्त पदों की पदपूर्ति हेतु आवेदकों से दावा आपत्ति के निराकरण पश्चात मेरिट सूची जारी करने के संबंध में"

महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला-दुर्ग द्वारा मिशन शक्ति अंतर्गत शक्ति सदन में रिक्त पदों की पदपूर्ति हेतु में रिक्त पदों हेतु प्राप्त आवेदनों का दावा आपत्ति के निराकरण पश्चात मेरिट सूची जारी की जाती है। इस सूची का अवलोकन जिले की वेबसाईट www.durg.gov.in एवं कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला-दुर्ग के सूचना पटल पर किया जा सकता है। कौशल परीक्षा / साक्षात्कार आयोजन की सूचना पृथक से दी जावेगी।

जिला कार्यक्रम अधिकारी
महिला एवं बाल विकास विभाग
जिला-दुर्ग (छ.ग.)

जी-262701341/2

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी सरसींवा जिला- सारंगढ़ बिलाईगढ़ (छ.ग.)

- ईश्तहार -

रा.प्र.क्रं. - ब-121/2025-26
ग्रामः - सरसींवा प.ह.नं.- 10
जारी दिनांक- 10/06/2026
पेशी दिनांक- 25/06/2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक रितूराम नारंग पिता दरसराम जाति सतनामी निवासी सरसींवा तहसील सरसींवा जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ0ग0) के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि अपने पिता दरसराम का मृत्यु दिनांक-10/05/2009 को ग्राम सरसींवा में होने के कारण उनके जन्म पंजीयन किये जाने हेतु आवेदन पत्र जन्म और मृत्यु रजिस्ट्री अधिनियम अन्तर्गत 13 (3) की धारा 1 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध मे जिस किसी भी ईच्छुक व्यक्ति या कोई संस्था को दावा/आपत्ति करना हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से लिखित मे ठोस दस्तावेज के साथ दावा / आपत्ति नियत दिनांक 25/06/2026 को प्रातः 11.00 बजे इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात् प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर कोई प्रकार की विचार/स्वीकार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 10/06/2026 को न्यायालय मे पद मुद्रा से प्रकाषन हेतु जारी किया गया।

मुहर — **तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी सरसीवां**

प्रधानमंत्री के सम्मान में भाजपा ओबीसी मोर्चा ने किया हनुमान चालीसा

भाटापारा/नवप्रदेश। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 4399 दिनों की निरंतर राष्ट्र सेवा व भारत के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने का गौरव प्राप्त करने पर भाजपा ओबीसी मोर्चा के तत्वावधान में भाटापारा शहर मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा नगर के नेहरु वार्ड स्थित बड़े हनुमान मंदिर में हनुमान जी की आरती व हनुमान चालीसा का पाठ कर राष्ट्र की समृद्धि, प्रदेश एवं क्षेत्र के विकास तथा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु की प्रार्थना कर निरंतर राष्ट्र सेवा के लिए शुभकामनाएं प्रेषित किये।

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER PUBLIC WORKS DEPARTMENT, E/M CIRCLE, RAIPUR (C.G.)

e-Procurement Tender Notice

Online tenders are invited on behalf of Governor of Chhattisgarh from contractors, **C.G. P.W.D in new Registration system (unified Registration system)** for the following work :-

NIT No.	Name of work	Probable amount of contract
104/SE E/M/2025 (IVCall) System Tender No. 192793 Registered contractor class in "D" & above **For Form B** (ITEM Rate Basis)	PROVIDING & FIXING 33/0.4 K.V., 630 K.V.A. COMPACT TYPE SUBSTATION & 100 KVAR CAPACITOR PANEL AT CIPET CAMPUS BHANPURI, RAIPUR C.G.	Rs 79.52 Lacs

Date of bid submission 23.06.2026

The tender documents can be downloaded from the web-portal **http://eproc.cgstate.gov.in.** Only those contractors/bidders, interested in bidding shall pay the tender document cost online.

Superintending Engineer
P.W.D., E/M Circle Raipur (C.G.)

G-262701326/4

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, सेतु मंडल रायपुर (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना — दिनांक 09.06.2026

निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा "डी" श्रेणी एवं अधिक श्रेणी के ठेकेदारों हेतु द्वितीय निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 23.06.2026 तक है।

एन.आई.टी क्र. /निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3
NIT NO. 91 Tender No. 192797	ESTIMATE FOR EXPLORATORY BORING WORK FOR BUDGET YEAR 2026-27 UNDER DISTRICT NARAYANPUR, SUB DIVISION NARAYANPUR.	रू. 21.01 लाख
NIT NO. 92 Tender No. 192798	ESTIMATE FOR EXPLORATORY BORING WORK FOR BUDGET YEAR 2026-27 UNDER DISTRICT KANKER & KONDAGAON, SUB DIVISION KANKER.	रू. 52.54 लाख
NIT NO. 93 Tender No. 192799	BORING WORK FOR CONSTRUCTION OF VARIOUS BRIDGES UNDER SUB DIVISION NO.- 2 RAIPUR FOR 2026-27	रू. 19.81 लाख
NIT NO. 94 Tender No. 192800	BORING WORK FOR CONSTRUCTION OF VARIOUS BRIDGES UNDER SUB DIVISION NO.- 3 RAIPUR FOR 2026-27	रू. 19.47 लाख
NIT NO. 95 Tender No. 192801	BORING WORK FOR CONSTRUCTION OF VARIOUS BRIDGES UNDER SUB DIVISION MAHASAMUND FOR 2026-27	रू. 20.13 लाख
NIT NO. 96 Tender No. 192802	BORING WORK FOR CONSTRUCTION OF VARIOUS BRIDGES UNDER SUB DIVISION DHAMTARI FOR 2026-27	रू. 22.52 लाख
NIT NO. 97 Tender No.192803	BORING WORK FOR CONSTRUCTION OF VARIOUS BRIDGES UNDER SUB DIVISION GARIYABAND FOR 2026-27	रू. 19.62 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है। (राशि रू. 100.00 के नान ज्युडिशियल स्टाम्प पर निर्धारित प्रपत्र में शपथ-पत्र एवं न्यूनतम राशि रू. 10.00 के नान ज्युडिशियल स्टाम पर एनेक्जर-3 का शपथ पत्र, बिड केपेसीटी उपलब्धता बाबत् जानकारी एवं अन्य जानकारी एनआईटी के 2.10 में संलग्न संशोधित प्रपत्रानुसार प्रस्तुत करें।)

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा, एवं निविदाकारो द्वारा प्रेषित मूल अभिलेख का लिफाफा में निविदाकारो का मोबाईल नंबर एवं ई-मेल आई.डी. का उल्लेख अनिवार्य रुप से करें।

अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, सेतु मंडल, रायपुर (छ.ग.)

जी- 262701333/2 — आपकी थी चाह, हमने बनाई राह — Credible Chhattisgarh

फसल बीमा में किसानों को राहत, 2170.40 लाख रुपये की दावा राशि स्वीकृत

■ 60 हजार से अधिक किसानों को मिला बीमा सुरक्षा, 1615.65 लाख रुपये का भुगतान जारी

खैरागढ़/नवप्रदेश। जिले में खरीफ फसलों को असामयिक वर्षा, अतिवृष्टि एवं ओलावृष्टि से हुए नुकसान के बाद किसानों को राहत पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 2170.40 लाख रुपये की दावा राशि स्वीकृत की गई है। स्वीकृत राशि में से अब तक 1615.65 लाख रुपये सीधे किसानों के बैंक खातों में अंतरित किए जा चुके हैं। शेष राशि के भुगतान की प्रक्रिया जारी है। खरीफ मौसम 25 में धान (सिंचित एवं असिंचित), सोयाबीन, अरहर तथा कोदो-कुटकी फसलों का बीमा किया गया था। योजना अंतर्गत जिले के 56 हजार 973 ऋणी तथा 2 हजार 937 अऋणी किसानों ने बीमा के लिए आवेदन किया। कुल 59 हजार 910 किसानों की लगभग 74.85 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि को बीमा सुरक्षा के दायरे में शामिल किया गया।

किसानों द्वारा योजना के तहत 775.31 लाख रुपये का प्रीमियम जमा किया गया। बीमित ग्रामों की फसलों का आकलन किए जाने के बाद कुल 2170.40 लाख रुपये की दावा राशि निर्धारित की गई। इसमें फसल कटाई प्रयोग के आधार पर 2094.57 लाख रुपये, स्थानीय कृत आपदा के तहत 25.79 लाख रुपये तथा फसल कटाई उपरांत क्षति के लिए 50.04 लाख रुपये की दावा राशि शामिल है। उप संचालक कृषि राजकुमार सोलंकी ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों को प्राकृतिक जोखिमों से सुरक्षा प्रदान करने वाली महत्वपूर्ण योजना है। उन्होंने कहा कि स्वीकृत दावा राशि किसानों के आधार-सीडेड बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से भेजी जा रही है तथा शेष पात्र किसानों को भी जल्द भुगतान किया जाएगा। उन्होंने किसानों से अपने बैंक खाते, आधार नंबर एवं मोबाइल नंबर की जानकारी अद्यतन रखने कहा ताकि दावा राशि के भुगतान में किसी प्रकार की समस्या न आए।

आगामी खरीफ मौसम के लिए किसान 31 जुलाई 26 से पूर्व अपनी फसलों का बीमा कराने कहा गया है। ऋणी किसानों को बोई जाने वाली फसल की सही जानकारी ऋण प्रदाय करने वाले बैंक को देने की सलाह दी गई है, जिससे वास्तविक फसल का बीमा हो सके और बीमित फसल एवं बोई गई फसल के बीच किसी प्रकार की विसंगति न रहे।

अवैध शराब के दो अलग-अलग कार्रवाई में 72 पौवा देशी शराब और स्कूटी जब्त

महासमुंद/नवप्रदेश। अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए सिटी कोतवाली पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में बड़ी मात्रा में देशी प्लेन शराब जब्त कर दो युवकों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि वार्ड-12 लालदाढ़ी पारा निवासी अजय लिंबू (26) अवैध रूप से शराब रखे हुए है। सूचना के आधार पर दबिश देकर उसके कब्जे से 42 पौवा देशी प्लेन शराब, जिसकी कीमत करीब 3,360 रुपए है, बरामद की गई। आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया गया। वहीं दूसरी कार्रवाई में पुलिस ने बेमचा शराब भट्ठी से अधिक मात्रा में शराब लेकर महासमुंद आ रहे वार्ड-15 महामायापारा निवासी प्रकाश भोई उर्फ निखिल (23) को पकड़ा।

एक्टिवा में 60 लीटर महुआ शराब की तस्करी, दो युवक गिरफ्तार

महासमुंद/नवप्रदेश। सरायपाली पुलिस ने अवैध शराब परिवहन के खिलाफबड़ी कार्रवाई करते हुए दो युवकों को 60 लीटर महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त शराब की कीमत लगभग 12 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो युवक बिना नंबर की एक्टिवा में महुआ शराब लेकर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पैकिन निवासी कुंदन तांडी (22) और चकरदा निवासी करन चौहान (21) को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 60 लीटर महुआ शराब और एक काले रंग की बिना नंबर एक्टिवा बरामद की गई।

शिकायत के बाद भी बिजली विभाग के कर्मचारी ध्यान नहीं दे रहे

सड़क के बीच से गुजरी बिजली लाइन के झुकने से मंडरा रहा दुर्घटना का खतरा

खैरागढ़/नवप्रदेश। शहर के सोनेसरार वार्ड के शीतला मंदिर चौक के पास स्ट्रीट लाइन के तार सडक़ तक लटक रहे है । काफी समय से मेंटनेंस और मरम्मत कार्य नही होने के चलते सडक़ के ऊपर काफी कम ऊंचाई पर झूलते बिजली तारो से वार्ड मे बड़े हादसे का खतरा मंडरा रहा है।

वार्डवासियो ने बताया कि मामले की शिकायत सुशासन तिहार मे पिछले साल भी की गई थी इस बार भी सांस्कृतिक भवन मे आयोजित शिविर मे की गई है । लेकिन मामले मे समाधान अब तक नही हो पाया है । वार्ड के बीच मे घनी आबादी वाले जगह मे इस तरह से झूल रहे बिजली तारो से बड़े दुर्घटना की आशंका लगातार बढ़ रही है । पूर्व पार्षद कमलेश कोठले ने बताया कि शीतला मंदिर चौक के पा वर्षो पूराने स्ट्रीट पोल की तारे ढीले होकर झूल रही है । लगातार इसकी ऊंचाई घटने से यह अब वाहनो से टकराने लगा है ।

कोठले ने बताया कि वार्ड की इस सडक़ से पिकअप जैसे छोटे वाहनो के निकलने के दौरान भी झूल रहे तार वाहनो के छतो से टकरा रहे है । इसके चलते बड़े हादसे का डर लगातार बढ़ रहा है । वार्ड पार्षद देविन कोठले ने बताया कि पिछले साल के सुशासन तिहार मे भी झूल रहे तारो को ठीक करने वार्डवासियो की ओर से आवेदन दिया गया था । जिस पर कार्यवाही नही हो पाई । इस बार भी सुशासन शिविर मे आवेदन लगाकर बढ़ते खतरे का समाधान निकालने कहा गया है लेकिन अब तक कार्यवाही नही होने वार्डवासियो को बड़ी दुर्घटना का अंदेशा सता रहा है ।

बड़ी संख्या मे आवाजाही ,वाहने भी गुजरती है : वार्डवासियो ने बताया कि सोनेसरार वार्ड के शीतला मंदिर चौक मे घनी आबादी के साथ साथ बड़ी संख्या मे आवाजाही होती है । छोटे बड़े कई प्रकार के मालवाहक भी यहाँ से रोजाना गुजरते है । सामने बारिश के मौसम के दौरान तारो के और झुकने का डर बढ़ रहा है । आवाजाही के दौरान वाहनो से भी तारे टकराती है । ऐसे मे बिद्यूत करंट सहित बड़ी दुर्घटना का डर बढ़ रहा है । पार्षद देवीन कोठले ने बताया कि विद्यूत मंडल को इस संबंध मे शिकायत की गई है । लेकिन कार्यवाही नही होने स समस्या का समाधान अब तक नही हो पाया है ।

खरोरा में एकादशी पर राहगीरों को शीतल जल वितरण

खरोरा/नवप्रदेश। पुरुषोत्तम मास की पावन एकादशी के अवसर पर बुधवार को खरोरा के राम मोबाइल चौक में राहगीरों के लिए शीतल जल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी के बीच आयोजित इस सेवा कार्य में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर मानव सेवा और जनकल्याण का संदेश दिया। कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय ब्राह्मण परिषद के प्रदेश अध्यक्ष पं. अंजू पाण्डेय के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर अनीता अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम में राजेश पाण्डेय, ईश्वरी पाण्डेय, गिरिजा द्विवेदी, सोनम तिवारी, गोपेश्वर तिवारी, माधुरी शर्मा, राजू, श्रेया सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि निर्जला एकादशी के पावन पर्व पर सेवा और परोपकार की भावना से राहगीरों को शीतल जल उपलब्ध कराया गया। गर्मी से राहत देने के इस प्रयास को स्थानीय नागरिकों ने सराहनीय बताते हुए सामाजिक सरोकार और मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने समाज में सेवा भाव को बढ़ावा देने और जरूरतमंदों की सहायता के लिए ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प भी व्यक्त किया।

पेज 1 का शेष...

विकास का रोडमैप...

विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल, नीति आयोग के उपाध्यक्ष, सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर अब नई पहचान की ओर बढ़ रहा है। वहां दूध उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है, खेतों तक पानी पहुंचाने की योजनाएं बनाई जा रही हैं, गांवों में डिजिटल स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंच रही हैं और युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अगले तीन वर्षों में बस्तर के परिवारों की मासिक आय बढ़ाकर 30 हजार रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में बस्तर के लगभग 85 प्रतिशत परिवारों की मासिक आय 15 हजार रुपये से कम है। सरकार खेती, पशुपालन, वन उपज, छोटे उद्योग और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने पर काम कर रही है।

अमेरिकी हमले के बाद...

हुई दुखद घटना के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ। शुरुआत में लापता बताए गए तीन भारतीय नाविकों के शव बरामद कर लिए गए हैं और उनकी पहचान हो चुकी है। सोनोवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि बचाए गए अन्य भारतीय नाविकों को जल्द से जल्द स्वदेश लाया जाए और मृत नाविकों के पार्थिव शरीर उनके परिवारों तक पहुंचाए जाएं। भारत ने अमेरिकी उप प्रमुख को किया तलब, कड़ा विरोध दर्ज इस बेहद संवेदनशील मामले पर भारत सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास के उप प्रमुख जैसन मीक्स को तलब कर इस घटना पर भारत का कड़ा विरोध और आक्रोश दर्ज कराया है।

अमेरिकी सेना का दावाः निर्देशों का नहीं किया पालन

अमेरिकी सेना की यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। सेंटकॉम ने दावा किया कि मंगलवार शाम ओमान की खाड़ी से गुजर रहे 'एमटी सेट्टेबेलो' पर उन्होंने अचूक हमला किया था। अमेरिकी सेना के मुताबिक, यह जहाज ईरानी तेल ले जा रहा था और इसके चालक दल ने अमेरिकी बलों द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन नहीं किया था।

भारत ने अमेरिका के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया

भारत ने ओमान तट के पास तेल टैंकर सेत्तेबेल्लो पर हुए हमले को लेकर अमेरिका के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया है। भारत सरकार ने अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी जेसन मीक्स को विदेश मंत्रालय बुलाकर अपनी चिंता जताई और कहा कि भारतीय नाविकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि हमले के बाद भारत ने अमेरिकी पक्ष से औपचारिक विरोध दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में बड़ी संख्या में भारतीय नाविक काम करते हैं, खासकर फारस की खाड़ी और पश्चिम एशिया में। ऐसे में उनकी सुरक्षा भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

वैश्विक प्रतिभा का...

प्रतिभाओं की कमी को पूरा करने के लिए भारतीयों को काम पर रख रही हैं। यही वजह है कि वीजा धारक भारतीय कर्मचारियों को वहां के स्थानीय नागरिकों की तुलना में अधिक वेतन मिल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय पेशेवरों के लिए संयुक्त अरब अमीरात सबसे बड़ा वैश्विक गंतव्य बना हुआ है। भारतीय पेशेवर यूएई के 'गोल्डन वीजा' और 'सामान्य रोजगार वीजा' दोनों श्रेणियों में सबसे आगे हैं। वर्तमान में यूएई की कुल आबादी में भारतीयों की हिस्सेदारी लगभग 38 प्रतिशत हो चुकी है।

20 फीसदी से ज्यादा...

जहाजों की आवाजाही प्रतिबंधित करने से इस संकट का फिलहाल कोई समाधान निकलता नहीं दिख रहा है।

शराब ओवररेटिंग पर ...

एमआरपी से अधिक राशि वसूली जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए आबकारी आयुक्त ने जांच रिपोर्टों और फील्ड फीडबैक के आधार पर यह बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है।

निलंबित किए गए अधिकारियों पर अपने कार्यक्षेत्र की शराब दुकानों में अनियमितताओं पर नियंत्रण नहीं रख पाने और विभागीय जिम्मेदारियों के निर्वहन में लापरवाही बरतने के आरोप हैं। वहीं जिन आठ अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, उनसे निर्धारित समय सीमा के भीतर जवाब मांगा गया है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। आबकारी विभाग की इस कार्रवाई को प्रदेश में शराब कारोबार की निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि सरकार ओवर रेटिंग और अवैध वसूली को लेकर 'जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। यही वजह है कि शिकायतों को हल्के में लेने के बजाय सीधे जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जा रही है।

कल्याण बनर्जी का ...

टीएमसी का फर्जी साइन केस है। उन्होंने बताया, 'मुझे आधी रात को बताया गया कि इस केस से जुड़े वकील बदल दिए गए हैं। इनमें मैं भी था। यह अपमानजनक है।' इधर टीएमसी के राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बड़ाईक ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। पिछले चार दिनों में 13 में से तीन राज्यसभा सांसद ममता को छोड़कर जा चुके हैं। 10 जून को सुष्मिता देव ने रिजाइन किया था। 8 जून को सुखेंदु शेखर ने राज्यसभा सदस्यता और पार्टी छोड़ी थी। इससे पहले टीएमसी की बागी सांसद काकोली घोष ने दावा किया था कि 20 लोकसभा सांसद अलग गुट बना चुके हैं। वहीं, बंगाल के 80 में से 58 टीएमसी विधायक अलग गुट बना चुके हैं।

नाम-परिवर्तन

मै शपथकर्ता टिकेश्वर वर्मा पिता श्री भोजराम वर्मा, उम्र 35 वर्ष, निवासी-वार्ड न. 05, भवानी चौक, लुक, सहसपुर, बेमेतरा, (छ.ग.) का रहने वाला हूं जो कि निम्न कथन शपथपूर्वक करता हूं :- मै उपरोक्त पते का निवासी हूं। यह कि, मेरे पुत्र का जन्म प्रमाण पत्र रजिस्ट्रार (जन्म एवं मृत्यु) नगर पालिक निगम भिलाई जिला दुर्ग से बना हुआ है जिसका पंजीयन कमांक बी 2021:22-90711-000629 पंजीयन दिनांक 04/02/2021 हैं। यह कि, मेरे पुत्र के उक्त जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड मे मेरे पुत्र का नाम धवल वर्मा (DHAWAL VERMA) पिता श्री टिकेश्वर वर्मा (TIKESHWAR VERMA) दर्ज हैं। यह कि, मैं अपने पुत्र का नाम परिवर्तन कर धैर्य वर्मा (DHAIRYA VERMA) पिता श्री टिकेश्वर वर्मा (TIKESHWAR VERMA) रख लिया हूं। यह कि, मैं अपने पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड में अपने पुत्र का परिवर्तित नाम धैर्य वर्मा (DHAIRYA VERMA) पिता श्री टिकेश्वर वर्मा (TIKESHWAR VERMA) दर्ज करवाना चाहता हूं एवं मेरा पुत्र धैर्य वर्मा (DHAIRYA VERMA) पिता श्री टिकेश्वर वर्मा (TIKESHWAR VERMA) के नाम से ही भविष्य मे जाना, पहचाना व पुकार जाएगा, तथा भविष्य मे जारी होने वाले समस्त शासकीय, अर्धशासकीय, दस्तावेंजो मे अपने पुत्र का परिवर्तित नाम धैर्य वर्मा (DHAIRYA VERMA) पिता श्री टिकेश्वर वर्मा (TIKESHWAR VERMA) दर्ज करवाना चाहता हूं। यह कि, शपथपत्र राजपत्र मे प्रकाशन हेतु श्रीमान के समक्ष सादर प्रस्तुत हैं। अत: यह शपथपत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता
टिकेश्वर वर्मा
पिता श्री भोजराम वर्मा
निवासी-वार्ड न. 05, भवानी चौक, लुक, सहसपुर, बेमेतरा, (छ.ग.)

आम-सूचना

शासकीय गजट राजपत्र में नाम परिवर्तन की सुचना प्रकाशित बाबत्।

मैं पी पूजा पति पी संतोष कुमार आयु 31 वर्ष निवासी सड़क न 28 क्वाटर न 22 सी स्ट्रीट 28 सेक्टर 4 वार्ड 43 भिलाई उप तहसील जिला दुर्ग (छ.ग.) की निवासी हूं। मेरे नामपर जारी आधार कार्ड क्रमांक 849459669075 में दर्ज नाम पूजा कुमारी पति पी संतोष कुमार (POOJA KUMARI W/O P SANTOSH KUMAR) हैं, जो त्रुटि वश दर्ज हो गया हैं। वह असत्य एवं गलत है जबकि मेरा सही नाम पी पूजा पति पी संतोष कुमार (P POOJA W/O P SANTOSH KUMAR) हैं जो कि सत्य एवं सही हैं नाम मे एकरूपता लाने हेतु मैं अपना सही नाम पी पूजा पति पी संतोष कुमार (P POOJA W/O P SANTOSH KUMAR) दर्ज करवाना/रखना चाहती हूँ एवं उक्त नाम परिवर्तन की सूचना राजपत्र में प्रकाशित करवाना चाहती हूँ। अत: आज दिनांक 11/6/2026 से मेरे समस्त शासकीय/अर्द्धशासकीय/बैंकिग दस्तावेज़ एवं अन्य समस्त दस्तावेजों में जहाँ भी मेरा नाम पी पूजा पति पी संतोष कुमार (P POOJA W/O P SANTOSH KUMAR) प्रविष्टी करते हुए अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जावें।

शपथकर्ती
पी पूजा पति पी संतोष कुमार
निवासी सड़क न 28 क्वाटर न 22 सी स्ट्रीट 28 सेक्टर 4 वार्ड 43 भिलाई उप तहसील जिला दुर्ग (छ.ग.)

आम-सूचना

शासकीय गजट राजपत्र में नाम परिवर्तन की सुचना प्रकाशित बाबत्।

मैं एलीशा सेन पति सूरज कुमार सेन आयु 29 वर्ष निवासी घर न 131 वार्ड न 20 केम्प-1 सुपेला, भिलाई उप तहसील जिला दुर्ग (छ.ग.) की निवासी हूं। मेरे नामपर जारी आधार कार्ड क्रमांक 824172877171 में दर्ज नाम एलीशा बाघ पति सूरज कुमार सेन (ALISHA BAGH W/O SURAJ KUMAR SEN) हैं, जो त्रुटि वश दर्ज हो गया हैं। वह असत्य एवं गलत है जबकि मेरा सही नाम एलीशा सेन पति सूरज कुमार सेन (ALISHA SEN W/O SURAJ KUMAR SEN) हैं जो कि सत्य एवं सही हैं नाम मे एकरूपता लाने हेतु मैं अपना सही नाम एलीशा सेन पति सूरज कुमार सेन (LISHA SEN W/O SURAJ KUMAR SEN) दर्ज करवाना रखना चाहती हूँ एवं उक्त नाम परिवर्तन की सूचना राजपत्र में प्रकाशित करवाना चाहती हूँ। अत: आज दिनांक 11/6/2026 से मेरे समस्त शासकीय/अर्द्धशासकीय/ बैंकिग दस्तावेज़ एवं अन्य समस्त दस्तावेजों में जहाँ भी मेरा नाम एलीशा सेन पति सूरज कुमार सेन (ALISHA SEN W/O SURAJ KUMAR SEN) प्रविष्टी करते हुए अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जावें।

शपथकर्ती
एलीशा सेन पति सूरज कुमार सेन
निवासी घर न 131 वार्ड नं. 20 केम्प-1 सुपेला, भिलाई उप तहसील जिला दुर्ग (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं। कि मैं पिंकि जैन, पति धीरज कुमार जैन, निवासी, म. नं. डी 05, वल्लभभाई सोसाइटी, गणेश प्रॉविजन स्टोर के पास, बैरन बाजार, रायपुर, (छ.ग.) यह शपथ करती हूँ। कि मैंने अपना यह पुराना नाम पिंकि जैन, को त्याग कर नया नाम पिंकी जैन रख लि हूं अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम पिंकी जैन से ही जाना पहचाना जाने।

शपथकर्ती
पिंकी जैन
म. नं. डी 05, वल्लभ भाई सोसाइटी, गणेश प्रॉविजन स्टोर के पास, बैरन बाजार, रायपुर, (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.202606100700011 /अ-06/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका दानग्रहिता श्रीमती वैजंती माला राउत पिता/पति बाबूलाल वालदे ध.प. किशोर राउत साकिन गांधी नगर दुर्ग के द्वारा ग्राम कसारीडीह प.ह.न. 40 रा.नि.मं. कसारीडीह तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 597/22 शा. 598/16 एवं 599/36 रकबा 0.0090 हे. को रजिस्टर्ड दानपत्र के माध्यम से दानकर्ता बाबूलाल आ. गोवर्धन से क्रय किया गया है कि नामांतरण किए जाने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उपरोक्त भूमि को रजिस्टर्ड दानपत्र के आधार पर नामांतरण किए जाने पर जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई दिनांक 17.06.2026 तक या उसके पूर्व या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक ..06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202604103800015 /12/अ-20(4)/ वर्ष 2025-26

आवेदक द्विभाषी वेंकटा प्रभावती पति डी. व्ही. रामाराव, निवासी हुडको भिलाई के आवेदन अनुसार आमदी नगर हुडको भिलाई स्थित नजूल भूमि खसरा नं. 1/2, 2/2 का भाग प्लाट नं. एम.आई.जी. 1/1035, रकबा 150.00 वर्गमीटर भूमि आवेदिका के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि के पट्टे की वैधता मार्च 2038 तक है। आवेदिका द्वारा उक्त भूखण्ड को केता नीलम चन्द्राकेशवलू पिता स्व. चिनैय्या निवासी सेक्टर 07 भिलाई के पास विक्रय हेतु इकरारनामा निष्पादित कर विक्रय करने की अनुमति बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 25.06.2026 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिस भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27.04.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर

नजूल जांच अधिकारी
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202606103800005 /85/अ-20(3)/ वर्ष 2025-26

आवेदक ममता दानी पति धर्मेन्द्र दानी निवासी बरईपारा दुर्ग जिला दुर्ग द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि दुर्ग स्थित नजूल भूमि शीट कं0 45 अ भूखंड कं. 130 क्षेत्रफल 83 वर्गमीटर अर्थात 893 वर्गफुट भूमि धारक ध्रुवनारायण अग्रवाल आ.स्व.भरत लाल अग्रवाल निवासी बरईपारा दुर्ग के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारक द्वारा उक्त भूखण्ड 130 का क्षेत्रफल 83 वर्गमीटर अर्थात 893 वर्गफुट पंजीकृत दानपत्र दिनांक 29.05.2026 को आवेदक ममता दानी आ. ध्रुवनारायण अग्रवाल पति धर्मेन्द्र दानी के पक्ष में निष्पादित किया है। आवेदक द्वारा उक्त पंजीकृत दान पत्र के आधार पर प्रश्नाधीन भूखण्ड से दानदाता/धारक का नाम विलोपित कर स्वयं का नाम नजूल अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 18.06.2026 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिस भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 01.06.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर

नजूल जांच अधिकारी
दुर्ग (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मैं संजय कुमार जैन, पिता केशरीचंद, निवासी, म. नं. 116 लक्ष्मी हाउस, सुन्दर नगर, सुपेला भिलाई, दुर्ग, (छ.ग.) यह शपथ करता हूँ। कि मैंने अपना यह पुराना नाम संजय कुमार जैन, को त्याग कर नया नाम संजय जैन रख लिया हूं अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम संजय जैन से ही जाना पहचाना जावे।

शपथकर्ता
संजय जैन
म. नं. 116 लक्ष्मी हाउस, सुन्दर नगर, सुपेला भिलाई, दुर्ग, (छ.ग.)

नाम परिवर्तन/सूचना

मैं मंजरी तिवारी (MANJARI TIWARI) पिता अविनाश कुमार तिवारी, उम्र 20 वर्ष, निवासी-एल.आई.जी. 312/ ए, पद्मनाभपुर, दुर्ग तह.व जिला दुर्ग (छ.ग) की हूं मैं अपना पुराना नाम मंजरी तिवारी (MANJARI TIWARI) को बदलकर नया नाम आद्या तिवारी (ADDYA TIWARI) रख लिया है।

शपथकर्ती
मंजरी तिवारी
पिता अविनाश कुमार तिवारी
निवासी-एल.आई.जी. 312/ ए, पद्मनाभपुर, दुर्ग तह.व जिला दुर्ग (छ.ग)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र/202606101200013 /अ-06/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक भुलऊ राम पिता समारू राम निवासी ग्राम रूदा तह. व जिला दुर्ग के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम निकुम, प.ह.न. 29, रा.नि.मं. अण्डा, तह. व जिला दुर्ग में स्थि भूमि खसरा नंबर 1284 रकबा 0.5400 हे. भूमि वर्तमान राजस्व अभिलेख में ना.बा. भुलऊ राम पिता समारू राम, पालक मां मेहतरीन पति समारू के नाम पर संयुक्त रूप में दर्ज है। सहखातेदार आवेदक की माता मेहतरीन पति समारू की मृत्यु दिनांक 15.02.2020 को हो चुकी है जिसके विधिक वारिसान एक पुत्र भुलऊ राम तथा पुत्री मुन्नी बाई यादव दोनों पिता समारू राम है इसके अतिरिक्त अन्य कोई विधिक वारिसान नहीं है। आवेदक भुलऊ राम पिता समारू राम वर्तमान में बालिग हो चुका है सिजकी जन्मतिथि 19.04.1960 है। आवेदक के द्वारा सहखातेदार मेहतरीन पति समारू का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारिसान भुलऊ राम तथा मुन्नी बाई यादव दोनों पिता समारू राम तथा ना.बा. भुलऊ राम के स्थान पर भुलऊ राम पिता समारू दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 30.06.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 04.06.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र/202606101200017 /अ-06/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक ललित शर्मा आ. चंद्रकुमार शर्मा निवासी मेन रोड धनसाय काम्पलेक्स बालाघाट के द्वारा ग्राम चंदखुरी तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नं. 1215/3 रकबा 0.0010 हे. हे. भूमि जो कि कांता शर्मा के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि के भूमिस्वामी के मृत्यु 12.03.2026 को हो जाने पर फौती कर विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किए जाने बाबत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 30.06.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 05.06.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

मैं दिव्या गुलाब (Divya Gulab) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) पति श्री गुलाम सरवर, निवासी ग्राम दोकड़ा, तह. कोसाबेल, जिला जशपुर (छ.ग.) ने अपना नाम दिव्या गुलाब (Divya Gulab) से बदल कर निकहत फातमा (Nikhat Fatma) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ती
दिव्या गुलाब
पति श्री गुलाम सरवर
निवासी ग्राम दोकड़ा, तह. कोसाबेल, जिला जशपुर (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

मैं राधा देवी पति युवराज सिंह (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) शहर 2/6, वार्ड नंबर 03, राधिका नगर सुपेला भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) 490023 से अपना नाम राधा देवी पति युवराज सिंह (पुराना नाम) से बदल राधिका सिंह (RADHIKA SINGH) पति युवराज सिंह (YUVARAJ SINGH) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ती
राधा देवी पति युवराज सिंह
शहर 2/6, वार्ड नंबर 03, राधिका नगर सुपेला भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-27/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बोधन लाल पिता बिसेलाल निवासी ग्राम डुण्डेरा तह. व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम डुण्डेरा तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 160, 466, 525/3, 1500 रकबा 0.0400, 1.4400, 0.0700, 0.0300 हे. भूमि जो कि आवेदक एवं अन्य सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के आपसी मौखिक बटवारा के आधार पर खाता विभाजन किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में पेश किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 25.06.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 09.06.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार बोरी जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.202605102700044 /ब-121/वर्ष 2025-26

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता हैं, कि आवेदक बलराम पटेल आत्मज हरिराम पटेल ग्राम दनिया, तहसील बोरी, जिला दुर्ग (छ.ग.) द्वारा अपने दादा बेनीराम पटेल का मृत्यु दिनांक 15/04/1985 को स्थान ग्राम दनिया, तहसील बोरी में मृत्यु हुआ हैं। मृत्यु का पंजीयन किसी भी स्थान या जिले में पंजीयन नहीं कराया गया हैं। अतः संबंधित विभाग में जन्म / मृत्यु का पंजीयन करने हेतु स्थानीय रजिस्ट्रार (जन्म/मृत्यु) को जन्म / मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) सहपठित छ.ग. जन्म / मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के कंडिका 9 (3) के अंतर्गत आदेश देने हेतु आवेदन पत्र मय शपथपत्र, पटवारी प्रतिवेदन, अप्राप्यता प्रमाण पत्र सहि संलग्न कर इस न्यायालय के समक्ष निवेदन किया गया हैं, जोकि इस न्यायालय में विचाराधीन हैं।

अतः बेनीराम पटेल का मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाने हेतु आदेश जारी किए जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति / दावा हो तो वे नियत समय में स्वयं अथवा अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ सुनवाई दिनांक 19.06.2026 को या उसके पूर्व उपस्थित होकर अपना आपत्ति/ दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
तह. बोरी जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र.202606100700018 /अ-06/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती नीता मेहता पिता/पति स्व. खुशाल मेहता निवासी ग्राम एम.आई.जी. 475 पद्मनाभपुर दुर्ग तह. व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम पोटियाकला तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 181/1, 181/9 रकबा 0.202, 0.130 हे. भूमि जो कि आवेदक/ शामिलात सखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार खुशाल मेहता की मृत्यु हो जाने पर फौती दर्ज कर मृतक खातेदार के सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 30.06.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक ..06.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.202604100800011 /अ-06/वर्ष 2025-26
ग्राम दारगांव, प.ह.न. 23

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि आवेदकगण पप्पू राय पिता स्व. शंकर, बलराम पिता स्व. शंकर, धर्मवीर राय पिता स्व. शंकर सभी निवासी ग्राम दारगांव, तहसील धमधा, जिला-दुर्ग द्वारा फौती नामांतरण का आवेदन पेश किया गया है कि मौजा ग्राम दारगांव, प.ह.नं. 23 में स्थित भूमि खसरा नंबर 81, 256/3, 1120/1, 1120/2, 1148/1, 1148/3, 2097/4 रकबा क्रमशः 0.38, 0.20, 0.15, 0.19, 0.14, 0.14, 0.03 हे. कुल खसरा 07 कुल रकबा 2.77 हे. भूमि आवेदगण के पिता स्व. शंकर पिता उदेराम के नाम पर भूमिस्वामी हक में दर्ज है जिसकी दिनांक 12/03/2011 को मृत्यु हो गया है। उनके वारिसान पुत्र 1. पप्पू राय, 2. बलराम, 3. धर्मवीर राय सभी पिता स्व. शंकर व पुत्री 1. लीला देवी, 2. उषा बाई, 3. सुधा टंडन, 4. संतोषी, हेमलता (फौत) सभी पिता स्व. शंकर एवं पत्नी पंच बाई पति स्व. शंकर (फौत) तथा स्व. हेमलता पिता स्व. शंकर के वारिसान पुत्र ना.बा. हिमांशु पिता शिलनदास व पुत्री चांदनी पिता शिलनदास को होना लेख कर आवेदन पत्र के साथ खाते कि नकल एवं अन्य दस्तावेज संलग्न कर उक्त भूमि पर से भूमिस्वामी / मृतक स्व. शंकर पिता उदेराम का नाम को विलोपित कर उनके वारिसानों के नाम पर फौती नामांतरण दर्ज किये जानें कि निवेदन किया गया है। तत्संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त नामांतरण के संबंध में यदि जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था/समिति को कोई दावा /आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने वैध अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में आगामी पेशी दिनांक 22.06.2026 तक न्यायालयीन अवधि में प्रस्तुत कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर

तहसीलदार
धमधा जिला दुर्ग(छ.ग.)

जल आपूर्ति सामान्य न होने पर आंदोलन की दी चेतावनी

■ **पिथौरा के तीन वार्डों की महिलाओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन**

पिथौरा/नवप्रदेश। गर्मी के मौसम की शुरुआत के साथ ही पिथौरा नगर के कुछ इलाकों में पेयजल की विकट समस्या सामने आने लगी है। नगर के वार्ड क्रमांक 1, 2 और 3 में पानी की पर्याप्त आपूर्ति न होने से परेशान महिलाओं ने प्रशासन से इस दिशा में तुरंत कदम उठाने की मांग की है। गुरुवार को बड़ी संख्या में वार्ड की महिलाओं ने अनुविभागीय दंडाधिकारी और मुख्य नगरपालिका अधिकारी को एक लिखित ज्ञापन सौंपकर व्यवस्था को जल्द से जल्द दुरुस्त करने का आग्रह किया है।

एसडीएम को सौंपे गए ज्ञापन में महिलाओं ने कहा है कि यदि इस गंभीर समस्या का शीघ्र ही उचित समाधान नहीं निकाला गया, तो वे अपने हक के लिए आगे कदम उठाने पर मजबूर होंगी ओर घेराव करेंगी । पेयजल आपूर्ति में सुधार न होने की स्थिति में वार्डवासियों द्वारा नगर पंचायत पिथौरा परिसर का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

महिलाओं के अनुसार, वार्ड क्रमांक 1, 2 और 3 के नागरिक पिछले कई दिनों से पानी की कमी से जूझ रहे हैं। घरों में लगे नलों से पानी का दबाव बेहद कम हो गया है। पूरा क्षेत्र मुख्य रूप से नल-जल योजना पर ही निर्भर है, जिसके सुचारू रूप से न चलने के कारण दैनिक कार्यों में काफी

दिक्कतें आ रही हैं।इसके साथ ही नागरिकों ने ध्यान आकर्षित कराया कि पिछले कार्यकाल में वार्ड नंबर 4 में करोड़ों रुपए की लागत से एक पानी टंकी का निर्माण कराया गया था, जो अज्ञात कारणों से अब तक शुरू नहीं हो पाई है। नागरिकों का कहना है कि यदि यह टंकी चालू हो जाती, तो क्षेत्र में पानी की यह समस्या उत्पन्न नहीं होती।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी (छ्रस्ह्र) का वक्तव्य

इस विषय पर नगर पंचायत के मुख्य नगरपालिका अधिकारी बिरझुराम सोनबेर ने कहा

यह क्षेत्र ड्राई एरिया (कम पानी वाला क्षेत्र) के अंतर्गत आता है, जिसके कारण इस मौसम में बोरवेल का वाटर लेवल (जल स्तर) काफी नीचे चला गया है। इसी वजह से सामान्य पाइपलाइन सप्लाई में कमी आई है। नागरिकों की सुविधा के लिए प्रभावित वार्डों में नगर पंचायत द्वारा टैंकरों के माध्यम से पानी भेजकर इसकी प्रतिपूर्ति की जा रही है। ओर बिगड़े बोर की मरम्मत की जा रही है स्थिति सामान्य हो जाएगी

इस ज्ञापन की प्रतिलिपि अनुविभागीय अधिकारी और मुख्य नगर पंचायत अधिकारी को सौंपकर प्रभावितों ने जल्द राहत की उम्मीद जताई है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस दिशा में क्या तात्कालिक और स्थायी कदम उठाता है ताकि नागरिकों को इस गर्मी में राहत मिल सके।

पीएम मोदी के 4399 दिनों के ऐतिहासिक नेतृत्व पर मां तुलजा भवानी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना

धमतरी/नवप्रदेश। विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय जननेता एवं भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री पद पर 4399 दिनों के ऐतिहासिक, गौरवशाली एवं जनकल्याणकारी कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर धमतरी में भव्य धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर महापौर रामू रोहरा सहित भारतीय जनता पार्टी शहर मंडल के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मां तुलजा भवानी मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रधानमंत्री मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, यशस्वी नेतृत्व एवं राष्ट्रसेवा के निरंतर सफल अभियान के लिए मंगलकामनाएं कीं।इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी, निर्णायक एवं सशक्त नेतृत्व में भारत ने विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता, राष्ट्रीय सुरक्षा, डिजिटल क्रांति, आधारभूत संरचना एवं गरीब कल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियों का नया अध्याय रचा है। आज भारत विश्व मंच पर एक मजबूत, आत्मविश्वासी और निर्णायक राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है तथा वैश्विक स्तर पर देश का गौरव और सम्मान नई

ऊंचाइयों पर पहुंचा है। महापौर रामू रोहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ÷सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास÷ का संकल्प साकार हो रहा है। केंद्र सरकार की जनहितैषी एवं परिवर्तनकारी योजनाएं समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का यह ऐतिहासिक कार्यकाल राष्ट्र निर्माण, सुशासन, सेवा, समर्पण और विकास के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को आत्मनिर्भर, सशक्त, विकसित और विश्वगुरु बनाने की दिशा में जो ऐतिहासिक कार्य किए हैं।

ब्लड डोनेशन कैम्प में 68 यूनिट रक्त एकत्रित

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। जिला रेडक्रॉस सोसायटी बलौदाबाजार एवं अंबुजा सीमेंट लिमिटेड के सयुंक्त तत्वावधान में बुधवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में रक्त दान करने हेतु पुरुषो के साथ महिलाओ ने भी बढ़- चढ़ कर हिस्सा लिया। रक्तदान शिविर में 57 पुरुष एवं 11 महिलाओं ने रक्त दान किया जिनसे कुल 68 यूनिट रक्त प्राप्त हुआ। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा लगातार रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

36 हजार रुपए की अवैध शराब जब्त

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। पलारी में आबकारी विभाग की संयुक्त दल द्वारा आरोपी मुरली टंडन पिता चंद्रहास नेतराम डहरिया पिता तोरण एवं एक अन्य के रिहायशी मकान से 360 पाव कुल 64.8 बल्क लीटर देशी मदिरा मसाला, खाली शीशी 52 नग, ढक्कन 52 नग एवं एक प्लास्टिक जरीकेन में 15 लीटर रंगीन पानी जप्त किया गया। देशी मदिरा मसाला का बाजार मूल्य 36,000 होना पाया गया। आरोपी मुरली टंडन पिता चंद्रहास नेतराम डहरिया पिता तोरण एवं एक अन्य सा. इंदोरी थाना पिपरीया जिला कबीरधाम के विरूद्ध छत्तीसगढ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (2), 36, 38 (क) 59 (क) का प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया।

आपदा पीड़ित परिवार को 4 लाख की आर्थिक सहायता

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। प्राकृतिक आपदा से मृत व्यक्ति के निकट परिजन के लिए लिए 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने राजस्व पुस्तक परिपत्र की धारा 6-4 के तहत ये स्वीकृति प्रदान की हैं। जिला कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित व्यक्ति छबेली जांगड़े पति जगदीश कुमार जांगड़े, निवासी ग्राम दतरेंगी, तहसील पलारी के कुंआ के पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी।

पानी की समस्या से त्रस्त ग्रामीणों ने सभापति प्रकाश सिन्हा को सौंपा ज्ञापन

पेयजल संकट पर फूटा ग्रामीणों का आक्रोश, सात दिन का अल्टीमेटम

■ **जल संकट से बेहाल तीन गांव, समाधान नहीं तो बसना-पदमपुर मार्ग को करेंगे जाम**

बसना/नवप्रदेश। जनपद पंचायत बसना अंतर्गत ग्राम पलसापली (अ), परगला एवं कलकसा के ग्रामीणों ने लंबे समय से चली आ रही गंभीर पेयजल एवं निस्तारी जल समस्या के निराकरण की मांग को लेकर क्षेत्र के जनपद सदस्य एवं सभापति प्रकाश सिन्हा को हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन सौंपा।

ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कई महीनों से तीनों गांवों में पेयजल एवं निस्तारी जल का गंभीर संकट बना हुआ है। गांवों के हैंडपंप, नल-जल योजना एवं अन्य जल स्रोत पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं, जिसके कारण महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों सहित आम नागरिकों को प्रतिदिन भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं

पशुधन के लिए भी पानी की समस्या विकराल रूप धारण कर चुकी है।

ज्ञापन में ग्रामीणों ने उल्लेख किया है कि समस्या के समाधान हेतु वे पूर्व में सुशासन तिहार, कलेक्टर जनदर्शन सहित विभिन्न स्तरों पर कई बार मौखिक एवं लिखित शिकायतें और आवेदन प्रस्तुत कर चुके हैं, लेकिन आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं हो सका है। लगातार उपेक्षा के कारण ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति आक्रोश एवं निराशा का माहौल है।

ग्रामीणों ने श्री सिन्हा से मांग की है कि वे संबंधित विभागों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर शीघ्र बैठक आयोजित कराएं तथा समस्या के स्थायी समाधान के लिए आवश्यक एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

ज्ञापन में यह भी चेतावनी दी गई है कि यदि 7 दिनों के भीतर समस्या के समाधान हेतु कोई ठोस पहल नहीं की जाती है, तो ग्रामीण अपने संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करते हुए चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर बसना-पदमपुर मुख्य मार्ग पर चक्का जाम करने के लिए भी बाध्य होंगे। ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली समस्त परिस्थितियों की जिम्मेदारी संबंधित विभाग एवं प्रशासन की होगी।

इस संबंध में सभापति प्रकाश सिन्हा ने कहा कि क्षेत्र में पेयजल संकट कोई नई समस्या नहीं है, बल्कि यह वर्षों पुरानी समस्या है, जिस पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि जनपद पंचायत की निधि सीमित होने के कारण कई आवश्यक विकास कार्य प्रभावित होते हैं, फिर भी वे इस गंभीर जनसमस्या के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं। श्री सिन्हा ने आश्वासन दिया कि वे शीघ्र ही संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक पहल करेंगे तथा क्षेत्र की जनता को पेयजल संकट से राहत दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।

सुशासन तिहार 2026 का अंतिम शिविर ग्राम गोड़म में सफलतापूर्वक सम्पन्न

सारंगढ़-बिलाईगढ़/नवप्रदेश। सुशासन तिहार 2026 का अंतिम शिविर सारंगढ़ विकासखंड के ग्राम गोड़म में सफ्लतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू, जिला पंचायत सदस्य लता लक्ष्मे एवं अन्य जनप्रतिनिधि अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। अतिथियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। शिविर में 696 आवेदन प्राप्त हुआ, जिसमें सबसे ज्यादा आवेदन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग का 480 और महिला एवं बाल विकास विभाग का 104 था।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दो बच्चों का अन्नप्राशन एवं दो हितग्राहियों की गोदभराई की गई। विभाग द्वारा रेडी-टू-ईट सामग्री से तैयार छत्तीसगढ़ी व्यंजनों एवं पौष्टिक आहार का आकर्षक स्टॉल भी लगाया गया, जिसका कलेक्टर ने अवलोकन किया। वहीं महिला स्व-सहायता समूहों की लखपति दीदियों द्वारा हल्दी पाउडर, मनिहारी सामग्री एवं अन्य उत्पादों के स्टॉल लगाए गए थे। कलेक्टर ने इन स्टॉलों का निरीक्षण कर महिलाओं के कार्यों की सराहना की।

जनपद उपाध्यक्ष तरुण व्यवहार ने किया समर क्लास का निरीक्षण, बच्चों का बढ़ाया उत्साह

बागबाहरा/नवप्रदेश। विकासखंड बागबाहरा अंतर्गत पीएम श्री शासकीय प्राथमिक शाला खोपली में 5 जून से 14 जून तक आयोजित समर क्लास का निरीक्षण करने जनपद पंचायत उपाध्यक्ष तरुण व्यवहार पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बच्चों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा नियमित अध्ययन एवं विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया।समर क्लास में बच्चों को स्पोकन इंग्लिश, क्राफ्ट डिजाइन, पेंटिंग, सिंगिंग सहित विभिन्न रचनात्मक एवं शैक्षणिक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बच्चों ने उत्साहपूर्वक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए अंग्रेजी में ट्रैफिक सिग्नल पर कविता सुनाई तथा अपने द्वारा तैयार किए गए क्राफ्ट एवं पेंटिंग का प्रदर्शन किया, जिसकी उपाध्यक्ष ने सराहना की।

प्रधान पाठिका सोहद्रा देवांगन ने विद्यालय में संचालित समर क्लास की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बच्चों का परिचय कराया। उन्होंने बताया कि समर क्लास में बच्चों की सहभागिता लगातार बढ़ रही है और वे नई-नई गतिविधियों को सीखने में रुचि ले रहे हैं।

इस अवसर पर श्री व्यवहार ने कहा कि नए शिक्षा सत्र से पूर्व इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। समर क्लास में बच्चों की अधिक उपस्थिति एवं शिक्षा के प्रति उनकी लगन देखकर उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों की सराहना की।

निरीक्षण के दौरान सरपंच विद्यासागर ठाकुर एवं प्राचार्य भोपाल नायक ने विद्यालय की मूलभूत आवश्यकताओं एवं जर्जर भवन के जीर्णोद्धार की मांग रखी।

सुशासन तिहार-2026 का अंतिम शिविर ग्राम गोड़म में सफलतापूर्वक सम्पन्न

■ **शिविर में 696 आवेदन, पंचायत के 480 और महिला एवं बाल विकास विभाग क़ो मिले 104 आवेदन**

सारंगढ़-बिलाईगढ़/नवप्रदेश। सुशासन तिहार 2026 का अंतिम शिविर सारंगढ़ विकासखंड के ग्राम गोड़म में सफ्लतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू, जिला पंचायत सदस्य लता लक्ष्मे एवं अन्य जनप्रतिनिधि अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। अतिथियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। शिविर में 696 आवेदन प्राप्त हुआ, जिसमें सबसे ज्यादा आवेदन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग का 480 और महिला एवं बाल विकास विभाग का 104 था।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दो बच्चों का अन्नप्राशन एवं दो हितग्राहियों की गोदभराई की गई। विभाग द्वारा रेडी-टू-ईट सामग्री से तैयार छत्तीसगढ़ी व्यंजनों एवं पौष्टिक आहार का आकर्षक स्टॉल भी लगाया गया, जिसका कलेक्टर ने अवलोकन किया। वहीं महिला स्व-सहायता समूहों की लखपति दीदियों द्वारा हल्दी पाउडर, मनिहारी सामग्री एवं अन्य उत्पादों के स्टॉल लगाए गए थे। कलेक्टर ने इन स्टॉलों का निरीक्षण कर महिलाओं के कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर लखपति दीदियों ने अपने अनुभव साझा किए, जिससे अन्य महिलाओं को स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरणा मिली।

समाज कल्याण विभाग द्वारा एक वृद्धजन को ट्राइसाइकिल तथा तीन वृद्धजनों को छड़ी प्रदान की गई।

डौंडीलोहारा में कबाड़ व्यवसायियों के अतिक्रमण से आमजन त्रस्त, कलेक्टर से शिकायत पर कार्रवाई नहीं

■ **वार्ड पार्षद शिवानी रजत भंसाली ने संभाला मोर्चा**

डौंडीलोहारा (बालोद)/नवप्रदेश। नगर पंचायत डौंडीलोहारा के वार्ड क्रमांक 10 एवं 11 में रहवासी क्षेत्रों के बीच संचालित कबाड़ व्यवसाय और उनके द्वारा किए जा रहे अतिक्रमण से आम नागरिकों का जीवन गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। कई बार शिकायतों और प्रशासन को अवगत कराने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से वार्डवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। इस पूरे मामले की शिकायत अब सीधे माननीय मुख्यमंत्री जी से करने की तैयारी की जा रही है।

वार्ड क्रमांक 11 की पार्षद श्रीमती शिवानी रजत भंसाली ने इस गंभीर समस्या को लेकर जिला कलेक्टर महोदया को विस्तृत शिकायती पत्र सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की थी, किंतु शिकायत के पश्चात भी प्रशासन की ओर से कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। इससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े हो रहे हैं।

बच्चों की सुरक्षा पर मंडरा रहा खतरा-वार्ड क्रमांक 10 एवं 11 पूर्णतः आवासीय क्षेत्र हैं, जहाँ कबाड़ व्यवसायियों द्वारा बड़े-बड़े ट्रक, मेटाडोर और पिकअप वाहनों को सड़कों पर खड़ा कर लोडिंग-अनलोडिंग की जाती है। कबाड़ सामग्री सड़क और मुख्य मार्ग तक फैला दी जाती है, जिससे आम नागरिकों, महिलाओं और बुजुर्गों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे भयावह स्थिति यह है कि बच्चों की खेलने की जगह भी सुरक्षित नहीं बची है, क्योंकि वहां भी कबाड़ सामग्री भर दी गई है।

स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि सड़कों पर कांच के टुकड़े, लोहे की धारदार कतरनें और अन्य खतरनाक सामग्री बिखरी रहती हैं। आसपास खेलने वाले मासूम बच्चों के घायल होने का खतरा लगातार बना हुआ है। वहीं, आए दिन वाहन चालकों के टायर पंचर हो रहे हैं और दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ती जा रही है।

गर्मी के मौसम में प्लास्टिक एवं अन्य ज्वलनशील कबाड़ सामग्री के कारण आग लगने की भी आशंका बनी हुई है, जिससे पूरे मोहल्ले की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। पानी की समस्या और आपातकालीन सेवाएं भी प्रभावित वार्ड में पहले से ही पानी की समस्या बनी हुई है। सड़कों पर खड़े भारी वाहनों और अतिक्रमण के कारण पानी के टैंकरों का आवागमन बाधित होता है।

कर्ज माफी से वंचित किसानों ने नीलामी रोकने की उठाई मांग, किसान नेता चंदेल बोले- किसानों के साथ हो रहा अन्याय

आईडीबीआई बैंक के खिलाफ किसानों ने खोला मोर्चा

धमधा/नवप्रदेश। किसान बंधु संगठन धमधा ब्लॉक के नेतृत्व में बुधवार को बड़ी संख्या में किसानों ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) धमधा को ज्ञापन सौंपकर कृषि ऋण वसूली एवं भूमि नीलामी की कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। किसानों ने आरोप लगाया कि राज्य की कर्ज माफी योजना के दौरान कई किसानों का ऋण पूर्ण रूप से माफकर दिया गया, जबकि समान परिस्थितियों वाले अनेक किसानों को इस लाभ से वंचित रखा गया।

ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम खपरी (परसबोड़), कुटहा, पेंड्री

एवं खैरझिटी के किसानों ने आईडीबीआई बैंक, नेहरू नगर भिलाई से कृषि कार्य के लिए ऋण लिया था। किसानों का कहना है कि कर्ज माफी योजना लागू होने के समय बैंक और संबंधित विभागों द्वारा ऋण माफी की स्थिति को लेकर स्पष्ट एवं पारदर्शी जानकारी नहीं दी गई। इसी वजह से कई किसानों को यह विश्वास हो गया कि उनका ऋण भी माफहो जाएगा।

किसानों ने आरोप लगाया कि बैंक की उदासीनता और जानकारी के अभाव के कारण उन्हें समय पर यह नहीं बताया गया कि उनका ऋण माफहुआ है या नहीं। बाद में जब बैंक ने ऋण वसूली और भूमि नीलामी के नोटिस जारी करने शुरू किए, तब किसानों को वास्तविक स्थिति की जानकारी मिली। किसानों के अनुसार बैंक की लापरवाही का खामियाजा अब उन्हें आर्थिक संकट और मानसिक प्रताड़ना के रूप में भुगतना पड़ रहा है।किसानों ने ज्ञापन में कहा कि पहले 18 किसानों का पूर्ण कर्ज माफ किया जा चुका है, लेकिन शेष किसानों को इसका लाभ नहीं मिला। इससे किसानों में भारी नाराजगी है। उनका कहना है कि एक ओर कुछ किसानों को राहत दी गई, वहीं दूसरी ओर बाकी किसानों के खिलाफवसूली और नीलामी की कार्रवाई की जा रही है, जो अन्यायपूर्ण है।

ज्ञापन के माध्यम से किसानों ने मांग की है कि ऋण वसूली एवं भूमि नीलामी की सभी कार्रवाईयों पर तत्काल रोक लगाई जाए, कर्ज माफी से वंचित किसानों के मामलों की निष्पक्ष जांच कर उन्हें उचित लाभ दिलाया जाए ।

तथा बैंक की लापरवाही की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। साथ ही किसानों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए बकाया ऋण, ब्याज और दंडात्मक शुल्क में विशेष रियायत

भाजपा का विशेष जनसंपर्क अभियान

पिथौरा/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे ÷विशेष जनसंपर्क अभियान÷ के अंतर्गत आज पूर्व सांसद चुन्नीलाल साहू, भाजपा जिला प्रवक्ता स्वप्निल तिवारी, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि पुरुषोत्तम घृतलहरे, मंडल महामंत्री जतीन ठक्कर एवं राजेश चौधरी ने शिवशंकर पटनायक सेवानिवृत्त संयुक्त पंजीयक सहकारिता एवं वरिष्ठ साहित्यकार प्रवीण प्रवाह से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर क्षेत्र, प्रदेश एवं देश से जुड़े विभिन्न समसामयिक विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

मुलाकात के दौरान केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, क्षेत्र के विकास कार्यों,

सामाजिक सरोकारों तथा आमजन की अपेक्षाओं पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही जनसंपर्क अभियान के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को जानने का प्रयास किया गया।

इस अवसर पर पूर्व सांसद चुन्नीलाल साहू ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का जनसंपर्क अभियान केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के प्रबुद्ध एवं अनुभवी व्यक्तियों से मार्गदर्शन प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के अनुभव और सुझाव राष्ट्र निर्माण की दिशा में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में हो रहे विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

एकादशी पर श्रीमन्नारायण को अर्पित हुई सवा लाख तुलसी, वैदिक मंत्रोच्चार से गुंजायमान हुआ लक्ष्मीनारायण मंदिर

- **हरिहर महायज्ञ में उमड़ा आस्था का सैलाब, श्रद्धालुओं ने लिया तुलसी अर्चना का पुण्य लाभ**

जगदलपुर/नवप्रदेश। शहर के पनारापारा स्थित प्राचीन लक्ष्मीनारायण मंदिर में गुरुवार को एकादशी पर्व के अवसर पर भक्ति, श्रद्धा और वैदिक परंपराओं का अद्भुत संगम देखने को मिला। हरिहर महायज्ञ के अंतर्गत भगवान श्रीमन्नारायण को सवा लाख तुलसी दल अर्पित कर विशेष अर्चना की गई। देश के विभिन्न प्रांतों से पहुंचे वेदपाठी प्रकांड विद्वानों के वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान विष्णु की आराधना कर सुख, समृद्धि एवं विश्व कल्याण की कामना की।

एकादशी पर्व होने के कारण सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। मंदिर परिसर ÷? नमो नारायणाय÷ और वैदिक मंत्रों की पावन ध्वनि से गुंजायमान रहा। बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से तुलसी अर्चना कर पुण्य लाभ अर्जित किया। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी, जिससे सभी भक्त सुव्यवस्थित ढंग से धार्मिक अनुष्ठान में शामिल हो सकें।

बस्तर में पहली बार हो रहा भव्य हरिहर महायज्ञ

आचार्य पंडित रोमितराज त्रिपाठी ने बताया कि बस्तर संभाग में पहली बार इतने व्यापक स्तर पर हरिहर महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इस महायज्ञ का उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि विश्व शांति, मानव कल्याण, सामाजिक समरसता और सनातन संस्कृति के संरक्षण का संदेश देना भी है। उन्होंने कहा कि एकादशी के दिन भगवान विष्णु को तुलसी अर्पित करने का विशेष महत्व माना गया है और सवा लाख तुलसी अर्चना का यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए दुर्लभ आध्यात्मिक अवसर है।

आज होगा 108 ब्राह्मणों का पूजन एवं ब्राह्मण भोज

हरिहर महायज्ञ के पांचवे दिन शुक्रवार को विशेष धार्मिक कार्यक्रम के तहत 108 ब्राह्मणों का पूजन, वरण एवं ब्राह्मण भोज आयोजित किया जाएगा। लक्ष्मीनारायण मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित किशोर तिवारी ने बताया कि एक साथ 108 ब्राह्मणों का पूजन और सम्मान अत्यंत दुर्लभ धार्मिक अवसर माना जाता है। उन्होंने शहर एवं आसपास के क्षेत्र के श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इस पुण्य आयोजन का साक्षी बनने का आग्रह किया है। उनके अनुसार सनातन परंपरा में ब्राह्मण सेवा और सम्मान को विशेष महत्व प्राप्त है तथा इस प्रकार के आयोजन समाज में धार्मिक चेतना और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं।

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रत्येक दंपति और श्रद्धालु समूह को एक - एक घंटे का समय निर्धारित किया गया था, ताकि सभी भक्त शांतिपूर्वक एवं विधिवत अर्चना कर सकें। आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनूठा वातावरण बना रहा। दूर-दराज़ क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बताते हुए इसकी सराहना की। आयोजन समिति के अनुसार हरिहर महायज्ञ के आगामी दिनों में भी विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, पूजन एवं वैदिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

धर्म जागरण और विश्व शांति की कामना

आचार्य पंडित रोमितराज त्रिपाठी ने बताया कि बस्तर संभाग में पहली बार आयोजित हो रहा यह हरिहर महायज्ञ श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक साधना,धर्म जागरण और विश्व शांति की कामना का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है, वहीं मुख्य पुजारी पंडित किशोर तिवारी ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से आगामी धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता करने की अपील की है।

स्व. पंडित रामदास वैष्णव की स्मृति में संगीत साधना का भव्य उत्सव

जगदलपुर/नवप्रदेश। जगदलपुर की शास्त्रीय संगीत को समर्पित संस्था श्री दंतेश्वरी संगीत महाविद्यालय द्वारा अपने संस्थापक स्वर्गीय पंडित रामदास वैष्णव की स्मृति में वार्षिक उत्सव का आयोजन शौर्य भवन (लालबाग) में किया गया। दीप प्रज्ज्वलन के साथ प्रारंभ हुए कार्यक्रम की शुरुआत छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना की मधुर प्रस्तुति से हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने अलंकार एवं राग यमन से लेकर दरबारी, दुर्गा, बिहाग, असावरी सहित लगभग 15 रागों की सुमधुर और लालित्यपूर्ण प्रस्तुतियां दीं, जिन्होंने श्रोताओं को देर रात तक भावविभोर बनाए रखा। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बड़े ख्याल एवं छोटे ख्याल की प्रस्तुति देते हुए आलाप विस्तार, सुंदर तानों और तराना के माध्यम से अपनी संगीत साधना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्या ने राग मारु बिहाग में एक बंदिश प्रस्तुत की, जिसे उपस्थित संगीत प्रेमियों ने खूब सराहा। कार्यक्रम का समापन भैरवी की प्रस्तुति के साथ हुआ। महाविद्यालय की प्राचार्या संध्या वैष्णव ने बस्तर अंचल में विगत कई वर्षों से प्रदान की जा रही संगीत सेवाओं का उल्लेख करते हुए संगीत के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अतिथियों ने भी अपने संबोधन में संगीत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्ता पर विचार व्यक्त किए तथा कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। जगदलपुर नगर निगम के महापौर (महापौर) संजय पांडे, बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) पी सुंदरराज,बस्तर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) शलभ सिन्हा, मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) स्टायलो मंडावी सहित शहर के गणमान्य नागरिक एवं संगीत रसिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

बस्तर में 70 गांवों के सरपंचों का प्रशासन के खिलाफ मोर्चा, सामूहिक इस्तीफे की चेतावनी

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर जिले की ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों के लिए पर्याप्त फंड नहीं मिलने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। जिले के लगभग 70 सरपंचों ने शासन-प्रशासन के खिलाफमोर्चा खोलते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है। सरपंचों का आरोप है कि पंचायतों को मूलभूत मद और 16वें वित्त आयोग की राशि समय पर नहीं मिल रही है, जिससे गांवों में विकास कार्य पूरी तरह प्रभावित हो गए हैं। सरपंचों का कहना है कि फंड के अभाव में सड़क, पुल-पुलिया सहित अन्य निर्माण कार्य ठप पड़े हैं। इसके अलावा वृद्धावस्था पेंशन का भुगतान भी पिछले पांच माह से नहीं होने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में कई बार प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। जैतगिरि (बकावंड) के सरपंच गोपाल कश्यप ने कहा कि पंचायतों में विकास कार्यों के लिए राशि उपलब्ध नहीं होने से ग्रामीणों की समस्याएं बढ़ रही हैं और जनप्रतिनिधियों को लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है। गढ़िया (चित्रकोट) के सरपंच भरत कश्यप ने बताया कि पंचायतों के पास आवश्यक कार्यों के लिए धनराशि नहीं है, जिसके कारण कई योजनाएं अधूरी पड़ी हैं और ग्रामीण विकास प्रभावित हो रहा है। सरपंच संघ बस्तर के अध्यक्ष रेदु नाग ने कहा कि यदि 15 दिनों के भीतर पंचायतों को आवश्यक राशि जारी नहीं की गई तो जिले के सरपंच सामूहिक रूप से इस्तीफा देने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने प्रशासन से तत्काल मांगों पर कार्रवाई करने की अपील की है।

महंगाई भत्ता सहित छह सूत्रीय मांगों को लेकर कर्मचारियों का प्रदर्शन, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जगदलपुर/नवप्रदेश। महंगाई भत्ता सहित छह सूत्रीय मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के आह्वान पर बुधवार को जगदलपुर में शासकीय कर्मचारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। कलेक्टर चौक में बड़ी संख्या में एकत्र हुए कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी करते हुए राज्य सरकार का ध्यान लंबित मुद्दों की ओर आकर्षित किया। कर्मचारियों ने केंद्र के समान महंगाई भत्ता प्रदान करने, कर्मचारियों से जुड़े लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण करने तथा कर्मचारी हितों की रक्षा के लिए आवश्यक निर्णय लेने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि लंबे समय से उनकी मांगों पर निर्णय नहीं होने से कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है और शासन को इस दिशा में शीघ्र पहल करनी चाहिए। प्रदर्शन के बाद कर्मचारी रैली के रूप में कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और मुख्यमंत्री तथा मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन के नाम संबोधित ज्ञापन बस्तर कलेक्टर को सौंपा। ज्ञापन में महंगाई भत्ता सहित छह सूत्रीय मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया गया। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि यदि कर्मचारियों की मांगों पर जल्द विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक स्वरूप दिया जाएगा।

किसान कांग्रेस की आक्रोश रैली, 9 सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

- **खाद-बीज की कालाबाजारी और कृषि संकट पर सरकार को घेरा**
- **मांगें पूरी नहीं होने पर जिलेभर में आंदोलन की चेतावनी**

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर जिला किसान कांग्रेस ने किसानों की विभिन्न समस्याओं और कृषि कार्यों में आ रही बाधाओं को लेकर गुरुवार को आक्रोश रैली निकाली। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य के नेतृत्व तथा जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष दयाराम कश्यप की अगुवाई में आयोजित रैली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और किसान नेताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर बस्तर को 9 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा।

रैली के दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि खरीफसीजन में किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद और बीज उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं, जिससे खेती-किसानी प्रभावित हो रही है। कालाबाजारी और जमाखोरी के कारण किसानों को अधिक कीमत पर खाद-बीज खरीदना पड़ रहा है। ज्ञापन में खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने, कालाबाजारी पर रोक लगाने, धान खरीदी केंद्रों की जांच कराने तथा किसानों को समय पर कृषि ऋण उपलब्ध कराने सहित विभिन्न मांगें शामिल हैं।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि प्रदेश का किसान बढ़ती लागत, आर्थिक संकट और प्रशासनिक उदासीनता से जूझ रहा है। उनका आरोप है कि सरकार किसानों की समस्याओं के समाधान के बजाय प्रचार-प्रसार में अधिक ध्यान दे रही है। किसान कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो जिलेभर में व्यापक जन आंदोलन शुरू किया जाएगा।

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा कि कृषि प्रधान प्रदेश में किसानों को उनकी मूलभूत जरूरतों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, जो सरकार की नीतियों की विफलता को दर्शाता है। वहीं जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष दयाराम कश्यप ने कहा कि किसान कांग्रेस किसानों के अधिकारों की लड़ाई लगातार लड़ती रहेगी और उनकी अनदेखी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी।

इस अवसर पर पूर्व विधायक रेखचंद जैन,ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला सहित किसान कांग्रेस और कांग्रेस संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

किसानों को समय पर कृषि ऋण उपलब्ध कराए

प्रमुख मांगें किसान कांग्रेस ने ज्ञापन के माध्यम से सहकारी समितियों और अधिकृत केंद्रों में पर्याप्त खाद-बीज उपलब्ध कराने, कालाबाजारी और जमाखोरी पर तत्काल रोक लगाने, दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने,धान खरीदी केंद्रों में हुई अनियमितताओं की जांच कराने तथा किसानों को समय पर कृषि ऋण उपलब्ध कराने सहित 9 सूत्रीय मांगों को तत्काल पूरा करने की मांग की है। संगठन ने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई से संभव है।

अधूरी सड़क को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन भाजपा सरकार पर साधा निशाना

जगदलपुर/नवप्रदेश। शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने शहर के एक प्रमुख एवं व्यस्त मार्ग पर लंबे समय से अधूरे पड़े सड़क निर्माण कार्य को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफविरोध प्रदर्शन किया। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य के नेतृत्व तथा व्यापारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष एवं मोतीलाल नेहरू वार्ड के छाया पार्षद राजेंद्र पटवा की अगुवाई में आयोजित प्रदर्शन में कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सड़क की बदहाल स्थिति को जनता की परेशानी और प्रशासनिक उदासीनता का परिणाम बताते हुए विरोध जताया।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सड़क निर्माण कार्य महीनों से अधूरा पड़ा है, जिससे प्रतिदिन हजारों लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क पर गड्ढों, उखड़े हिस्सों और अधूरे निर्माण के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। साथ ही धूल, गंदगी और यातायात बाधित होने से आम नागरिकों के साथ-साथ व्यापारियों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है।

नयापारा मुख्य मार्ग का चौड़ीकरण कार्य पूर्ण होने पर शहर की प्रमुख सड़कों में होगा शामिल

- **निर्माण कार्य को लेकर विरोध-प्रदर्शन के बीच भाजपा पार्षद ने रखी स्थिति**

जगदलपुर/नवप्रदेश। मोतीलाल नेहरू वार्ड में निर्माणाधीन नयापारा मुख्य मार्ग को लेकर बुधवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान वार्ड पार्षद ने प्रदर्शनस्थल पहुंचकर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं का स्वागत किया तथा निर्माण कार्य की प्रगति और उद्देश्य के संबंध में जानकारी साझा की।

पार्षद ने कहा कि नयापारा मुख्य मार्ग का चौड़ीकरण स्पष्ट योजना, साफ नीयत और जनहित को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सड़क की चौड़ाई बढ़ाने के लिए बस्तर हाई स्कूल एवं छात्रावास की बाउंड्री वॉल को पीछे किया जा रहा है। साथ ही मार्ग में स्थित दो वाटर पंप हाउस को स्थानांतरित करने तथा नई पाइपलाइन बिछाने से जुड़ी तकनीकी प्रक्रियाओं को भी पूरा किया जा रहा है, जिसके कारण कार्य में कुछ समय लग रहा है।उन्होंने कहा कि तेजी से विस्तार पा रहे शहर और बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए इस परियोजना को प्राथमिकता दी गई है।

अवैध रेत भंडारण पर खनिज विभाग की कार्रवाई, दो प्रकरण दर्ज

- **छिन्दगांव में बिना अनुमति रेत का भंडारण मिला, सामग्री जब्त**

जगदलपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशानुसार जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर नियंत्रण के लिए खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खनि अधिकारी शिखर चेरपा के मार्गदर्शन में जिला खनिज जांच दल ने 9 जून को बस्तर जिले के करपावण्ड तहसील अंतर्गत ग्राम छिन्दगांव क्षेत्र में औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान छिन्दगांव निवासी जयकिशोर गुप्ता एवं शरद बघेल द्वारा खनिज रेत का बिना किसी वैध अनुमति अथवा दस्तावेज के दो अलग-अलग स्थानों पर अवैध भंडारण किया जाना पाया गया। जांच दल ने नियमानुसार रेत को जब्त करते हुए दोनों मामलों में प्रकरण दर्ज किया तथा संबंधित व्यक्तियों को मौके पर ही नोटिस जारी किया।

खनिज विभाग के अनुसार इन प्रकरणों में खनिज विकास एवं विनियमन अधिनियम 1957 की धारा 21(5) तथा छत्तीसगढ़ खनिज (खनन, परिवहन एवं भंडारण) नियम 2009 के तहत दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पहाड़ बचाओ पदयात्रा, आरती स्पंज और डिपॉजिट-4 खदान परियोजना का विरोध

जंगलों से निकलकर हजारों आदिवासी पहुंचे जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा

दंतेवाड़ा/नवप्रदेश। दंतेवाड़ा जिले के ग्राम आलनार में प्रस्तावित आरती स्पंज कंपनी एवं डिपॉजिट-4 खदान परियोजना के विरोध में गुरुवार को बस्तरिया राज मोर्चा के नेतृत्व में विशाल ÷पहाड़ बचाओ पदयात्रा÷ निकाली गई। आलनार से शुरू हुई यह पदयात्रा लगभग 55 किलोमीटर की दूरी तय कर जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा पहुंची, जहां हजारों की संख्या में आदिवासी ग्रामीणों ने राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर खनन परियोजनाओं का विरोध दर्ज कराया

कलेक्ट्रेट पहुंचते ही प्रदर्शनकारियों ने राज्य और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ÷पहाड़ बचाओ÷, ÷जल-जंगल-जमीन बचाओ÷ और खनन विरोधी नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बैलाडीला क्षेत्र में आदिवासियों की सहमति के बिना खनन परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है, जिससे उनकी आस्था, संस्कृति और आजीविका पर खतरा मंडरा रहा है।

पहाड़ हमारी आस्था और पहचानः प्रदर्शन में शामिल ग्रामीणों ने कहा कि बैलाडीला के पहाड़ केवल खनिज संपदा नहीं बल्कि आदिवासी समाज की आस्था और संस्कृति के केंद्र हैं। इन पहाड़ों को देवी-देवताओं का निवास माना जाता है तथा पीढ़ियों से यहां पूजा-अर्चना की परंपरा चली आ रही है। ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि उनकी सहमति के बिना किसी भी प्रकार का खनन कार्य स्वीकार नहीं किया जाएगा।

सोनी सोढ़ी ने सरकार और कंपनियों पर साधा निशानाः दंतेवाड़ा पहुंचने के बाद कलेक्टर कार्यालय के सामने आयोजित आमसभा में सामाजिक कार्यकर्ता सोनी सोढ़ी ने भी सरकार और निजी कंपनियों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बस्तर की खनिज संपदा को निजी कंपनियों के हवाले किया जा रहा है, जबकि स्थानीय लोगों को आज तक अपेक्षित विकास नहीं मिला। उन्होंने कहा कि जल, जंगल, जमीन और पहाड़ों की रक्षा के लिए संघर्ष लगातार जारी रहेगा तथा आदिवासी समाज अपनी पहचान और आस्था से जुड़े पहाड़ों को किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ेगा।

आंदोलन तेज करने की चेतावनी : सभा को संबोधित करते हुए ग्रामीण प्रतिनिधि विमला सोढ़ी ने कहा कि पहाड़, जंगल और प्राकृतिक संसाधन आदिवासी समाज की जीवनरेखा हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने ग्रामीणों की मांगों को नजरअंदाज किया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

तरलमेटा पहाड़ की लीज पर उठे सवाल

पदयात्रा का नेतृत्व कर रहे बस्तरिया राज मोर्चा के संस्थापक मनीष कुंजाम ने कहा कि आलनार क्षेत्र के तरलमेटा पहाड़ की लीज आरती स्पंज कंपनी को दी गई है, जबकि मौके पर न तो खदान तक पहुंचने का रास्ता मौजूद है और न ही किसी प्रकार का खनन कार्य शुरू हुआ है। इसके बावजूद कंपनी द्वारा वर्षों से उत्पादन और परिवहन दर्शाया जाना गंभीर अनियमितता का संकेत है। उन्होंने मामले की उच्चस्तरीय जांच और कार्रवाई की मांग की। उन्होंने किरंदुल क्षेत्र की 13 नंबर पहाड़ी तथा भांसी स्थित डिपॉजिट-4 खदान परियोजना पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि लगातार खनन विस्तार से बैलाडीला क्षेत्र की पारिस्थितिकी और आदिवासी अस्तित्व दोनों प्रभावित हो रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन का असर अब भारत में साफऔर बेहद खतरनाक रूप में दिखने लगा है. देश में पर्यावरण, वन्यजीव और मौसम के पैटर्न में बड़े बदलाव आ रहे हैं. सबसे चिंताजनक स्थिति हीटवेव की है, जिसके दिनों में पिछले कुछ वर्षों में बेतहाशा बढ़ोतरी दर्ज की गई है. इन आंकड़ों से साफ है कि भारत एक तरफजहां गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रहा है, वहीं दूसरी तरफतकनीक और संरक्षण के जरिए इनसे निपटने की कोशिशें भी की जा रही हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत में क्लाइमेट चेंज के कारण हीटवेव की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं. अगर पिछले 13 सालों के आंकड़ों पर नजर डालें, तो भारत में हीटवेव के दिनों की संख्या दोगुनी हो चुकी है।

13 सालों में दोगुना हुआ इंडिया में हीटवेव का कहर

उत्तर भारत, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में हीटवेव की अवधि और तीव्रता बढ़ गई है. 2024-2025 के ग्रीष्मकाल में कई राज्यों में 40-45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर का तापमान कई हफ्तों तक बना रहा, जिसने रिकॉर्ड तोड़ दिए। पहले जहां हीटवेव मुख्य रूप से अप्रैल-मई तक सीमित रहती थी, अब मार्च से जून तक और कभी-कभी जुलाई में भी इसका असर दिखने लगा है।

नई दिल्ली/ए.। साल 2013 में जहां देश में लगभग 100 दिन हीटवेव के दर्ज किए गए थे, वहीं अब यह आंकड़ा बढ़कर 200 दिनों के पार पहुंच चुका है। सरकार द्वारा संसद में दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, साल 2024 में भारतीय क्षेत्र में रिकॉर्ड 554 हीटवेव दिन देखे गए, जबकि साल 2023 में यह संख्या 230 दिन थी. यानी सिर्फएक साल के भीतर ही हीटवेव के दिनों में दोगुने से भी ज्यादा का उछाल आया है, जो यह दर्शाता है कि ग्लोबल वार्मिंग और स्थानीय मौसमी बदलाव कितनी तेजी से भारत को अपनी चपेट में ले रहे हैं। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, जब किसी क्षेत्र में अधिकतम तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस या उससे ज्यादा हो जाए और यह स्थिति कम से कम दो दिन तक बनी रहे, तो उसे हीटवेव कहा जाता है। मैदानी इलाकों में 40 डिग्री सेल्सियस और पहाड़ी क्षेत्रों में 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर का तापमान हीटवेव की श्रेणी में आता है। हीटवेव सिर्फ गर्मी नहीं, बल्कि लू का रूप ले लेती है, जो इंसानी शरीर के लिए बेहद खतरनाक होती है. विशेष रूप से गरीब, मजदूर वर्ग, बुजुर्ग और बच्चे इससे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के आंकड़ों से साफ पता चलता है कि 2013 के मुकाबले अब हीटवेव के दिन दोगुने हो गए हैं।

जलवायु परिवर्तन क्यों जिम्मेदार?

जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक तापमान बढ़ रहा है. भारत में औसत तापमान 0.6 से 0.7 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है. ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती मात्रा वायुमंडल को गर्म कर रही है. मानवीय गतिविधियां जैसे जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल, जंगलों की कटाई, शहरीकरण और औद्योगीकरण इस वृद्धि के मुख्य कारण हैं. जलवायु मॉडल बताते हैं कि अगर ग्लोबल वार्मिंग यूं ही जारी रही, तो 2050 तक हीटवेव की संख्या और अवधि और भी ज्यादा बढ़ जाएगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूएसएमसीए पर फिर बढ़ाई चिंता

वाशिंगटन/ए.। ट्रंप ने USMCA पर फिर बढ़ाई अनिश्चितता, कहा- मुझे नहीं पता कि इसे रिन्यू करूंगा या नहीं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा समझौते (USMCA) के भविष्य को लेकर एक बार फिर अनिश्चितता पैदा कर दी है। उन्होंने साफ कहा कि अभी यह तय नहीं है कि अपने मौजूदा कार्यकाल में इस व्यापार समझौते को रिन्यू करेंगे या नहीं। व्हाइट हाउस में 'सिक्योर अमेरिका एक्ट' पर हस्ताक्षर करने के बाद ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, मुझे नहीं पता कि मैं इसे रिन्यू करूंगा या नहीं। ट्रंप ने USMCA की सबसे बड़ी खूबी बताते हुए कहा कि इसमें छह साल बाद समीक्षा का प्रावधान है, जिसके तहत अमेरिका इसे फिर से देख सकता है और जरूरत पड़ी तो खत्म भी कर सकता है। उन्होंने कहा, ÷यूएसएमसीए में मुझे सबसे अच्छी बात यही लगी कि यह छह साल बाद रिन्यूअल के लिए आ जाता है। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में NAFTA को खत्म करके स्स्ब्र लागू कराया था।

उन्होंने एक बार फिर पुराने समझौते की आलोचना करते हुए कहा, द्व्स्त्रङ्क हमारे देश के लिए आपदा था और अब तक का सबसे खराब व्यापार समझौता था। उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिका कनाडा और मेक्सिको दोनों की तुलना में कहीं मजबूत आर्थिक स्थिति में है और उसे इस ताकत का फायदा उठाना चाहिए। ट्रंप ने कहा- "हमें कनाडा से कुछ खास जरूरत नहीं है, हमें मेक्सिको से भी कुछ खास जरूरत नहीं है, लेकिन उन्हें हमारी बहुत जरूरत है। उन्हें हमारे साथ बेहतर व्यवहार करना होगा।"

व्यापार घाटे पर चिंता

राष्ट्रपति ट्रंप ने दोनों पड़ोसी देशों के साथ अमेरिका के व्यापार घाटे पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के साथ व्यापार में मुनाफा होना चाहिए, घाटा नहीं।

वैश्विक नेताओं ने भारत के साथ मिलकर आगे बढ़ने की जताई इच्छा, पीएम मोदी के नेतृत्व पर जताया भरोसा

नई दिल्ली। पीएम मोदी के भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर दुनियाभर के नेताओं की ओर से उन्हें बधाइयां मिल रही हैं। गुरुवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए पीएम मोदी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास जताया कि व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत भारत-यूएई संबंध और मजबूत होंगे।

शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷मैं अपने मित्र नरेंद्र मोदी को आधुनिक भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित सरकार प्रमुख रहने का रिकॉर्ड बनाने पर बधाई देता हूं। मैं उन्हें भारत को नई सभ्यतागत उपलब्धियों की ओर ले जाने के लिए शुभकामनाएं देता हूं। दोनों देशों की जनता की समृद्धि और विकास के लिए किए गए संयुक्त प्रयासों की बदौलत हाल के वर्षों में यूएई-भारत संबंधों में गुणात्मक बदलाव आया है। मुझे विश्वास है कि व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत आने वाले समय में ये संबंध और मजबूत होंगे।÷

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने भी पीएम मोदी को बधाई देते हुए कहा कि भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को आगे बढ़ाने में उनके साथ काम करना सुखद अनुभव रहा है।

उन्होंने एक्स पर लिखा, ÷भारत के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर नरेंद्र मोदी को बधाई। भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते को साकार करने के लिए आपके साथ काम करना मेरे लिए खुशी की बात रही है। आने वाले वर्षों में दोनों देशों के बीच सहयोग और मजबूत होगा।÷

ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने एक्स पर लिखा, ÷भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक लोकतांत्रिक तरीके से निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई। यह उपलब्धि भारतीय जनता के आपके नेतृत्व पर विश्वास को दर्शाती है। ताइवान भारत के साथ अपनी साझेदारी को और मजबूत करता रहेगा।÷

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने भी पीएम मोदी को प्रधानमंत्री पद पर 4,000 दिन से अधिक का कार्यकाल पूरा करने पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि जल्द ही आपसे फिर मुलाकात की उम्मीद है।

ऑस्ट्रिया के फेडरल चांसलर क्रिश्चन स्टॉकर ने एक्स पोस्ट में पीएम मोदी को बधाई देते हुए कहा, आपके नेतृत्व में भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक और ऑस्ट्रिया तथा यूरोपीय संघ का एक बहुत मजबूत सहयोगी बनकर उभरा है।

वहीं, बलूचिस्तान गणराज्य के आधिकारिक प्रतिनिधि मीर यार बलूच ने एक्स पर पोस्ट किया, बलूचिस्तान गणराज्य भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने पर हार्दिक बधाई देता है। बलूचिस्तान गणराज्य भारत के साथ रचनात्मक संबंध स्थापित करने और क्षेत्रीय लोगों के लिए शांति, समृद्धि और सुरक्षा में योगदान देने वाली साझेदारी के अवसरों का पता लगाने के लिए तत्पर है।

ममता और टीएमसी के साथ खड़ा रहना मेरा फर्ज : शत्रुघ्न

कोलकाता/ए.। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में फूट की चर्चाओं के बीच पार्टी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि वह ममता बनर्जी और टीएमसी के साथ मजबूती से खड़े रहेंगे। एक समाचार एजेंसी से बात करते हुए सिन्हा ने कहा कि ममता बनर्जी और पार्टी का साथ देना उनका कर्तव्य है।

शत्रुघ्न सिन्हा ने क्या कहा?

शत्रुघ्न सिन्हा ने सबसे पहले आसनसोल और पश्चिम बंगाल की जनता का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि वहां के लोगों ने उन्हें बहुत प्यार और समर्थन दिया है। उन्होंने बताया कि वह ममता बनर्जी के बुलावे और उनके निर्देश पर ही आसनसोल आए थे। उन्होंने वहां पहली बार उपचुनाव में रिकॉर्ड अंतर से जीत दर्ज की थी। इसके बाद दूसरी बार भी वह बड़े अंतर से चुनाव जीते।

'अगर सच बोलना बगावत है, तो मैं बागी हूं'

पिछले कुछ दिनों से सिन्हा को लेकर कई तरह की अफवाहें उड़ रही हैं। कुछ लोग कह रहे हैं कि वह बागी गुट में शामिल हो गए हैं। इस पर सिन्हा ने कहा कि वह स्वभाव से बेबाक हैं और हमेशा सच बोलते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर सच बोलना बगावत है, तो मैं बागी हूं।' लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि वह ममता बनर्जी को इस मुश्किल घड़ी में नहीं छोड़ सकते।

सिन्हा ने कहा कि वह बंगाल के सभी लोगों के लिए काम करते हैं, चाहे वे किसी भी पार्टी के हों।

एमपी की तीन सीटों पर बीजेपी के उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

भोपाल/ए.। मध्य प्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटों पर बीजेपी के उम्मीदवारों को आज ही जीत का प्रमाण पत्र दे दिया गया। दरअसल, नाम वापसी की समय-सीमा खत्म होने के बाद और केवल तीन पदों के लिए तीन ही नामांकन शेष रहने के चलते सभी उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। ऐसे में रिटर्निंग अधिकारी ने उन्हें प्रमाण पत्र सौंपा है।

बता दें कि राज्यसभा चुनाव के लिए आज 11 जून को दोपहर 3 बजे तक नाम वापसी की अंतिम समय-सीमा तय है। लेकिन कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के बाद स्थिति यह बन गई कि तीन सीटों के मुकाबले केवल तीन ही उम्मीदवार मैदान में रह गए, जिससे चुनाव निर्विरोध हो गया। जिसके बाद बीजेपी के तीनों राज्यसभा सांसदों का स्वागत पार्टी कार्यालय में करने की भी तैयारी की जा रही है। विधायक दल के बाद ये सभी नव-निर्वाचित सांसद बीजेपी प्रदेश कार्यालय पहुंचेंगे, जहां प्रदेश अध्यक्ष उनका स्वागत करेंगे। इन सीटों से बीजेपी के तरुण चुघ, रजनीश अग्रवाल और महेश केवट का राज्यसभा जाना तय हो गया है। यह पूरा विवाद कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन के नामांकन खारिज होने के बाद शुरू हुआ। बीजेपी ने उन पर आपराधिक मामले की जानकारी छिपाने का आरोप लगाया था। स्क्रूटनी के दौरान रिटर्निंग ऑफिसर ने आपत्ति सही मानते हुए उनका नामांकन रद्द कर दिया। इसके बाद कांग्रेस ने इस फैसले के खिलाफ विरोध दर्ज कराया और सड़क पर प्रदर्शन भी किया। मामला चुनाव आयोग तक पहुंचा, लेकिन वहां से भी राहत नहीं मिली। आयोग ने भी आपराधिक मामले की जानकारी छिपाने को आधार मानते हुए नामांकन खारिज रखने का निर्णय बरकरार रखा। फिलहाल कांग्रेस की ओर से मीनाक्षी नटराजन ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पत्र पर भाजपा ने आपत्ति दर्ज कराई है। भाजपा का आरोप है कि मीनाक्षी नटराजन ने अपने शपथ पत्र में हैदराबाद की एक अदालत में लंबित प्रकरण की जानकारी नहीं दी है।

भाजपा ने केवट पर क्यों लगाया था दांव

मध्य प्रदेश की रिक्त हुई तीन राज्यसभा सीटों के नतीजे आज घोषित हो गए हैं। तीनों सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। इनमें एक उम्मीदवार महेश केवट का नाम चर्चा में रहा। भाजपा ने महेश केवट को प्रत्याशी बनाकर पूरे देश और खासकर यूपी में सामाजिक और राजनीतिक संदेश देने की कोशिश की थी। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा ने इस फैसले से प्रदेश के अति पिछड़ा वर्ग के साथ-साथ आगामी उत्तर प्रदेश चुनाव को देखते हुए वहां के प्रभावशाली निषाद-केवट समाज को भी साधने का प्रयास किया था।

'वेलकम टू द जंगल' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की काफी चर्चा है। फैंस को इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया है। ट्रेलर काफी शानदार है और इसने फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया है। 4 मिनट 10 सेकंड का यह ट्रेलर कॉमेडी से भरपूर है। इसमें फिल्म की झलक दिखी है।

ट्रेलर में क्या है खास? ट्रेलर की शुरुआत जैकलीन फर्नांडीज और परेश रावल को दिखाने से होती है। इसके बाद एक-एक करके फिल्म की पूरी स्टारकास्ट नजर आती है। एक वॉयस ओवर सभी कलाकारों के नाम बताता है। इसके बाद परेश रावल एक फिल्म बनाने का प्लान बनाते हैं। इसमें वह सभी कलाकारों को कास्ट करते हैं।

ट्रेलर में होता है टकराव: ट्रेलर में आगे दिखाया गया है कि फिल्म की शूटिंग एक गांव में शुरू होती है। गांव वालों को लगता है कि फिल्म के कलाकार उनके गांव को गुंडों से आजाद कराएंगे। इतने में वहां असली गुंडे आ जाते हैं। इसके बाद फिल्म का सेट अखाड़ा बन जाता है। फिल्म की स्टारकास्ट और असली गुंडों में जबरदस्त टकराव होता है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

क्र./चार/रा.वि./न.नि./2026/976/100 — भिलाई दिनांक 09/06/2026

// निविदा/ऑफर आमंत्रण सूचना //

"नगर पालिक निगम, भिलाई, शिवाजी नगर जोन-04 क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्रमांक 38 सोनिया गांधी नगर में स्थित पावर हाउस बस स्थानक में निर्मित 05 दुकानो को अस्थाई किरायेदारी में दिए जाने हेतु" इच्छुक व्यक्तियों से तीन लिफाफा पद्धति से बंद लिफाफे में दिनांक-25.06.2026 कार्यालयीन समय तक ऑफर आमंत्रित की जाती है। अस्थाई किरायेदारी हेतु उपलब्ध दुकानों की जानकारी निम्नानुसार है -

क्र.	दुकान का क्रमांक	कुल दुकान संख्या	दुकान योग्य वास्तविक आकार
1	2	3	4
1	1	01	3.00×2.80=8.40 sqm
2	2	01	3.00×2.50=7.50 sqm
3	3	01	3.00×2.60=7.80 sqm
4	4	01	3.00×2.50=7.50 sqm
5	5	01	3.00×2.70=8.10 sqm

लिफाफा **"आयुक्त नगर पालिक निगम आकाश गंगा सुपेला जी.ई. रोड भिलाई पिन कोड-490023"** पते पर **स्पीड पोस्ट/रजिस्टर डाक के माध्यम से ही स्वीकार किया जावेगा।** आवेदन/लिफाफा सीधे कार्यालय में स्वीकार नहीं किया जावेगा। लिफाफा निर्धारित तिथि के उपरांत अगले कार्यदिवस पर ऑफरकर्ताओ / निविदाकार / प्रतिनिधि के समक्ष खोला जावेगा। लिफाफे के उपर आवेदित **दुकान का क्रमांक, कुल दुकान संख्या, दुकान योग्य वास्तविक आकार के साथ-साथ आवेदन का वर्ग (अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व./सामान्य)** का स्पष्ट उल्लेख किया जाना अनिवार्य है। आवेदन हेतु निर्धारित शुल्क राशि रू. 100/- मात्र जमा कर कार्यालयीन समय में **राजस्व अधिकारी नगर पालिक निगम आकाश गंगा सुपेला जी.ई. रोड भिलाई** में निर्धारित प्रारूप में आवेदन तथा नियम शर्तो की प्रति प्राप्त की जा सकती है। जिसकी आवेदन की अंतिम तिथि दिनांक 23.06.2026 है। आमंत्रित ऑफर आमंत्रण सूचना की विस्तृत एवं वर्गवार दुकानों के आरक्षण की जानकारी नगर पालिक निगम, भिलाई के वेब साईट https://bhilainagarnigam.com/एवं संचालनालय के वेब साईट uad.cg.gov.in से दिनांक 23-06-2026 तक डाउनलोड की जा सकती है।

आयुक्त
नगर पालिक निगम
भिलाई

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH, WATER RESOURCES DEPARTMENT
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
MINIMATA BANGO CANAL DIVISION NO. 05 KHARSIA (C.G.)

e-PROCUREMENT TENDER NOTICE
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

NIT No.: 02/SAC/2026-27 — **Dated: 08.06.2026**

Online Tenders are invited for the following works up to 30.06.2026, at 17.30 Hour

System Tender No.	Group No.	Name of work	Probable amount of contract excluding GST (in lakhs)	Tender call
192556	01	RENOVATION OF SARASKELA TANK UNDER BLOCK MALKHARODA OF DISTRICT SAKTI.	226.07	First Call
192558	02	RENOVATION OF POTA TANK UNDER BLOCK MALKHARODA OF DISTRICT SAKTI.	187.22	First Call

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh Integrated e-Procurement Portal **(https://eproc.cgstate.gov.in) from Date 15.06.2026, at 17.31 Hours. (IST) onwards.**

Note : 1. All eligible/intrested contractors/bidders are mandated to get enrolled on the Integrated e-procurement portal **(https://eproc.cgstate.gov.in)** and get approval on specific vendor class from **PWD** under Centralized Contractor/Supplier Registration in order to download the tender documents and participate in the subsequent bidding process.
2. Probable amount and contract (P.A.C) is as per S.O.R 01.05.2025 and amendment upto 08.08.2025.

EXECUTIVE ENGINEER
MINIMATA BANGO CANAL DIVISION NO.05
KHARSIA (C.G.)

G- 262701299/5

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया — क्षेत्रीय कार्यालय- रायपुर (छ.ग.)
Central Bank of India — Regional Office- Raipur (C.G.)

परिशिष्ट-4 नियम-8 (1) कब्जा नोटिस (अचल संपत्ति के लिए)

यतः
अधोहस्ताक्षरी ने जो वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 का अधिनियम के अधीन सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का प्राधिकृत अधिकारी हैं, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उधार लेने वाले को निम्नलिखित तिथि को एक मांग नोटिस में उल्लेखित रकम तथा उस पर ब्याज उक्त नोटिस प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर प्रतिदाय करने की मांग करने के लिए जारी की थी। उधार लेने वाले द्वारा रकम का प्रतिदाय करने में असफल रहने पर, उधार लेने वाले और जनसाधारण को यह सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 4 के अधीन उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित दिनांक को इसमें नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा ले लिया है। उधार लेने वाले को विशिष्ट रुप से और जनसाधारण को इसके द्वारा सावधान किया जाता है कि वह इस संपत्ति से संबंधित कोई व्यवहार न करें एवं यदि करता है तो वह निम्नलिखित देय धनराशि तथा उस पर देय ब्याज तथा व्यय के लिए **सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया** के प्रभार के अधीन होगा।

देनदार का ध्यान रक्षित संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय हेतु अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

क्र. सं.	उधारकर्ता/जमानतदार का नाम एवं पता/शाखा	संपत्ति का विवरण	मांग सूचना की राशि/दिनांक
01	**श्री रेवती रमन कैवर्त्य पुत्र श्री चौथ राम कैवर्त्य एवं गारंटर श्री चौथ राम केवट पुत्र श्री बुदगी केवट, दोनों निवासी:** ग्राम- बनाहिल, अकलतरा, पोस्ट- पकारिया, तहसील- अकलतरा, जिला- जांजगीर-चांपा (छ.ग.) **शाखा: अकलतरा, जिला- जांजगीर-चांपा**	**श्री चौथ राम केवट** के नाम पर खसरा नं. 203/4, प.ह.नं. 16, ग्राम- बनाहिल, शिवरीनारायण रोड, रा.नि.मं. एवं तहसील- अकलतरा, जिला- जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़) कुल क्षेत्रफल 0.76 एकड़ में से परिवर्तित 0.20 एकड़ (8720.0 वर्ग फुट) में स्थित आवासीय भूमि और भवन के समस्त भाग तथा अंश। **चौहद्दी: उत्तर-** अपनी भूमि, **दक्षिण-** खोलबहरा की भूमि, **पूर्व-** एनएच 200 सड़क, **पश्चिम-** अपनी भूमि।	23/02/2026 ₹ 16,46,827.00 उस पर देय ब्याज तथा व्यय कब्जा लेने की तारीख 08/06/2026
02	**श्री जीवन लाल चंद्रा पुत्र श्री भुवन लाल चंद्रा,** निवासी- एफ-249, अलख नंदा विहार, विद्युत नगर, जमनीपाली, तहसील व जिला- कोरबा (छत्तीसगढ़) **शाखा: विवेकानंद आश्रम, जिला- रायपुर**	**श्री जीवन लाल चंद्रा पुत्र श्री भुवन लाल चंद्रा** के नाम पर खसरा नं. 20 (का भाग), प.ह.नं. 07, प्लॉट नं. 08, ग्राम- सांकरा, रा.नि.मं.- भिलाई-3, तहसील- पाटन, जिला- दुर्ग (छत्तीसगढ़) क्षेत्रफल 800 वर्ग फुट में स्थित आवासीय भूमि और भवन के समस्त भाग तथा अंश। **चौहद्दी: उत्तर-** प्लॉट नं. 03, **दक्षिण-** 25 फीट सड़क, **पूर्व-** प्लॉट नं. 06 व 07, **पश्चिम-** प्लॉट नं. 09.	10/09/2025 ₹ 4,42,008.00 उस पर देय ब्याज तथा व्यय कब्जा लेने की तारीख 06/06/2026
03	**श्रीमती रेखा अग्रवाल पति श्री विनोद अग्रवाल एवं श्री विनोद अग्रवाल पुत्र श्री संतोष अग्रवाल तथा गारंटर श्री भावेश अग्रवाल पुत्र श्री विनोद अग्रवाल, सभी का पता:** वार्ड नं. 06, परशुराम वार्ड, हनुमान मंदिर के पास, मोती बाड़ी, भाटापारा, तहसील- भाटापारा, जिला- बलौदा बाजार- भाटापारा (छ.ग.) **शाखा- भाटापारा, जिला- बलौदा बाजार.**	**श्रीमती रेखा अग्रवाल पति श्री विनोद अग्रवाल** के नाम पर खसरा नं. 234/8, प.ह.नं. 6/11, मौजा- हथनी, आरएनएम भाटापारा, वार्ड नं. 06, परशुराम वार्ड, हनुमान मंदिर के पास, मोतीबाड़ी, तहसील भाटापारा, जिला- बलौदा बाजार-भाटापारा (छ.ग.), क्षेत्रफल 680.0 वर्गफुट में स्थित आवासीय संपत्ति (मकान) के समस्त भाग व अंश। **चौहद्दी: उत्तर-** रास्ता, **दक्षिण-** ठाकुर की भूमि, **पूर्व-** महेश देवांगन की भूमि, **पश्चिम-** नारायण भट्ठ की भूमि।	30/03/2026 ₹ 8,46,501.06 उस पर देय ब्याज तथा व्यय कब्जा लेने की तारीख 11/06/2026

दिनांक: 11.06.2026, स्थान- रायपुर (छ.ग.) — प्राधिकृत अधिकारी, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया

धमतरी में गुड्स ट्रेनः स्टेशन पहुंची मालगाड़ी ने बढ़ाई लोगों की उत्सुकता, 20 दिनों में हो सकता है ट्रायल रन

धमतरी/नवप्रदेश। क्या धमतरी में जल्द ही बड़ी ट्रेन का सपना साकार होने वाला है? बुधवार को रेलवे स्टेशन पर एक ट्रेन के पहुंचते ही शहर में इसी चर्चा ने जोर पकड़ लिया। वर्षों से ब्रॉडगेज रेल लाइन का इंतजार कर रहे लोगों के लिए यह दृश्य किसी खुशखबरी से कम नहीं था। ट्रेन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग रेलवे स्टेशन पहुंच गए और उत्सुकता के साथ ट्रेन को निहारते रहे।

अन्य जरूरी कार्य में भी तेजी

दरअसल, धमतरी में नैरोगेज रेलवे लाइन को ब्रॉडगेज में परिवर्तित करने का कार्य अंतिम चरण में पहुंच चुका है। सिहावा चौक तक रेलवे ट्रैक बिछाने का काम पूरा हो गया है, जबकि अन्य जरूरी कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। वर्तमान में दो ट्रैक बिछाए जा चुके हैं और तीसरे ट्रैक की तैयारी चल रही है। निर्माण कार्य में उपयोग होने वाली सामग्री लगातार धमतरी लाई जा रही है।

20 दिनों के भीतर ट्रायल रन की संभावना

कुछ दिन पहले महापौर और कलेक्टर ने रेलवे परियोजना का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान अगले 15 से 20 दिनों के भीतर ट्रायल रन की संभावना जताई गई थी। वहीं विद्युत विभाग द्वारा पोल और ट्रांसफार्मर शिफ्टिंग का कार्य भी तेजी से पूरा किया जा रहा है। ऐसे में उम्मीद बढ़ गई है कि स्वतंत्रता दिवस के आसपास धमतरी को बड़ी ट्रेन की सौगात मिल सकती है।

ट्रेन के आगमन से लोगों की उत्सुकता

इसी कड़ी में बुधवार को रेल पांत और अन्य आवश्यक सामग्री लेकर एक गुड्स ट्रेन धमतरी रेलवे स्टेशन पहुंची। डीजल इंजन से संचालित इस ट्रेन के आगमन ने लोगों की उत्सुकता और बढ़ा दी। कई लोगों ने इसे ब्रॉडगेज लाइन पर ट्रेन संचालन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना। रेलवे से जुड़े जानकारों का कहना है कि, इस दौरान ट्रैक की क्षमता और गुणवत्ता का भी परीक्षण हो गया।

यात्रियों को मिलेगी बेहतर सुविधा

ब्रॉडगेज परियोजना पूरी होने के बाद धमतरी का रेल संपर्क प्रदेश और देश के प्रमुख शहरों से मजबूत होगा। इससे यात्रियों को बेहतर यातायात सुविधा मिलने के साथ-साथ व्यापार, पर्यटन और क्षेत्रीय विकास को भी नई गति मिलने की उम्मीद है। फिलहाल, स्टेशन पहुंची ट्रेन ने शहरवासियों की उम्मीदों को नई रफ्तार दे दी है।

न्यूज गैलरी

रेलवे स्टेशनों का होगा फायर सेफ्टी ऑडिट

रायपुर/नवप्रदेश। रेलवे स्टेशनों पर आगजनी की घटनाओं और बढ़ती यात्री संख्या के बीच भारतीय रेल ने देशभर के स्टेशनों का फायर सेफ्टी ऑडिट कराने का फैसला किया है। ऑडिट के दौरान स्टेशनों पर मौजूद अग्नि सुरक्षा इंतजामों की जांच की जाएगी और जहां भी कमियां मिलेंगी, वहां सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, ऑडिट में स्टेशन भवन, इलेक्ट्रिकल सिस्टम, एयर कंडीशनिंग और वेंटिलेशन सिस्टम, इमरजेंसी एग्जिट, फायर फाइटिंग सिस्टम, पानी की उपलब्धता, पंपिंग सिस्टम और स्प्रिंकलर सिस्टम समेत सभी महत्वपूर्ण सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की जाएगी। ऑडिट के दौरान यह भी देखा जाएगा कि, स्टेशनों पर निर्धारित फायर सेफ्टी मानकों और सुरक्षा नियमों का पालन किया जा रहा है या नहीं। जिन स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था में खामियां पाई जाएंगी, वहां प्राथमिकता के आधार पर सुधार कार्य किए जाएंगे। स्टेशनों की जांच के लिए विभिन्न विभागों की संयुक्त टीमें गठित की जाएंगी। जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ एजेंसियों और राज्य फायर विभाग की मदद भी ली जाएगी। निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए आवश्यक कदम तय किए जाएंगे।

रायपुर में शराब बेचते आदतन बदमाश गिरफ्तार

रायपुर/नवप्रदेश। मौदहापारा थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफकार्रवाई करते हुए एक आदतन गुंडा-बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी शहीद स्मारक भवन की पार्किंग में अवैध रूप से शराब बेच रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से अंग्रेजी शराब, नकदी और एक एक्टिवा समेत कुल 24,820 रुपए का सामान जब्त किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान रजबंधा मैदान निवासी 52 वर्षीय फिरोज खान के रूप में हुई है। उसके खिलाफ लंबे समय से अवैध शराब कारोबार की शिकायतें मिल रही थीं। मौदहापारा पुलिस के मुताबिक फिरोज खान क्षेत्र का आदतन गुंडा-बदमाश है और उसकी गतिविधियों पर काफी समय से नजर रखी जा रही थी। अवैध शराब बिक्री की लगातार शिकायतों के बाद पुलिस ने निगरानी बढ़ाई थी और कई स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगवाए थे। पुलिस का कहना है कि कार्रवाई के दबाव के चलते आरोपी ने अपने घर के बजाय अलग-अलग जगहों से शराब बेचना शुरू कर दिया था। वह बार-बार ठिकाना बदलकर पुलिस को चकमा देने की कोशिश कर रहा था। पुलिस को सूचना मिली थी कि शहीद स्मारक भवन की पार्किंग में एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब बेच रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर मौके से फिरोज खान को पकड़ लिया।तलाशी के दौरान उसके पास से 36 पौवा गोवा अंग्रेजी शराब, 500 रुपए नकद और एक्टिवा बरामद की गई।

बीजापुर में स्कूल बसों की सघन जांच, सुरक्षित वाहन संचालन करने वाले चालकों का सम्मान

बीजापुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिला पुलिस और परिवहन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को मिनी स्टेडियम बीजापुर में स्कूल बस जांच अभियान एवं चालक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्कूली बच्चों के सुरक्षित आवागमन को सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम में ऑटो संघ और पिकअप संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य, यातायात नोडल अधिकारी एवं पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) विनीत साहू, यातायात प्रभारी केशव ठाकुर तथा परिवहन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

एमसीबी में स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे को मिली गति

मनेंद्रगढ़/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में स्वास्थ्य सेवाओं और ग्रामीण अधोसंरचना को मजबूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है। जहां मनेंद्रगढ़ के 220 बिस्तर के अस्पताल में शुरू की गई अटल आरोग्य लैब ने संचालन के पहले 10 दिनों में ही चार हजार से अधिक जांचें कर क्षेत्र में अपनी उपयोगिता साबित की है, वहीं भौता क्षेत्र में 10 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से बनने वाली लगभग 13.5 किलोमीटर लंबी सड़क परियोजना का भूमिपूजन भी किया गया। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मनेंद्रगढ़ अस्पताल में स्थापित अटल आरोग्य लैब में वर्तमान में 136 प्रकार की जांच सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके शुरू होने से मरीजों को जांच के लिए निजी संस्थानों अथवा दूसरे शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बैकुंठपुर के बाद मनेंद्रगढ़ में दूसरी अटल आरोग्य लैब शुरू की गई थी और अब इस योजना का विस्तार अन्य जिलों में भी किया जा रहा है।

अब तक 15 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां लगीं, जेसीबी से दुकान का हिस्सा तोड़ा गया

रायपुर के ऑटोमोबाइल शॉप में भीषण आग, लाखों का नुकसान

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर के एमजी रोड स्थित जया ऑटोमोबाइल की बिल्डिंग में गुरुवार सुबह भीषण आग लग गई। सुबह 10 बजे से लगी आग पर अब तक पूरी तरह से काबू नहीं पाया जा सका है। आग बिल्डिंग की दूसरी और तीसरी मंजिल तक पहुंच गई थी।

जेसीबी से शॉप के सामने का हिस्सा तोड़कर फायर कर्मी अंदर घुसे और आग बुझाने का प्रयास किया। घटना मौदहापारा थाना क्षेत्र की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह दुकान के अंदर से धुआं निकलता दिखाई दिया था। बताया जा रहा एमसीबी उठाने के बाद शॉर्ट सर्किट हुआ था।

शॉप के अंदर बड़ी मात्रा में गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स, टायर, ट्यूब, प्लास्टिक का सामान और लुब्रिकेंट्स (ज्वलनशील तेल) रखे हुए थे, जिससे आग फैली है। आग पर काबू पाने तकरीबन 15 फायर ब्रिगेड की गाड़ियों की मदद ली गई।

रायपुर में आज पानी का शॉर्टेज

आग बुझाने के लिए 15 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां लग चुकी हैं। आज शहर में फिल्टर प्लांट की वजह से पानी सप्लाई प्रभावित है। ऐसे में चुनौती और ज्यादा है, फिलहाल आग बुझाने तालाब का पानी भी इस्तेमाल किया गया। नया रायपुर से भी फायर ब्रिगेड बुलाई गई थी।

प्रशासन ने पूरी मदद कीः गिदवानी

एमआईसी मेंबर अमर गिदवानी ने कहा कि आग से लाखों-करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है। प्रशासन ने हर संभव मदद की है। आग बुझाने के लिए नया रायपुर से भी फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बुलाई गईं।

तीन घंटे से आग बुझाने का काम जारी

मौदहापारा टीआई शक्ति सिंह ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम को मौके पर भेजा गया। यह घटना सुबह करीब 10 बजे की है। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम के पहुंचते ही आग बुझाने का काम शुरू कर दिया गया। दोपहर तक भी आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका था और आग बुझाने का कार्य जारी है। आग लगने से हुए नुकसान का आकलन अभी नहीं किया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ को मिला नया मुखिया

■ **सौरभ शर्मा ने संभाला प्राधिकृत अधिकारी का पदभार**

रायपुर (नवप्रदेश)। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित, रायपुर में गुरुवार 11 जून को सौरभ शर्मा ने प्राधिकृत अधिकारी के रूप में विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। यह नियुक्ति आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं, छत्तीसगढ़ द्वारा जारी आदेश के तहत की गई है।

सहकारिता को मजबूत बनाने की जताई प्रतिबद्धताः कार्यभार ग्रहण करने के बाद सौरभ शर्मा ने कहा कि वे शासन के निर्देशों और सहकारिता के मूल सिद्धांतों के अनुरूप कार्य करते हुए संघ को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

उन्होंने सहकारी संस्थाओं के विकास, सदस्य हितों की सुरक्षा और सहकारिता आंदोलन को नई दिशा देने के लिए सभी के सहयोग की अपेक्षा की।

अधिकारियों और कर्मचारियों ने दी शुभकामनाएंः कार्यभार ग्रहण समारोह के दौरान उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने शर्मा को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी तथा उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

संघ के कार्यों में तेजी आने की उम्मीदः छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ मर्यादित प्रदेश में सहकारिता के विकास और संवर्धन के लिए लगातार कार्य कर रहा है। नए नेतृत्व के साथ संघ की गतिविधियों और योजनाओं को और अधिक गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इस अवसर पर संघ की प्रबंध संचालक पूर्णिमा सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी पी.सी. ध्रुव सहित संघ के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

कयाकिंग-कैनोइंग में छत्तीसगढ़ की मजबूत दावेदारी, 130 खिलाड़ियों ने किया प्रदर्शन

■ **18 पदक के साथ ओवरऑल खिताब की रेस में दूसरे स्थान पर, पहले के लिए पंजाब से मुकाबला**

रायपुर/नवप्रदेश। सेंध जलाशय, अटल नगर में आयोजित अस्मिता जोनल कयाकिंग एंड कैनोइंग प्रतियोगिता 2026 का गुरुवार को समापन समारोह आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में 10 राज्यों के करीब 130 खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर अपने हुनर का प्रदर्शन किया। सब-जूनियर और जूनियर वर्ग में आयोजित इस प्रतियोगिता में दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़ और मेजबान छत्तीसगढ़ की टीमें शामिल हुईं।

तीन दिनों की प्रतियोगिता के बाद मेजबान छत्तीसगढ़ ने 8 स्वर्ण, 3 रजत और 7 कांस्य समेत कुल 18 पदक अपने नाम किए हैं। इसके साथ ही टीम फिलहाल ओवरऑल तालिका में दूसरे स्थान पर बनी हुई है।

हालांकि खराब मौसम के कारण अंतिम चरण के दो इवेंट स्थगित कर दिए गए। अब शुक्रवार सुबह होने वाले इन मुकाबलों के नतीजे ही ओवरऑल चैंपियन का फैसला करेंगे। मौजूदा चैंपियन पंजाब अपनी बादशाहत बरकरार रखने की कोशिश में है, जबकि छत्तीसगढ़ पहली बार खिताब जीतने के करीब पहुंच गया है। समापन समारोह में छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष , छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष, रायपुर नगर निगम की पार्षद, छत्तीसगढ़ टेनिस एसोसिएशन के उपाध्यक्ष और स्कूल शिक्षा विभाग के सहायक संचालक मौजूद रहे। कार्यक्रम में एनडीआरएफ के प्रतिनिधि, खेल पदाधिकारी और आयोजन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत छत्तीसगढ़ प्रदेश कयाकिंग एंड कैनोइंग संघ के संयुक्त सचिव प्रशांत सिंह रघुवंशी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन अखिलेश दुबे ने किया।

संदिग्ध पशु मांस मिलने से हड़कंप, 86 किलो जब्त

■ **जांच के लिए हैदराबाद भेजे जाएंगे सैंपल**

धमतरी/नवप्रदेश। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत साल्हेवारपारा वार्ड की गाड़ापारा बस्ती में बड़ी मात्रा में संदिग्ध पशु मांस मिलने से गुरुवार को हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंचे गौ सेवकों और हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि बस्ती के भीतर एक व्यक्ति द्वारा पशु की कटाई की जा रही थी। मौके पर पहुंचने पर कथित रूप से मांस के टुकड़े, पशु के पैर और खाल मिले, जबकि कटाई कर रहा व्यक्ति मौके से फरार हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में गौ सेवक और हिंदू संगठन के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे तथा पुलिस को सूचना दी। सूचना पर सीएसपी अभिषेक चतुर्वेदी और कोतवाली थाना प्रभारी राजेश जगत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। पुलिस के पहुंचने से पहले ही संदिग्ध व्यक्ति फरार हो चुका था, जिसकी तलाश की जा रही है। इधर हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारियों ने दावा किया कि उन्हें सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति द्वारा गौवंश की कटाई की जा रही है। उनका कहना है कि मौके पर बड़ी मात्रा में संदिग्ध मांस के साथ हड्डियां, खुर और खाल भी मिले हैं। संगठन के सदस्यों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध रूप से पशु मांस की कटाई और बिक्री का काम किया जा रहा है। इस दौरान चित्रेश साहू, डागेश्वर साहू, अभिषेक साहू, सत्यम सिन्हा, शिवांश पटवा, दादू साहू, मनीष फुटान, सुभाष चंद्राकर और विजयंत सहित कई गौ सेवक एवं हिंदू संगठन के सदस्य मौके पर मौजूद रहे।

थाना घेराव की चेतावनी

हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि मामले में आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी नहीं होती है तो कोतवाली थाना का घेराव किया जाएगा। संगठन ने अज्ञात आरोपी के खिलाफसख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

साक्ष्य एकत्रित किए हैं

जिला पशु चिकित्सालय धमतरी के डॉक्टर मयंक पटेल ने बताया कि हमें पुलिस विभाग से गाड़ा पारा इलाके में पशु मांस काटे जाने की सूचना मिली थी। इसके तुरंत बाद मैं और मेरे सहयोगी पशु चिकित्सक मौके पर पहुंचे। वहां से साक्ष्य इकट्ठे किए गए हैं

टूटकर गिरे बिजली तार से 15 मवेशियों की मौत, ग्रामीणों में आक्रोश, मुआवजा की मांग

राजनांदगांव/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के ग्रामीण वार्ड सिंगदई में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। खेत में घास चर रहे करीब 15 मवेशियों की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। खेत में बिखरे पड़े मवेशियों के शव देखकर ग्रामीण स्तब्ध रह गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बुधवार शाम आई तेज आंधी-तूफान के कारण बिजली का तार टूटकर खेत में गिर गया था, जिसमें पूरी रात करंट दौड़ता रहा और उसी की चपेट में आकर मवेशियों की जान चली गई।

करंट की चपेट में आए मवेशीः ग्रामीणों के अनुसार, बुधवार दोपहर बाद मौसम ने अचानक करवट ली थी। तेज हवाओं और आंधी के चलते खेतों के ऊपर से गुजर रही बिजली लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। माना जा रहा है कि, बिजली का तार टूटकर खेत में गिर गया और उसमें लगातार करंट प्रवाहित होता रहा। इसी दौरान वहां पहुंचे मवेशी करंट की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

अलग-अलग स्थानों पड़े मिले मवेशी

गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने खेत में अलग-अलग स्थानों पर मवेशियों के शव पड़े देखे और इसकी सूचना कोटवार के माध्यम से पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस और पशु चिकित्सा विभाग की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा कार्रवाई शुरू की और मवेशियों के शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

ग्रामीणों में आक्रोश का माहौल

घटना के बाद गांव में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का आरोप है कि, बिजली विभाग की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है। लोगों ने जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफकार्रवाई की मांग की है। वहीं मृत मवेशियों के मालिकों ने प्रशासन से उचित मुआवजा देने की मांग की है। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की जांच में जुटे हुए हैं।

रायपुरा में 2 अवैध मकान पर चला नगर निगम का बुलडोजर

■ **ग्रीन नेट नहीं लगाने और सड़क पर मलबा फैलाने वालों से भी वसूला गया जुर्माना**

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर में अवैध निर्माण के खिलाफ नगर निगम का अभियान जारी है। निगम की जोन-8 टीम ने रायपुरा स्थित डुप्सा तालाब के पास चल रहे करीब 1100 वर्गफीट के अवैध निर्माण को तोड़ दिया। इसके अलावा वृंदावन कॉलोनी में बिना अनुमति बनाए जा रहे दो मकानों पर भी बुलडोजर चलाया गया। कार्रवाई के दौरान निर्माण कार्यों में नियमों की अनदेखी करने वाले लोगों पर जुर्माना भी लगाया गया। सड़क पर निर्माण मलबा (सी एंड डी वेस्ट) फैलाने और ग्रीन नेट लगाए बिना निर्माण कराने वालों से कुल 7 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार संत रविदास वार्ड क्रमांक-70 में रायपुरा स्थित डुप्सा तालाब के पास करीब 1100 वर्गफीट क्षेत्र में बिना अनुमति निर्माण किया जा रहा था। शिकायत और जांच के बाद निगम की टीम मौके पर पहुंची और निर्माण को तोड़ने की कार्रवाई की।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, समाचार संपादक-संदीप दीवान, RNI NO.CHHHIN/2012/41806
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, Gmail: navpradesh@gmail.com